{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 17 मई 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 01 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 232
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

PMG हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

राहुल गांधी का सरकार पर हमला, परीक्षा पत्र प्रकरण पर प्रधानमंत्री से मांगी जवाबदेही

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी चिकित्सकीय प्रवेश परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक प्रकरण को लेकर सियासत तेज हो गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को एक वीडियो संदेश जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधे जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि लाखों विद्यार्थियों की वर्षों की मेहनत पर पानी फिर गया है और इस पूरे मामले में जिम्मेदारी तय होना जरूरी है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र सामाजिक माध्यमों पर फैलाया जा रहा था, लेकिन व्यवस्था संभालने वाले लोगों ने समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने मांग की कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाया जाए, अन्यथा प्रधानमंत्री स्वयं इस मामले की जिम्मेदारी लें। उन्होंने यह भी दावा किया कि पिछले वर्षों में कई भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे करोड़ों युवाओं का भरोसा व्यवस्था से उठ रहा है। गौरतलब है कि तीन मई को आयोजित परीक्षा में देश भर से बाइस लाख से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया था। प्रश्नपत्र लीक की शिकायतों के बाद परीक्षा निरस्त कर दी गई। अब दोबारा परीक्षा इक्कीस जून को आयोजित की जाएगी। मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो कर रही है।

दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला, विमान ईंधन पर कर में भारी कटौती

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने हवाई क्षेत्र से जुड़े उद्योग और यात्रियों को राहत देने वाला बड़ा निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में शनिवार को आयोजित मंत्रिमंडल बैठक में विमान ईंधन पर लगने वाले मूल्य वर्धित कर में बड़ी कटौती को मंजूरी दे दी गई। सरकार ने यह कर दर पच्चीस प्रतिशत से घटाकर सीधे सात प्रतिशत कर दी है।

सरकार के इस फैसले को नागरिक उड्डयन क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। माना जा रहा है कि कर में कमी आने से विमानन कंपनियों की परिचालन लागत घटेगी, जिसका सीधा लाभ यात्रियों को सस्ती हवाई यात्रा के रूप में मिल सकता है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार यह फैसला पश्चिम एशिया में जारी तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईंधन कीमतों को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच लिया गया है। ईंधन लागत में लगातार उतार-चढ़ाव के कारण विमानन क्षेत्र पर दबाव बढ़ रहा था, जिसे देखते हुए सरकार ने कर ढांचे में राहत देने का कदम उठाया है।

नीट-यूजी-एनटीए द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ वरिष्ठ बॉटनी टीचर निकली मास्टरमाइंड

बॉटनी और जूलॉजी दोनों विषयों के प्रश्न-पत्रों को किया लीक

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2026 फिर विवादों में घिर गई है, और इस बार का खुलासा इतना चौंकाने वाला है कि पूरे शिक्षा तंत्र में भूचाल आ गया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पेपर लीक कांड की मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया है, जो पुणे की एक वरिष्ठ बॉटनी टीचर मनीषा गुरुनाथ मंधारे हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि मंधारे खुद राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा नियुक्त एक विशेषज्ञ थीं और उन्हें प्रश्न पत्रों तक सीधी पहुंच प्राप्त थी। लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़े मामले में सीबीआई की जांच ने एक बड़ी साजिश का पर्दाफाश किया है।

सीबीआई के अनुसार, मंधारे परीक्षा प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थीं, जिन्हें बॉटनी और जूलॉजी दोनों विषयों के प्रश्न पत्रों तक विशेष और गोपनीय पहुंच हासिल थी। आरोप है कि उन्होंने अपनी इसी जिम्मेदारी का दुरुपयोग कर परीक्षा से पहले ही चुनिंदा प्रश्न पत्रों को बाहर निकाल दिया। जांच में सामने आया है कि उन्होंने गोपनीय जानकारी को सुनियोजित तरीके से छात्रों तक पहुंचाने के लिए पूरा नेटवर्क तैयार किया था।

जांच एजेंसी के मुताबिक, अप्रैल 2026 के दौरान मनीषा ने पुणे की मनीषा वाघमारे की मदद से संभावित उम्मीदवारों को इकट्ठा किया। इसके बाद, उन्होंने अपने घर पर विशेष कोचिंग सत्र आयोजित किए। इन सत्रों में, छात्रों को बॉटनी और जूलॉजी के कई महत्वपूर्ण प्रश्न समझाए गए, उन्हें नोटबुक में लिखवाया गया और यहां तक कि किताबों में भी चिन्हित करवाया गया। बाद में, 3 मई 2026 को आयोजित वास्तविक नीट-यूजी परीक्षा में यही प्रश्न सामने आए, जिससे छात्रों के बीच असंतोष और संदेह का माहौल गहरा गया।

बीते 24 घंटों में, सीबीआई ने देश भर के छह अलग-अलग ठिकानों पर सघन छापेमारी की। इस दौरान, जांच एजेंसी ने कई आपत्तिजनक दस्तावेज, लैपटॉप, मोबाइल फोन और बैंक स्टेटमेंट जब्त किए हैं। एजेंसी अब डिजिटल डेटा का विश्लेषण कर रही है और पैसों के लेन-देन की गहन जांच कर रही है ताकि यह पता चल सके कि पेपर लीक के बदले कितनी मोटी रकम ली गई और इस व्यापक साजिश में कितने और लोग शामिल थे। अब तक मामले में दिल्ली, जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे और अहल्यानगर सहित कई शहरों से कुल नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें से पांच आरोपियों को अदालत ने सात दिनों की पुलिस रिमांड पर भेजा है, जबकि हाल ही में गिरफ्तार किए गए दो अन्य आरोपियों को पुणे से दिल्ली लाया गया है, जहां उनसे गहन पूछताछ जारी है। यह दर्शाता है कि यह नेटवर्क दिल्ली से पुणे तक फैला हुआ था और इसमें कई स्तर के लोग शामिल थे।

इस बड़े खुलासे के बाद देशभर में नीट परीक्षा की पारदर्शिता और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। लाखों छात्र और उनके अभिभावक अब जानना चाहते हैं कि आखिर देश की इतनी गोपनीय और महत्वपूर्ण परीक्षा का पेपर इतनी आसानी से बाहर कैसे पहुंचा। वहीं सीबीआई ने बताया कि जांच अभी भी जारी है और आने वाले दिनों में इस बड़े नेटवर्क से जुड़े और भी बड़े नाम और खुलासे सामने आ सकते हैं, जो इस पूरे रैकेट की जड़ों तक पहुंचने में मददगार साबित हो सकते है।

कॉकरोच बयान पर सीजेआई का स्पष्टीकरण....भारत का हर युवा मुझे प्रेरित करता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने अपनी हालिया कॉकरोच टिप्पणी पर गहरा दुख व्यक्त कर स्पष्टीकरण जारी किया है। उन्होंने उन रिपोर्टों को खारिज किया, जिसमें दावा किया गया था कि उन्होंने देश के बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच और परजीवियों से की थी। सीजेआई ने कहा कि उनकी आलोचना उन लोगों पर केंद्रित थी जो फर्जी और नकली डिग्रियों का इस्तेमाल करके कानूनी पेशे में घुसपैठ कर रहे हैं। यह विवाद तब शुरू हुआ जब 15 मई को एक छोटे मामले की सुनवाई के दौरान सीजेआई की मौखिक टिप्पणियां मीडिया में वायरल हो गईं। कई रिपोर्ट्स में बताया गया कि उन्होंने युवा वकीलों को कॉकरोच कहा था। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, सीजेआई सूर्यकांत ने शनिवार को इस बात से इंकार करते हुए कहा कि उनकी टिप्पणियों को गलत तरीके से पेश किया गया। अपने स्पष्टीकरण में, जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, मुझे यह पढ़कर दुख हुआ कि मीडिया के एक हिस्से ने कल एक बेबुनियाद मामले की सुनवाई के दौरान मेरी मौखिक टिप्पणियों को गलत तरीके से पेश किया। मैंने खास तौर पर उन लोगों की आलोचना की थी, जो नकली और फर्जी डिग्रियों की मदद से वकालत जैसे पेशे में घुस आए हैं। इसतरह के लोग मीडिया, सोशल मीडिया और दूसरे नेक पेशों में भी घुसपैठ कर चुके हैं, और इसलिए वे परजीवी की तरह हैं। सीजेआई की मूल टिप्पणियां अधिवक्ता संजय दुबे द्वारा दिल्ली हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के खिलाफ दायर एक अवमानना याचिका की सुनवाई के दौरान आई थीं। यह याचिका सीनियर वकील का दर्जा देने की प्रक्रिया पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को कथित तौर पर लागू न करने से संबंधित थी। सुनवाई के दौरान, सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने दुबे को फटकार लगाई थी। शनिवार को जारी अपने स्पष्टीकरण में, चीफ जस्टिस ने साफ तौर पर दोहराया कि उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से हटकर समझा गया है। उन्होंने कहा, यह कहना पूरी तरह से बेबुनियाद है कि मैंने हमारे देश के युवाओं की आलोचना की है। मुझे न केवल हमारे वर्तमान और भविष्य के मानव संसाधन पर गर्व है, बल्कि भारत का हर युवा मुझे प्रेरित करता है।

पीएम मोदी ने विदेश यात्रा पर टैक्स की खबरों को बताया गलत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदेश यात्रा पर भारत सरकार द्वारा कोई नया टैक्स लगाने की खबरों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट के द्वारा इन दावों को पूरी तरह से गलत बताया। हालांकि, यह स्पष्टीकरण तब आया है जब महज कुछ दिन पहले ही प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं नागरिकों से देशहित में विदेश यात्राओं को टालने का आग्रह किया था।

पीएम मोदी ने कहा कि विदेश यात्रा पर ऐसी कोई पाबंदी लगाने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने अपनी सरकार की प्रतिबद्धता बताते हुए कहा कि उनकी सरकार लोगों के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज ऑफ लिविंग को बेहतर बनाने के लिए काम कर रही है। यह खंडन उन मीडिया रिपोर्ट्स के जवाब में आया था जिसमें दावा किया जा रहा था कि केंद्र सरकार विदेश यात्रा पर टैक्स, सेस या सरचार्ज लगाने पर गंभीरता से विचार कर रही है।

गौरतलब है कि 10 और 11 मई को दो अलग-अलग मौकों पर प्रधानमंत्री मोदी ने जनता से विदेश यात्राओं को कुछ समय के लिए टालने की अपील की थी। हैदराबाद में 10 मई को उन्होंने देशहित में शादियों, छुट्टियों या अन्य कारणों से होने वाली विदेश यात्राओं को स्थगित करने का सुझाव दिया था। अगले दिन, 11 मई को वडोदरा में उन्होंने विशेष रूप से विदेश में रहने वाले भारतीयों से कहा था कि वे खुद विदेश यात्रा से बचें और कम से कम पाँच विदेशी मेहमानों को भारत घुमाने लाएँ। इन अपीलों के पीछे महंगे ईंधन और वैश्विक हालात के कारण भारत पर पड़ रहे आर्थिक दबाव का हवाला दिया गया था। प्रधानमंत्री ने इन अपीलों के साथ-साथ सोना खरीदने, रासायनिक खाद के उपयोग, पेट्रोल-डीजल की खपत और खाद्य तेल के इस्तेमाल को भी कम करने का आग्रह किया था, जिसका उद्देश्य देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना था।

पार्थ और जय पवार की सक्रियता से प्रफुल्ल पटेल-तटकरे के सियासी भविष्य पर सवाल

दिल्ली में किसे मिलेगा प्रतिनिधित्व इस पर चर्चा

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में, अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के भीतर एक नई हलचल दिख रही है। पार्टी अध्यक्ष सुनेत्रा पवार द्वारा अपने बेटों, पार्थ और जय पवार, को संगठन में महत्वपूर्ण पदों पर लाने के बाद, वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे के राजनीतिक भविष्य को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा हैं कि क्या दोनों नेताओं को पार्टी में उनकी वरिष्ठता और अनुभव के अनुरूप तवज्जो मिलेगी, या वे सिर्फ राज्यसभा और लोकसभा सदस्य के तौर पर ही पार्टी में बने रहने वाले है। हालिया घटनाक्रमों में, छोटे बेटे जय को पार्टी का राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है, जिसके बाद उन्होंने बारामती में अपना जनता दरबार भी शुरू किया है, जो उनकी बढ़ती सक्रियता को दिखाता है। वहीं, पार्थ पवार को महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। परिवार के इन युवा सदस्यों के संगठन में बढ़ते दबदबे ने पार्टी के अंदर नई बहस छेड़ दी है। जहां कुछ लोग इन फैसलों को नई पीढ़ी का समावेश बता रहे हैं, वहीं 60 वर्ष से अधिक उम्र के अनुभवी नेताओं में अपने भविष्य को लेकर चिंताएं व्याप्त हैं, खासकर उन नेताओं के लिए जो अब तक पार्टी के बड़े फैसलों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं।

यह पहली बार नहीं है इसके पहले, 10 मार्च को जब सुनेत्रा पवार ने चुनाव आयोग को पार्टी अध्यक्ष के तौर पर सूचना दी थी, तब उन्होंने 14 पदाधिकारियों की सूची में केवल अपने और कोषाध्यक्ष शिवाजीराव गर्जे के पदों का उल्लेख किया था। उस पत्र में प्रफुल्ल पटेल, तटकरे और मंत्री छगन भुजबल सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं के संगठनात्मक पदों का कोई जिक्र नहीं था। हाल ही में जब एनसीपी की कार्यकारिणी की सूची भेजी गई, तब शुरुआती सूची में तटकरे और प्रफुल्ल पटेल के नाम अनुपस्थित थे, जिससे विवाद और गहरा गया।

सूत्रों के अनुसार, इस पूरे विवाद को सुलझाने के लिए आने वाले दिनों में स्थिति साफ हो सकती है। बताया जा रहा है कि सुनेत्रा और उनके बेटों पार्थ व जय ने तटकरे से संपर्क साधा है और उनसे मुलाकात का समय मांगा है। संभावित बैठक में स्पष्टीकरण मिलने की उम्मीद है। यह देखना दिलचस्प होगा कि जब केंद्र में मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाएं जारी हैं और एनसीपी, जो केंद्र सरकार में अभी तक मंत्री पद नहीं रखती, किसे मौका मिलता है, क्या पार्थ केंद्रीय मंत्री बनते हैं, या फिर तटकरे या प्रफुल्ल पटेल को दिल्ली में प्रतिनिधित्व मिलेगा।

भारत में 182 करोड़ की जिहादी ड्रग जब्त

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने ड्रग तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी हासिल की है, जिसमें जांच एजेंसियों ने पहली बार 182 करोड़ रुपये मूल्य की जिहादी कैप्टागन ड्रग्स जब्त की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसकी जानकारी देकर ऑपरेशन रेजपिल की सफलता बताया। उन्होंने कहा कि मध्य पूर्व जा रही इस ड्रग खेप की जब्ती और एक विदेशी नागरिक की गिरफ्तारी ड्रग्स के प्रति हमारी शून्य सहिष्णुता की नीति का मजबूत उदाहरण है।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि भारत सरकार ड्रग-फ्री इंडिया के संकल्प के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश में प्रवेश करने वाले या हमारे क्षेत्र को पारगमन मार्ग के रूप में उपयोग करके बाहर जाने वाले हर एक ग्राम नशीले पदार्थ पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के बहादुर और सतर्क योद्धाओं की सराहना की, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चलाए गए इस बड़े अभियान को अंजाम दिया। कैप्टागन वास्तव में फेनेथिलिन नामक एम्फेटामिन आधारित ड्रग है। इस जिहादी ड्रग इसलिए कहा जाता है क्योंकि मध्य पूर्व के युद्धग्रस्त इलाकों में आतंकी संगठनों के लड़ाके इसका इस्तेमाल करते हैं। इस ड्रग का सेवन करने से दर्द, डर या थकान का एहसास कम हो जाता है, जिससे लड़ाई और हिंसक गतिविधियों में इस्तेमाल किया जाता रहा है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि ऐसी ड्रग्स न केवल युवाओं को बर्बाद करती हैं।

पाकिस्तान को सेना प्रमुख की चेतावनी-भूगोल और इतिहास का हिस्सा बने रहना है या नहीं

नई दिल्ली। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर सीधा संदेश दिया है। उन्होंने दो टूक चेतावनी देकरा कहा है कि यदि पाकिस्तान आतंकवादियों को संरक्षण देना और भारत के खिलाफ अपनी आंतकी गतिविधियां जारी रखता है, तब पाकिस्तान को यह स्वयं तय करना होगा कि वह भूगोल और इतिहास का अभिन्न अंग बना रहना चाहता है या नहीं। सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी की यह गंभीर टिप्पणी 'सेना संवाद' कार्यक्रम में सामने आई है। इस चेतावनी ने निश्चित रूप से पाकिस्तान के भीतर हड़कंप मचा दिया होगा और आतंकवाद के प्रति भारत के जीरो-टॉलरेंस रुख को फिर स्पष्ट किया है।

दरअसल, 'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा 6-7 मई 2025 की देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में किया गया महत्वपूर्ण और जोखिम भरा सैन्य अभियान था। यह कार्रवाई 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम, जम्मू-कश्मीर में हुए बर्बर आतंकवादी हमले का करारा जवाब थी, जिसने पूरे देश को झकझोर दिया था। इस मिशन को ऑपरेशन सिंदूर नाम पीड़ित महिलाओं और उनके परिवारों को न्याय दिलाने तथा उनके गहरे घावों का सम्मान करने के लिए दिया गया था।

ऑपरेशन सिंदूर में, भारतीय सेना ने अपनी स्वदेशी हाई-टेक प्रणालियों और मिसाइलों का कुशलता से उपयोग कर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत (जैसे बहावलपुर) और पीओके में छिपे आतंकवादियों के नौ लांच पैड और ठिकानों को सिर्फ 25 मिनट के अंदर ध्वस्त किया था। यह एक सटीक और निर्णायक हमला था जिसने सीमा पार आतंकवाद को बड़ा झटका दिया।

होर्मुज पर ईरान का कमिटमेंट- भारत को मिला सुरक्षा का आश्वासन

नई दिल्ली। होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ती अस्थिरता और भारतीय जहाज पर हालिया हमले के बाद, ईरान ने भारत को व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आश्वासन दे दिया है। यह कदम नई दिल्ली के लिए राहत लेकर आया है। नई दिल्ली में ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात कर क्षेत्रीय स्थिति और होर्मुज की सुरक्षा पर चर्चा की। विदेश मंत्री अराघची ने कहा कि ईरान हमेशा होर्मुज की सुरक्षा के संरक्षक की अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारी निभाता रहेगा और अपने मित्र देशों के लिए भरोसेमंद साझेदार है। यह आश्वासन ओमान के पास एक भारतीय झंडे वाले जहाज पर हुए हमले के बाद आया है, जिसे भारत ने अस्वीकार्य बताया था। वर्तमान में, करीब 13 भारतीय जहाज होर्मुज स्ट्रेट पार करने का इंतजार कर रहे हैं। ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने बताया कि होर्मुज की स्थिति काफी जटिल है। उन्होंने कहा कि जहाजों को सुरक्षित मार्ग के लिए ईरानी सेना से संपर्क करना होगा क्योंकि इलाके में बारूदी सुरंगें और अन्य खतरे मौजूद हैं। ईरान और ओमान मिलकर भविष्य में समुद्री सुरक्षा व जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने पर काम कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि होर्मुज स्ट्रेट खुला है, लेकिन जो देश ईरान के खिलाफ युद्ध में शामिल हैं, उनके जहाजों की अतिरिक्त जांच की जाएगी।

कुछ ना कहना

भोजशाला-कमल मौला मस्जिद -बीजेपी ने कहा, सामने आई ऐतिहासिक सच्चाई

कांग्रेस ने दी ये सलाह

भोपाल। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट द्वारा भोजशाला-कमल मौला मस्जिद परिसर को लेकर दिए गए फैसले ने राजनीति में हलचल मचा दी है। इस निर्णय के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं, जहाँ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ऐतिहासिक और धार्मिक न्याय से जोड़कर देख रही है, वहीं विपक्षी दल इससे विवाद बढ़ने की आशंका जाहिर कर रहे हैं।

बीजेपी नेताओं ने हाईकोर्ट के फैसले का खुले दिल से स्वागत किया है। पार्टी के सांसद अतुल गर्ग ने इस एक दुखद स्थिति बताया कि इसतरह के मामलों को अदालत तक जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक स्थलों पर हुए कब्जों को हटाकर उन्हें उनके मूल स्वरूप में वापस लौटाया जाना चाहिए। इसी कड़ी में, बीजेपी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने ऐतिहासिक फैसला करार दिया। उनके अनुसार, भोजशाला परिसर कभी माता सरस्वती का मँदिर था, इस विदेशी आक्रमणों के दौरान नुकसान पहुंचाया गया। अदालत के इस निर्णय ने ऐतिहासिक सच्चाई को सामने लाने का काम किया है। उत्तर प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष पंकज चौधरी ने भी फैसले का स्वागत कर सनातन धर्म के अनुयायियों के लिए एक अच्छा अवसर बताया।

दूसरी ओर, कांग्रेस नेताओं ने मुद्दे पर अलग राय रखी है, जो फैसले के प्रति सम्मान के साथ-साथ भविष्य में संभावित विवादों पर चिंता जाहिर की है। कांग्रेस सांसद मनोज कुमार ने संविधान और न्यायपालिका का सम्मान करते हुए फैसले को स्वीकार किया, लेकिन साथ ही कहा कि लंबे समय से मुस्लिम समुदाय वहां धार्मिक गतिविधियां करता आ रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि सभी पक्षों को मिलकर समाधान निकालना चाहिए और उस स्थान को एक शिक्षा केंद्र या विश्वविद्यालय के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। उनका मानना है कि ऐसा करने से किसी भी प्रकार का विवाद खत्म होगा और समाज के सभी वर्गों के लोग एक साथ शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे, जिससे एकता बढ़ेगी। वहीं, कांग्रेस नेता हुसैन दलवाई ने फैसले को पूरी तरह से गलत बताया। उन्होंने कहा कि पहले ही यह तय हो चुका था कि यह जगह जैसी है, वैसी ही रहेगी। दलवाई ने हर जगह इस तरह का टकराव पैदा करने को गलत ठहराया और बौद्ध स्तूपों व जैन मंदिरों के विनाश का हवाला देकर उनकी भी जांच और बहाली की मांग की।

विवादित बयान मामले में आजम खान को 2 साल की जेल, 20 हजार जुर्माना

रामपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान को विवादित बयान मामले में हाल ही में बड़ा झटका लगा है। रामपुर की एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने उन्हें दोषी करार देकर दो साल कैद की सजा सुनाई है और 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। यह मामला 2019 के लोकसभा चुनाव से जुड़ा है, जब आजम खान समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी थे।

भोट थाना क्षेत्र में रोड शो के दौरान आजम खान ने तत्कालीन जिलाधिकारी (डीएम) पर निशाना साधकर एक आपत्तिजनक बयान दिया था, जिसका वीडियो तेजी से वायरल हो गया था। अपने बयान में आजम खान ने कहा था, ये तनखइया हैंज्इनसे मत डरियोज्इंशा अल्लाह इनसे जूते साफ कराऊंगाज्। इस बयान पर दिल्ली स्थित चुनाव आयोग ने संज्ञान लिया और राज्य निर्वाचन आयोग से रिपोर्ट मांगी। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर, तत्कालीन जिलाधिकारी आन्जनेय कुमार सिंह के आदेश पर, तत्कालीन एसडीएम टांडा घनश्याम त्रिपाठी ने भोट थाने में आजम खान के खिलाफ केस दर्ज कराया था। मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रही थी। एपीओ स्वदेश शर्मा ने बताया कि अदालत ने आजम को दोषी ठहराते हुए दो साल के साधारण कारावास और 20 हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया है।

बता दें कि आजम खान के लिए कानूनी मुश्किलें यहीं खत्म नहीं होतीं। एक अन्य मामले में, सपा नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को निचली अदालत से मिली सात साल की सजा के खिलाफ सरकार ने एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में अपील की है, जिस पर 18 मई को सुनवाई होनी है। इसके अलावा, अब्दुल्ला आजम पर झूठा शपथ पत्र दाखिल करने के आरोप में दर्ज एक और केस में अदालत ने प्रशासन से अब्दुल्ला की उम्र संबंधित दस्तावेज तलब किए हैं। इस मामले की अगली सुनवाई 12 जून को तय की गई है।

मकान खाली करने के दबाव में महिला को आया अटैक, कॉलोनी में बढ़ा तनाव

रहवासियों का आरोप- तहसीलदार की चेतावनी के बाद 50 वर्षीय महिला की बिगड़ी हालत, 20 मई तक मकान खाली करने के निर्देश

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर के सिविल लाइन क्षेत्र स्थित आकाशवाणी कार्यालय के बाजू से लगी कॉलोनी में इन दिनों प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर तनाव की स्थिति बनी हुई है। कॉलोनीवासियों को प्रशासन द्वारा मकान खाली करने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन यहां रहने वाले लोग मकान छोड़ने को तैयार नहीं हैं। कॉलोनीवासियों का आरोप है कि बीते दिनों तहसीलदार कॉलोनी में पहुंचे थे और लोगों को जल्द मकान खाली करने के निर्देश दिए थे। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा लोगों को इस कदर डराया और दबाव बनाया गया कि कॉलोनी में रहने वाली लगभग 50 वर्षीय एक वृद्ध महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई। जिसे निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहाँ डाक्टरों ने परिजन को बताया की महिला को अटैक आया था, अभी महिला आईसीयू में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रही है। महिला की बेटी ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है और निजी अस्पताल में इलाज कराने के लिए भी उनके पास पर्याप्त पैसे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यदि उनकी मां के साथ कोई अनहोनी होती है तो इसके लिए तहसीलदार और जिला प्रशासन जिम्मेदार होगा। वहीं कॉलोनीवासियों का कहना है कि उनके पास रहने के लिए कोई दूसरी व्यवस्था नहीं है। उनका आरोप है कि प्रशासन बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए मकान खाली कराने का दबाव बना रहा है। लोगों का कहना है कि वर्षों से वे इसी कॉलोनी में रह रहे हैं और अचानक मकान खाली करने के आदेश से उनके सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

शहर के वार्ड क्रमांक 23 स्थित आकाशवाणी कॉलोनी और वेटरिनरी कॉलोनी में रहने वाले लगभग 72 परिवार इन दिनों गहरी चिंता और असमंजस के बीच जीवन गुजार रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा कुछ महीने पहले इन परिवारों को शासकीय जमीन पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के आदेश जारी किए गए थे। इसके बाद से लगातार प्रशासनिक कार्रवाई और मकान खाली कराने की प्रक्रिया चल रही है। लेकिन अब तक प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और व्यवस्थापन को लेकर कोई ठोस समाधान सामने नहीं आने से वार्डवासियों में भारी नाराजगी और भय का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार बीते दिनों वार्डवासियों ने जिला प्रशासन और नगर पालिका से मांग की थी कि यदि उन्हें यहां से हटाया जा रहा है तो पहले उनके रहने के लिए वैकल्पिक स्थान और उचित मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। उस दौरान कुछ जनप्रतिनिधियों और नगर पालिका द्वारा व्यवस्थापन का आश्वासन भी दिया गया था, लेकिन कई महीने बीत जाने के बाद भी अब तक न तो उन्हें कोई जमीन दी गई और न ही पुनर्वास की कोई व्यवस्था की गई है। इसी बीच कुछ परिवारों ने मजबूरी में धीरे-धीरे अपने मकान खाली करना शुरू कर दिया है, लेकिन कई ऐसे परिवार भी हैं जिनके पास रहने के लिए कोई दूसरा ठिकाना नहीं है। ऐसे परिवारों का कहना है कि उन्होंने वर्षों की मेहनत और मजदूरी के बाद यहां अपने छोटे-छोटे मकान बनाए थे और अब अचानक उन्हें उजाड़ा जा रहा है। उनका कहना है कि वे अब यहां से कहीं नहीं जाएंगे, चाहे प्रशासन उनके घरों पर बुलडोजर ही क्यों न चला दे। वार्डवासियों ने प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव और धमकी देने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए हैं। उनका कहना है कि 14 मई को बालाघाट तहसीलदार कॉलोनी के निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने लोगों को जल्द से जल्द मकान खाली करने के लिए कहा। वार्डवासियों के अनुसार तहसीलदार ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि यदि दो दिनों के भीतर मकान खाली नहीं किए गए तो प्रशासन बुलडोजर चलाकर मकानों को हटा देगा।

मुन्नीबाई पटले को आया हार्ट अटैक

कॉलोनी में रहने वाली मुन्नीबाई पटले नामक महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजनों का आरोप है कि प्रशासनिक दबाव और मकान टूटने के डर के कारण उन्हें गहरा सदमा लगा और उन्हें अटैक आ गया। इसके बाद उन्हें तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने हार्ट अटैक जैसी स्थिति बताकर उन्हें आईसीयू में भर्ती किया है। मुन्नीबाई पटले की बेटी पूनम नागदेवे ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि उनकी मां पहले पूरी तरह स्वस्थ थीं। वे खुद भी बाहर रहती हैं और हाल ही में अपनी मां से मिलने यहां आई थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों द्वारा मकान खाली कराने और बुलडोजर चलाने की बात कहे जाने के बाद उनकी मां की हालत बिगड़ गई। पूनम का कहना है कि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वे निजी अस्पताल का खर्च उठा सकें। उन्होंने प्रशासन से इस मामले में हस्तक्षेप करने और मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की मांग की है। पूनम नागदेवे ने यह भी कहा कि यदि उनकी मां के साथ कोई अनहोनी होती है तो उसके लिए बालाघाट तहसीलदार और जिला प्रशासन जिम्मेदार होगा।

अपने प्राण त्याग देंगे लेकिन अपना घर नहीं छोड़ेंगे

कॉलोनी में रहने वाली पुष्पा बोरकर और चित्ररेखा सेंद्रे ने भी अपनी पीड़ा जाहिर करते हुए कहा कि उनके पास रहने के लिए कोई दूसरा स्थान नहीं है। उन्होंने बताया कि बड़ी मुश्किलों और वर्षों की मेहनत के बाद उन्होंने यह मकान बनाए थे। अब प्रशासन द्वारा अचानक मकान खाली करने का दबाव बनाया जा रहा है, जिससे पूरा परिवार मानसिक तनाव में है। महिलाओं का कहना है कि भीषण गर्मी के इस मौसम में वे इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं। किराए के मकान तलाशने पर भी उन्हें मकान नहीं मिल रहा है। कई लोग उनसे पूछते हैं कि क्या वे सरकारी नौकरी में हैं, और जवाब न मिलने पर मकान देने से मना कर देते हैं। उनका कहना है कि प्रशासन ने उन्हें केवल 20 मई तक का समय दिया है और उसके बाद बुलडोजर चलाने की बात कही जा रही है। वार्डवासियों ने भावुक होते हुए कहा कि वे अपने मकान खाली नहीं करेंगे। उनका कहना है कि यदि प्रशासन बुलडोजर चलाएगा तो वे अपने घरों के सामने खड़े हो जाएंगे। महिलाओं ने यहां तक कहा कि वे अपने प्राण त्याग देंगे लेकिन अपना घर नहीं छोड़ेंगे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया शनी सिंगणपुर मूर्ति स्थापना दिवस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी नगर के मेन रोड सराफा मार्केट स्थित प्राचीन शनि मंदिर ने सावित्री अमावस्या शनी सिंगणपुर मूर्ति स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जहां 16 मई शनिवार को मूर्ति स्थापना दिवस के अवसर पर सुबह से लेकर देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। शनी सिगनापुर मूर्ति स्थापना दिवस के पावन अवसर पर मन्दिर में भगवान के दर्शन करने के लिए शनिवार सुबह से ही भक्तों का हुजूम उमड़ा रहा, तो वही शनि मँदिर में दोनों

समय की महाआरती, प्रसाद वितरण ,भजन कीर्तन सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। जहां मन्दिर में सुबह महा आरती और प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजन किया गया। तो वही महाप्रसाद वितरण और भजन कीर्तन सहित अन्य कार्यक्रम संपन्न कराए गए।

सिंगणपुर में आज ही के दिन हुई थी प्रतिमा की स्थापना

बताया गया कि महाराष्ट्र के शनि सिंगणपुर मँदिर में वट सावित्री के दिन ही सूर्य पुत्र शनिदेव के शिला स्थापना की गई थी।दशकों पूर्व की गई इस स्थापना का समय व तिथि किसी को ज्ञात नहीं है लेकिन बताया जाता है कि सावित्री अमावश्या को ही प्रतिमा स्थापना की गई, तब से संपूर्ण देश में शनि सिंगणपुर प्रतिमा स्थापना दिवस शनि मँदिरों में भी मनाया जाता है इस क्रम में नगर के नया सराफा बाजार स्थित प्राचिन शनि मँदिर में शनि शिंगणपुर मूर्ति स्थापना दिवस मनाया गया।

आयोजित कार्यक्रम को लेकर की गई चर्चा के दौरान शनि मँदिर पुजारी पंडित शिवकुमार जोशी ने बताया कि आज व्रत सावित्री का दिन है इसी दिन अमावस्या पर महाराष्ट्र के शनि सिंगणपुर में शनि महाराज की प्रतिमा स्थापित की गई थी। जिसके तहत पूरे देश में आज ही के दिन भगवान शनि की मूर्ति स्थापना दिवस मनाया जाता है। आज से लगभग 2 माह बाद सावन हरियाली अमावस्या में शनि जयंती मनाई जाएगी ।आज मूर्ति स्थापना दिवस के अवसर पर तेल अभिषेक, विशेष पूजा, पाठ, महा आरती, भजन, कीर्तन, महा प्रसाद वितरण सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए हैं।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0007/ब-154/2026-27
मौजा बोरी, रा.नि.मं. खमरिया

आम सुचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामदुलारे बघेल पिता शंकरलाल बघेल जाति बनिया, निवासी ग्राम बोरी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा बोरी, रा.नि.मं. खमरिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने दादा जियालाल पिता रामप्रसाद का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 03.03.1968 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम बोरी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 21.05.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभावक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 14.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 17.05.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

अवैध रूप से भंडारित 350 ट्रॉली रेत पर प्रशासन की संयुक्त छापामार कार्रवाई

ग्राम खैरी में लावारिश हालत में मिला रेत का बड़ा भंडारण, सरपंच को देखरेख के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 16 मई 2026 को नायब तहसीलदार एवं खनि निरीक्षक, जिला बालाघाट द्वारा संयुक्त रूप से छापामार कार्रवाई करते हुए तहसील बालाघाट अंतर्गत ग्राम खैरी में अवैध रूप से भंडारित खनिज रेत के बड़े भंडारण का मामला सामने आया। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि संयुक्त जांच दल द्वारा मौके पर निरीक्षण करने पर लगभग 350 ट्रॉली खनिज रेत लावारिश हालत में पाई गई। टीम ने तत्काल मौके की जांच कर आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की। पूछताछ के दौरान ग्राम पंचायत खैरी के सरपंच द्वारा बताया गया कि उक्त खनिज रेत पूर्व से ही जप्त की गई थी तथा वर्तमान में उनकी सुपुर्दगी में रखी गई है। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा ग्राम पंचायत खैरी के सरपंच को निर्देशित किया गया कि सुपुर्दगी में रखी गई उक्त जप्त खनिज रेत की आगामी आदेश तक सुरक्षित देखरेख सुनिश्चित की जाए तथा बिना अनुमति किसी प्रकार का परिवहन अथवा उपयोग न होने दिया जाए। खनिज विभाग एवं राजस्व विभाग की इस संयुक्त कार्रवाई से अवैध खनिज कारोबार में संलिप्त लोगों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध आगे भी लगातार सघन अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

हाथी मठ की संपत्ति आने वाली पीढ़ी के लिए सुरक्षित करने 20 मई को विशेष बैठक

पद्मेश न्यूज। बैहर। हाथी मठ दमोह की भूमि एवं संपत्ति को आने वाली पीढ़ी के लिए विवाद मुक्त रखने और चल रहे निर्माण कार्य को लेकर 20 मई को सुबह 11 बजे से मठ परिसर में विशेष बैठक आयोजित की गई है। रजिस्टर्ड हाथी मठ समिति दमोह दामाखेड़ा द्वारा बुलाई गई इस बैठक में मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के मानिकपुरी एवं कबीर पंथी समाज के वरिष्ठजन शामिल होंगे। हाथी मठ समिति ने मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के सभी मानिकपुरी, कबीर पंथी भाई, महंत, दीवान, सामाजिक सियान व पदाधिकारियों से बैठक में अनिवार्य रूप से शामिल होने की अपील की है। समिति ने कहा कि यह कार्य पूरे पंथ का है और आने वाली पीढ़ी के भविष्य का सवाल है।

पति की दीर्घायु के लिए सुहागिन महिलाओं ने की वट वृक्ष की पूजा

निर्जल व्रत धारण कर मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए किए गए विभिन्न अनुष्ठान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पति की दीर्घायु, सौभाग्य जीवन ,परिवार की सुख समृद्धि सहित अन्य मंगल कामनाओं के साथ शनिवार को जिला मुख्यालय सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हिन्दू धर्मावलम्बी महिलाओं द्वारा सावित्री व्रत रखकर वट वृक्ष का पूजन किया गया।इस अवसर पर सुबह से ही नगर के विभिन्न स्थानों पर स्थित वट वृक्षों के आसपास महिलाओं का हुजूम लगा रहा। जहा फल-फूल और मिष्ठान सहित अन्य सामग्रियां चढ़ाते हुए व्रतधारी महिलाओं ने वट वृक्ष की परिक्रमा कर विशेष पूजा अर्चना की।जहा सुहागन महिलाओं ने वट वृक्ष के चारों ओर आठ बार घूम कर रक्षा सूत्र बांधकर अपने अखंड सौभाग्यवती रहने और पति की लंबी आयु, परिवार की सुख समृद्धि, सहित अन्य मनोकामनाओ की पूर्ति के लिए मंगल कामनाएं की।इस दौरान उन्होंने वट वृक्ष के नीचे बैठकर सत्यवान-सावित्री यमराज के कथा का वाचन व श्रवण किया।

विधिविधान के साथ कि गई पूजा अर्चना

इस दौरान महिलाओं ने बांस की टोकरी में 07 तरह के अन्न सहित चना गुड का भोग भी वट वृक्ष के जड़ में लगाई। वही महिलाओं ने लाल रंग से रंगोली बनाकर सोलह शृंगार की सामग्री बांस के पंखे डलिया दौरी के साथ पुष्प, माला, रोली, सिंदूर, कुमकुम, चंदन, धूप, अगरबत्ती एवं घी के दीपक जलाकर वट वृक्ष की पूजा-अर्चना पूर्व दिशा में बैठ कर किया।वही वट वृक्ष के नीचे बैठक स्वल्पाहार, फरहारी आदि का सेवन कर वट वृक्ष की विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए विशेष प्राथनाएं की।इस दौरान न सिर्फ सुहागिन महिलाएं बल्कि कुंवारी कन्या की इस विशेष पूजा शामिल हुई। बताया जा रहा है कि कुंवारी कन्याए अपने होने वाले पति की दीर्घायु के लिए इस व्रत को रखा करती हैं।

यमदूत के पास से सावित्री मात्रा ने पति के प्राण लाए थे वापस

धार्मिक मान्यता के अनुसार प्राचीन काल में सत्यवान हरिशचंद जी जंगल गए थे जिन्हें सांप ने काट लिया था तब सावित्री माता ने अपने पति की दीर्घायु के लिए इस व्रत को रखा था। सावित्री मात्रा ने यमदूत के पास से अपने पति के प्राण वापस लाए थे। यह व्रत कर उन्होंने सौ पुत्रों को जन्म देने वाला वरदान हासिल किया था। जिसके चलते यमदूत को उनके पति के प्राण वापस करने पड़े थे। तब से लेकर अब तक पति की दीर्घायु ,परिवार की सुख समृद्धि सहित अन्य मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए सुहागिन महिलाओं द्वारा निर्जल व्रत रख वट वृक्ष की

पूजा की जाती है।

दो तिथियां में आती है वट वृक्ष पूजा

बताया जा रहा है कि अखंड सौभाग्य के लिए वट वृक्ष की पूजा दो तिथियां में की जाती है। जिसमें एक पूजा अमावस्या को तो दूसरी पूजा पूर्णिमा पर होती है।बताया जा रहा है कि यदि किसी कारणवश जिन सुहागन महिलाओ ने इसके पूर्व पूर्णिमा पर वट वृक्ष की पूजा नहीं की थी, ऐसी महिलाओ ने भी आज अमावस्या पर वट वृक्ष की पूजा करके पति की दीर्घायु व परिवार की सुख समृद्धि के लिए प्राथनाएं की है।

पति की दीर्घायु के लिए माता सावित्री ने रखा था व्रत- उषा,माधुरी तिवारी

वट सावित्री व्रत को लेकर की गई चर्चा के दौरान व्रतधारी महिला श्रीमती श्रीमती उषा और माधुरी तिवारी, ने बताया कि आज व्रत सावित्री पूजा है। जो पति की लंबी उम्र के लिए की जाती है। काफी पुरानी कथा है कि माता सत्यवती जी ने अपने पति सत्यवान जी के प्राणों की रक्षा के लिए यह व्रत किया था ।उनके इसी व्रत करने की वजह से यमराज ने उनके पति के प्राण वापस कर दिए थे। इसीलिए यह व्रत किया जाता है।वटसावित्री व्रत का, सुहागन महिलाओं के लिए विशेष महत्व है। पति के दीर्घायु के लिए महिलाएं, यह व्रत रखती है और विधि-विधान से वटवृक्ष की पूजा अर्चना करती है। जिसमें सोलह श्रृंगार की सामग्री के साथ ही फल और पकवानों का भोग लगाती है।

गुम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर के वार्ड नं. ८ निवासी मदन कोहरे दिनांक २०/०४/२०२६ के दिन करीबन १० बजे की बात है कि मदन कोहरे बोलने लगा की मैं हमाली का काम करने धान मंडी जा रहा हूं कहकर घर से निकला है जो २०/०४ २०२६ की शाम तक घर नही आया है। जिसके बाद से खोजबीन आस पड़ोस और रिश्तेदारी में भी की गई। जिसका हुलिया रंग सावला, उचांई ५ फीट २ ईंच,कत्था कलर की टी शर्ट तथा काले रंग का पैंट पहना है। लगातार खोजबीन करने के बाद भी आज दिनांक तक कही कोई पता नही चला है। मदन कोहरे कही मिल जायें तो पता बताने वाले और घर तक लाने वाले को उचित ईनाम भी दिय जायेगा।

प्रेषक-
निर्लय कोहरे
वार्ड नं. ८ वारासिवनी

शौर्य रंगारे
को
जन्मदिवस पर
हार्दिक शुभकामनाएं
- शुभेच्छु -
आरती-मुकेश रंगारे माता-पिता
वंश रंगारे - भाई एवं
समस्त रंगारे परिवार
ग्राम पांढरवानी-लालबर्रा।

आवश्यकता है

10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई. की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।

-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

-निर्माता-
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

खैरलांजी के सालेटेका गांव में दो पक्षों के बीच मारपीट- 2 घायल-दोनों पक्षों पर अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम सालेटेका में आपसी रंजिश के चलते दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में दो लोग घायल हो गए। घायल लोकेश गजभिए 36 वर्षऔर योगेश्वर गजभिए 67 वर्ष का इलाज खैरलांजी के अस्पताल में किया गया। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक लोकेश गजभिए पेंटिंग का काम करता है और उसके पड़ोस में योगेश्वर गजभिए अपने परिवार के साथ रहते हैं,जो बीड़ी बनाने का काम करते हैं। दोनों परिवारों के बीच पुरानी रंजिश चली आ रही है। 15 मई की रात 11 बजे लोकेश पत्नी नेहा को घरेलू बातो को लेकर डांट रहा था। योगेश्वर गजभिए को लग रहा था कि लोकेश उन्हें गाली गुस्सार कर रहा है। आवाज सुनकर अंकित गजभिए और उसके पिता योगेश्वर गजभिए बाहर आए और पूछे कि किसे गाली दे रहे हो। लोकेश ने कहा कि वह अपनी पत्नी को डांट रहा है उन्हें क्या लेना-देना। लोकेश की मां शीला गजभिए ने भी दोनों को समझाया कि बेटा अपनी पत्नी को डांट रहा है इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया। आरोप है कि अंकित और उसके पिता योगेश्वर ने लोकेश के साथ गाली-गलौज करते हुए लकड़ी से मारपीट कर दी। बचाव में लोकेश ने भी योगेश्वर पर लकड़ी से हमला कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। इस झड़प में लोकेश और योगेश्वर दोनों घायल हो गए। बीच बचाव के बाद घटना में दोनों घायल रिपोर्ट दर्ज कराने खैरलांजी थाने पहुंचे। पुलिस ने दोनों का मेडिकल कराकर इलाज कराया। खैरलांजी पुलिस ने लोकेश गजभिए की रिपोर्ट पर अंकित गजभिए और उसके पिता योगेश्वर गजभिए के खिलाफ, वहीं योगेश्वर गजभिए की रिपोर्ट पर लोकेश गजभिए के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शादी समारोह बना रणक्षेत्र, तलवार-चाकू से हमला

महाराष्ट्र पुलिस का सीनियर कांस्टेबल समेत 5 घायल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

ग्रामीण थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोसमी के कोष्ठी मोहल्ला में एक वैवाहिक कार्यक्रम उस समय हिंसक झड़प में बदल गया, जब वाहन पार्किंग को लेकर शुरू हुआ विवाद देर रात खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया। आधा दर्जन से अधिक लोगों ने तलवार, चाकू, ईंट-पत्थर और कुर्सियों से हमला कर दिया। इस घटना में महाराष्ट्र पुलिस के सीनियर कांस्टेबल दिलीप कुमार निमजे सहित 5 लोग घायल हो गए। घायलों का प्राथमिक उपचार जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। जहां से गंभीर रूप से घायल लोगों को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

पार्किंग विवाद से शुरू हुआ बवाल

प्राप्त जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र के सालेकसा थाना में पदस्थ सीनियर कांस्टेबल दिलीप कुमार निमजे अपने चाचा के बेटे ईशान निमजे की शादी में शामिल होने अपने परिवार सहित ग्राम कोसमी आए हुए थे। 14 मई को बारात ग्राम चंगेरा (जिला गोंदिया) गई थी और 15 मई की शाम बारात वापस कोसमी पहुंची। रात में रिसेप्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसी दौरान राहुल बुर्रे नामक युवक का वाहन पार्किंग को लेकर विवाद हो गया। बताया गया कि वह तत्काल गाड़ी हटाने की बात कह रहा था। जबकि गाड़ी की चाबी मौके पर मौजूद नहीं थी। इसी को लेकर विवाद की स्थिति उत्पन्न हुई थी किन्तु कुछ देर बाद दिलीप कुमार के दामाद ओम गोखले चाबी लेकर पहुंचे और वाहन वहां से हटा लिया गया था। इसके बावजूद राहुल बुर्रे गाली-गलौज करते हुए धमकी देकर चला गया था।

साथियों के साथ पहुंचकर किया हमला

आरोप है कि कुछ देर बाद राहुल बुर्रे अपने 5-6 साथियों के साथ रिसेप्शन कार्यक्रम में पहुंचा और दिलीप कुमार के भाइयों टिकेश निमजे, लुकेश निमजे तथा रिश्तेदार अतुल गोखले के साथ मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव के बाद मामला शांत हो गया था। लेकिन रात करीब 12 बजे आरोपी फिर हथियारों के साथ कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। हमलावरों ने तलवार और चाकू से हमला करते हुए कुर्सियां और ईंट-पत्थर फेंककर जमकर उत्पात मचाया। आरोप है कि सुशील यादव नामक युवक ने टिकेश निमजे पर जानलेवा चाकू से हमला किया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था।

इन लोगों को आई गंभीर चोटें

हमले में महाराष्ट्र पुलिस के सीनियर कांस्टेबल दिलीप कुमार निमजे पिता रमेश कुमार निमजे 41 वर्ष उनके भाई टिकेश कुमार निमजे 46 वर्ष लुकेश कुमार निमजे 43 तीनों ग्राम गिरोला थाना रावणवाड़ी जिला गोंदिया (महाराष्ट्र) ,पीयूष बम्बर्रे पिता मोहनलाल बम्बर्रे 21 वर्ष ग्राम कोसमी तथा राज लिल्हारे पिता धरम लिल्हारे 22 वर्ष ग्राम सरेखा बालाघाट निवासी गंभीर रूप से घायल हो गए घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया। अस्पताल पुलिस ने घायलों के बयान दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई के लिए ग्रामीण थाना बालाघाट को भेज दिए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

डीजे ऑपरेटर राज लिल्हारे ने लगाए गंभीर आरोप

घायल राज लिल्हारे ने आरोप लगाया है कि वह शादी समारोह में डीजे ऑपरेटिंग करने गया था। कार्यक्रम के दौरान जब विवाद शुरू हुआ तो वह साउंड सिस्टम को बचाने और बीच-बचाव करने पहुंचा। इसी दौरान अमूल गोखले, लाला गोखले, मोंटी गोखले, अतुल गोखले सहित अन्य लोगों ने उस पर तलवार और चाकू से हमला कर दिया, । जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। शिव मोहारे ने बीच-बचाव कर उसे मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल पहुंचाया। घटना में पीयूष बम्बर्रे और अनिकेत यादव को भी चोटें आई हैं। अस्पताल पुलिस ने राज लिल्हारे का बयान दर्ज किए हैं।

बस स्टैंड की अव्यवस्थाओं पर नगर पालिका सख्त, अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

अव्यवस्थित ऑटो, बंद पड़े ठेले और जाम की शिकायतों के बाद कार्रवाई के निर्देश, यात्रियों के लिए टीन शेड और पार्किंग व्यवस्था की तैयारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के स्थानीय बस स्टैंड में बीते कुछ दिनों से लगातार अव्यवस्थित यातायात, जाम और अव्यवस्थाओं की शिकायतें सामने आ रही थीं। बस स्टैंड क्षेत्र में ऑटो चालकों द्वारा मनमाने तरीके से वाहन खड़े किए जाने, बंद पड़े ठेलों के कब्जे और बढ़ती भीड़भाड़ के कारण यात्रियों और आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इसी को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ स्थानीय बस स्टैंड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष ने पूरे बस स्टैंड परिसर का जायजा लिया और अव्यवस्थित तरीके से खड़े ऑटो तथा लंबे समय से बंद पड़े फल ठेलों को हटाने के निर्देश दिए।

इस दौरान नगर पालिका उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उइके, यातायात पुलिस का अमला, नगर पालिका कर्मचारी और पार्षद प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान बस स्टैंड में कई स्थानों पर ऑटो अव्यवस्थित तरीके से खड़े दिखाई दिए, जिससे यात्रियों और अन्य वाहनों को निकलने में परेशानी हो रही थी। वहीं कई बंद पड़े फल ठेले भी लंबे समय से बस स्टैंड परिसर में कब्जा किए हुए पाए गए, जिसके कारण आवागमन प्रभावित हो रहा था और जगह-जगह अव्यवस्था की स्थिति निर्मित हो रही थी। नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर ने मौडिया से चर्चा करते हुए बताया कि बीते कई दिनों से बस स्टैंड क्षेत्र को लेकर लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। लोगों द्वारा जाम, अव्यवस्थित यातायात और यात्रियों को हो रही परेशानियों की जानकारी दी जा रही थी। इसी कारण नगर पालिका द्वारा मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि बस स्टैंड में ऑटो चालकों के लिए पहले से निर्धारित स्थान तय किए गए हैं, लेकिन कई चालक नियमों का पालन नहीं कर रहे और मनमर्जी से कहीं भी ऑटो खड़े कर देते हैं। इससे यात्रियों और अन्य वाहनों को आने-जाने में दिक्कत होती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अब इस प्रकार की अव्यवस्था को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका अध्यक्ष ने यह भी बताया कि बस स्टैंड परिसर में कई फल ठेले लंबे समय से बंद पड़े हैं और उनका उपयोग नहीं हो रहा है, लेकिन वे जगह घेरकर खड़े हुए हैं। ऐसे ठेलों को हटाने की कार्रवाई जल्द की जाएगी, ताकि बस स्टैंड में यातायात और आवागमन सुचारू रूप से संचालित हो सके। निरीक्षण के दौरान यात्रियों की सुविधाओं को लेकर भी कई आवश्यक निर्देश दिए गए। नगर पालिका अध्यक्ष ने बताया कि बस स्टैंड में यात्रियों के बैठने के लिए अस्थायी रूप से टीन शेड लगाए जाएंगे, ताकि गर्मी और बारिश के दौरान यात्रियों को राहत मिल सके। वर्तमान में बस स्टैंड में बैठने और रुकने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा दोपहिया वाहन चालकों के लिए अलग से पार्किंग व्यवस्था तैयार करने की योजना भी बनाई जा रही है। नगर पालिका अध्यक्ष का कहना है कि बस स्टैंड में बेतरतीब तरीके से खड़े दोपहिया वाहनों के कारण भी जाम और अव्यवस्था की स्थिति बनती है। यदि व्यवस्थित पार्किंग बनाई जाती है तो काफी हद तक यातायात दबाव कम हो सकेगा। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका टीम ने बस स्टैंड परिसर के साथ-साथ यात्री प्रतीक्षालय का भी जायजा लिया और वहां आवश्यक सुधार कार्यों को लेकर चर्चा की। अधिकारियों को जल्द से जल्द व्यवस्थाओं में सुधार करने और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

भोजशाला मामले में फैसले का स्वागत, पवार समाज ने की विशेष पूजा-अर्चना

फैसले को बताया आस्था की जीत, हनुमान मंदिर में महाआरती और महाप्रसादी का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भोजशाला मामले में हाईकोर्ट का फैसला आने के बाद जिलेभर में विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों द्वारा फैसले का स्वागत किया जा रहा है। फैसले को लेकर लोगों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। मंदिरों में सुबह से ही पूजा-अर्चना और आरती का दौर शुरू हो गया, वहीं कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने इसे आस्था और सनातन संस्कृति की जीत बताया। इसी क्रम में पवार समाज द्वारा भी हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए विशेष धार्मिक आयोजन किया गया। पवार समाज के जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने इस फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह आस्था और विश्वास की जीत है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से समाज और श्रद्धालु इस फैसले का इंतजार कर रहे थे और न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय से लोगों की धार्मिक भावनाओं को मजबूती मिली है। फैसले के स्वागत में 16 मई को पवार समाज द्वारा स्थानीय काली पुतली चौक स्थित हनुमान मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और महाआरती का आयोजन किया गया। इस दौरान समाज के पदाधिकारी, सजातीय बंधु और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसादी का वितरण भी किया गया। आयोजन के दौरान पूरे मंदिर परिसर में धार्मिक माहौल देखने को मिला और श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ फैसले का स्वागत किया। पवार समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि यह फैसला केवल एक पक्ष की नहीं, बल्कि आस्था और सांस्कृतिक विरासत की जीत के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने समाज के लोगों से शांति, सौहार्द और भाईचारा बनाए रखने की अपील भी की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही और श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद ग्रहण कर धार्मिक आयोजन में सहभागिता निभाई।

महान् तपस्वी महायोगी श्री दादागुरू जी का नगर आगमन आज

जगह-जगह होंगा भव्य स्वागत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मां नर्मदा के भाव से प्रेरित धर्म जागरण महाअभियान के तहत सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर हीरापुर भरवेली में 17 मई को महा धर्मसभा व महासंकल्प यात्रा का आयोजन किया गया

है। कार्यक्रम में अवधूत सिद्ध महायोगी श्री दादागुरू जी का आगमन हो रहा है।कार्यक्रम को लेकर आयोजन समिति द्वारा तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।जिसके तहत भरवेली हीरापुर को दुल्हन की तरह सजाया गया है।यात्रा गया कि सदगुरू दादा जी का कंजई से बालाघाट तक जगह-जगह भव्य स्वागत किया जाएगा। इस संबंध में 16 मई शनिवार को आयोजन समिति के पदाधिकारी किरणभाई त्रिवेदी व डॉ. अंकित असाटी ने स्थानीय सर्किट हाऊस में पत्रकारों से चर्चा में बताया कि श्री विष्णुधाम हीरापुर में विश्व की 205 फीट ऊंची दिव्य श्री हनुमान प्रतिमा एवं भव्य मंदिर निर्माण किया जा रहा है। इस संकल्प को पूर्ण करने एक नई आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करने के लिए अवधूत सिद्ध महायोगी दादा गुरू का विष्णुधाम मंदिर हीरापुर आगमन हो रहा है। दादा गुरू के प्रथम नगर आगमन को लेकर हीरापुर भरवेली को दुल्हन की तरह सजाया गया है। उन्होंने बताया कि 17 मई को शाम 4 बजे से महासंकल्प यात्रा विश्वकर्मा मंदिर आंवलाझरी से प्रारंभ होगी व शाम 7 बजे से रात 8 बजे तक विष्णुधाम मंदिर हीरापुर में संत प्रवचन व सनातन जागरण का संदेश होगा। रात्रि 9 बजे से महाप्रसाद व भंडारा का आयोजन किया गया है।

भव्य मूर्ति स्थापना संकल्प के साथ हो रहा आयोजन

बताया गया कि श्री विष्णुधाम हीरापुर में विश्व की 205 फीट ऊंची दिव्य श्री हनुमान प्रतिमा एवं भव्य मंदिर निर्माण किया जा रहा है। इस संकल्प को पूर्ण करने व एक नई आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करने के लिए, अवधूत सिद्ध महायोगी दादा गुरू का विष्णुधाम मंदिर हीरापुर आगमन हो रहा है। श्री दादागुरू का बालाघाट जिले में प्रथम आगमन होगा। उन्होंने बताया जिसका उद्देश्य सनातन धर्म के प्रति जन जागरण, राम भक्ति व हनुमान शक्ति का प्रसार एवं प्रस्तावित 205 फीट हनुमान प्रतिमा निर्माण हेतु महासंकल्प सुदृढ़ करना है। जिससे पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक उत्साह एवं श्रद्धाभाव का वातावरण निर्मित होगा।

जगह-जगह होगा स्वागत

अवधूत सिद्ध महायोगी श्री दादागुरू के बालाघाट आगमन पर सिवनी से रास्ते में जगह-जगह उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। वे विश्वकर्मा मंदिर आंवलाझरी से निकाली जा रही महा संकल्प यात्रा व संत प्रवचन में प्रमुख रूप से मौजूद रहेंगे। बता दें कि श्री दादागुरू जी द्वारा 5 नवम्बर 2025 (कार्तिक पूर्णिमा) से पावन नर्मदा नदी की सेवा परिक्रमा प्रारंभ की गई है।वही 11 मार्च 2026 को ओंकारेश्वर में हजारों परिक्रमावासियों के साथ उनकी अखंड निराहार मां नर्मदा सेवा परिक्रमा का चतुर्थ चरण पूर्ण हुआ। वे करीब 1800 दिनों से निराहार तप में स्थित हैं, जो वर्तमान युग में अद्वितीय तप, त्याग एवं संकल्प का दिव्य उदाहरण है। दादागुरू महज मां नर्मदा के पावन जल का ही सेवन करते हैं। ऐसे महान् तपस्वी संत का जिले में आगमन होना गौरव का क्षण है। आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान आयोजन समिति के पदाधिकारी नरेन्द्र महाराज, डॉ. अंकित असाटी, विजेश बावने, अनिल बिसेन, अभिजीत तुरकर, डब्बूलाल नागेश, अमित जोशी, अमरसिंग धानेश्वर, शैलेन्द्र कुमार सेन, पवन मरकाम, राजेन्द्र शिववंशी, अंकित शिववंशी, संतोष अर्जुनवार, रवि बरमैया, नंदकिशोर शिववंशी, दानीश शिववंशी, शक्ति नामदेव, शिवपाल टेंभरे, लिखेश्वर मसकरे, सहित अन्य पदाधिकारियों व सदस्यों ने लोगों से इस पुनीत अवसर पर अधिकाधिक उपस्थिति का आव्हान किया है।

शराब दुकान हटाने महिलाओं का अनोखा प्रदर्शन जारी, कैंडल मार्च बना चर्चा का विषय

वार्ड क्रमांक 12 बूढ़ी में एक महीने से धरने पर बैठीं महिलाएं, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे प्रदर्शन के वीडियो

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के वार्ड क्रमांक 12 बूढ़ी क्षेत्र में शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर महिलाओं का आंदोलन लगातार जारी है। लगभग एक महीने से अधिक समय से महिलाएं धरना प्रदर्शन कर रही हैं, लेकिन अब तक प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से महिलाओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है। हालांकि इस दौरान कई जनप्रतिनिधि आंदोलन स्थल पर पहुंच चुके हैं और महिलाओं को शराब दुकान हटाने को लेकर आश्वासन भी दिया गया, लेकिन अब तक दुकान के स्थान परिवर्तन या हटाए जाने को लेकर कोई स्पष्ट निर्णय सामने नहीं आया है। महिलाओं का कहना है कि शराब दुकान के कारण क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है और आए दिन नशे में लोगों की आवाजाही से वार्ड की महिलाओं, बच्चों और परिवारों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी कारण वे लगातार आंदोलन कर रही हैं और जब तक दुकान नहीं हटेगी तब तक प्रदर्शन जारी रखने की बात कह रही हैं। इस आंदोलन की खास बात यह है कि महिलाएं हर दिन अलग-अलग तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। कभी महिलाएं धरना देकर नारेबाजी करती हैं, तो कभी झाड़ू लगाकर और सफाई अभियान चलाकर अपना विरोध दर्ज कराती हैं। कई बार महिलाएं सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से भी शराब दुकान हटाने की मांग उठा चुकी हैं। बीती रात महिलाओं ने शराब दुकान के सामने से कैंडल मार्च निकाला। महिलाएं हाथों में मोमबत्तियां लेकर वार्ड के विभिन्न हिस्सों में घूमीं और लोगों से शराब दुकान हटाने के समर्थन में साथ आने की अपील की। इसके बाद महिलाओं ने शराब दुकान के गेट के सामने शराब दुकान हटाओ लिखकर वहां कैंडल जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। महिलाओं का यह अनोखा प्रदर्शन अब शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है। आंदोलन से जुड़े वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रही हैं, जिन्हें लोग अलग-अलग प्लेटफार्म पर साझा कर रहे हैं। शहर के जगीन पर चुने से शराब दुकान हटाओ जैसे स्लोगन लिखे और उसके आसपास कैंडल जलाकर रख दीं। अचानक इस तरह शराब दुकान के सामने कैंडल और स्लोगन देखकर वहां से गुजरने वाले लोग भी रुककर यह देखने लगे कि आखिर महिलाएं क्या कर रही हैं। देर रात तक महिलाएं वहीं बैठकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन करती रहीं। यह पहला मौका नहीं है जब महिलाओं ने इस तरह अनोखे तरीके से विरोध दर्ज कराया हो। बीते एक महीने के दौरान महिलाओं ने आंदोलन को लेकर कई अलग-अलग प्रदर्शन किए हैं। कभी महिलाएं शराब दुकान के आसपास झाड़ू लगाकर सफाई अभियान चलाती नजर आईं, तो कभी गांधीगिरी का रास्ता अपनाते हुए शराब खरीदने आने वाले लोगों का माला पहनाकर स्वागत किया। कई बार महिलाओं ने आंदोलन स्थल पर कुर्सी दौड़ जैसी प्रतियोगिताएं भी आयोजित कीं, ताकि आंदोलन लगातार चर्चा में बना रहे और लोगों का ध्यान इस मुद्दे की ओर आकर्षित हो। महिलाओं के इस आंदोलन को जिले के कई जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों का समर्थन भी मिला है। सांसद से लेकर अन्य नेताओं तक ने आंदोलन स्थल पर पहुंचकर महिलाओं से चर्चा की और उनकी समस्याएं सुनीं। हालांकि आंदोलन के दौरान कुछ मौकों पर जनप्रतिनिधियों और महिलाओं के बीच नारेबाजी को लेकर विवाद की स्थिति भी बनी। कुछ नेताओं ने महिलाओं द्वारा लगाए गए नारों पर नाराजगी जाहिर की, जबकि महिलाओं का कहना था कि वे केवल अपनी समस्या को प्रशासन और जनप्रतिनिधियों तक पहुंचाने का प्रयास कर रही हैं। लगातार एक महीने से अधिक समय से चल रहे इस आंदोलन के बावजूद अब तक महिलाओं की मुख्य मांग पूरी नहीं हो सकी है। महिलाओं का कहना है कि वे तब तक आंदोलन जारी रखेंगी जब तक शराब दुकान को वहां से हटाया नहीं जाता। उधर शराब दुकान संचालकों का कहना है कि आंदोलन का सीधा असर उनके व्यवसाय पर पड़ा है। संचालकों के अनुसार पिछले लगभग एक महीने में शराब दुकान को करोड़ों रुपए तक का आर्थिक नुकसान हुआ है। उनका कहना है कि दुकान पर ग्राहकों की संख्या काफी कम हो गई है और लगातार विरोध प्रदर्शन के कारण कारोबार प्रभावित हो रहा है। अब इस पूरे मामले को लेकर वार्डवासियों, महिलाओं, शराब संचालकों और प्रशासन सभी की नजरें अगले निर्णय पर टिकी हुई हैं। लोग यह जानना चाहते हैं कि आखिरकार प्रशासन इस मामले में कब हस्तक्षेप करेगा और क्या महिलाओं की मांग के अनुसार शराब दुकान का स्थान परिवर्तन किया जाएगा या फिर आंदोलन इसी प्रकार चलता रहेगा। बूढ़ी वार्ड क्रमांक 12 का यह आंदोलन जिले में चर्चा का प्रमुख विषय बना हुआ है और हर गुजरते दिन के साथ यह आंदोलन नए-नए रूपों में सामने आ रहा है।

क्षेत्र में ट्रांसफार्मर से ऑयल (तेल) चुराने वाला गिरोह सक्रिय, एक सप्ताह में 15 ट्रांसफार्मरों से ऑयल की हो चुकी है चोरी

भीषण गर्मी में लोग बेहाल, पांढरवानी वेयर हाउस के पास ट्रांसफार्मर बंद होने से गेहूं खरीदी कार्य हुआ प्रभावित

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में इन दिनों बिजली विभाग के ट्रांसफार्मरों से ऑयल (तेल) चोरी करने वाला एक शातिर गिरोह सक्रिय हो गया है। चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे आये दिन विभिन्न इलाकों में लगे ट्रांसफार्मरों को निशाना बना रहे हैं और भारी मात्रा में कीमती ऑयल (तेल) चोरी कर रफू चक्कर हो रहे हैं। एक सप्ताह के अंदर लालबर्रा क्षेत्र के 15 ट्रांसफार्मरों से अज्ञात चोरों ने ऑयल (तेल) चोरी की वारदात को अंजाम दे चुके है। वहीं गुरूवार एवं शुक्रवार की दरमियानी रात्रि में अज्ञात चोरों ने पांढरवानी स्थित अनय वेयर हाउस के समीप स्थित दो ट्रांसफार्मर, रामजीटोला पट मैदान के 1 ट्रांसफार्मर से ऑयल (तेल) की चोरी कर फरार हो गये। जिससे उक्त क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई और इसी भीषण गर्मी में लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। वही अनय वेयर हाउस में समर्थन मूल्य में गेहू खरीदी की जा रही है लेकिन बिजली गुल रहने से खरीदी कार्य भी प्रभावित हुआ है। जिसके बाद विद्युत विभाग को बिजली गुल होने की जानकारी दी गई। जिसके बाद शनिवार को विद्युत विभाग के कर्मचारी मौके स्थल पर पहुंचकर सुधार कार्य किया। वहीं क्षेत्र में एक सप्ताह के अंदर अलग-अलग स्थानों पर स्थित 15 ट्रांसफार्मरों से ऑयल (तेल) की चोरी की वारदात घटित हो चुकी है। विद्युत विभाग ने थाने में शिकायत कर ट्रांसफार्मरों से ऑयल (तेल) चोरी करने वाले गिरोह को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है।

रात के अंधेरे में वारदात को दे रहे अंजाम

आपकों बता दे कि लालबर्रा क्षेत्र में ट्रांसफार्मरों से ऑयल (तेल) चोरी की ये घटनाएं मुख्य रूप से देरात के समय अज्ञात बदमाशों के द्वारा अंजाम दी जा रही है। चोरों को अच्छी तरह मालूम होता है कि किस समय विद्युत विभाग या स्थानीय लोगों की आवाजाही कम रहती है। नगर में इस तरह की वारदातें पहली बार नहीं हुई हैं, बल्कि एक सप्ताह पूर्व से ट्रांसफार्मरों से तेल चोरी की घटनाएं घटित हो चुकी हैं, लेकिन पुलिस और विद्युत विभाग की उदासीनता के कारण चोरों का नेटवर्क लगातार पैर पसार रहा है। वहीं चोरी का ताजा मामला पांढरवानी से टेंगनीकला पहुंच मार्ग स्थित वेयर हाउस, मोक्षधाम के समीप एवं रामजीटोला पट मैदान के समीप का है। यहां लगे तीनों बड़े ट्रांसफार्मर से बीती रात चोरों ने बड़ी सफाई से पूरा ऑयल (तेल) निकाल लिया। वहीं तेल चोरी होते ही ट्रांसफार्मर बंद हो गया और पूरे इलाके की बिजली गुल हो गई। चिंता की बात यह है कि टेंगनीकला पहुंच मार्ग स्थित ट्रांसफार्मर के समीप स्थित अनय वेयर हाउस में वर्तमान में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य सुचारू रूप से संचालित है। बिजली न होने के कारण खरीदी केंद्र का पूरा काम ठप पड़ गया है। कंप्यूटर, तौल कांटे और ऑनलाइन एंट्री बंद होने से दूर-दूर से आये किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए कड़कती धूप और गर्मी में घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। वहीं वैकल्पिक व्यवस्था के तहत समिति के द्वारा जनरेटर का उपयोग किया जा रहा है।

आक्रोशित ग्रामीणों ने की सख्त कार्यवाही की मांग

क्षेत्र में लगातार ट्रांसफार्मरों से हो रही चोरियों और बिजली कटौती से स्थानीय जनता और किसानों में आक्रोश व्याप्त है। नागरिकों का

कहना है कि एक तरफ तो वे भीषण गर्मी की मार झेल रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ चोरों के कारण घंटों बिजली गुल रहती है। ग्रामीणों और व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन तथा विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि प्रभावित क्षेत्रों में रात के समय पुलिस गश्त (पेट्रोलिंग) बढ़ाई जाये, तेल का अवैध धंधा करने वालों से पूछताछ की जाये, जल्द से जल्द गिरोह का पर्दाफाश कर दोषियों पर कठोर कार्यवाही की जाये। वहीं विद्युत विभाग के अधिकारियों का कहना है कि ट्रांसफार्मर से तेल चोरी होने के कारण विभाग को भारी वित्तीय नुकसान हो रहा है और व्यवस्था सुधारने में समय लग रहा है। मामले की लिखित शिकायत पुलिस थाने में दर्ज करवाई गई है।

अज्ञात चोरों ने ट्रांसफार्मर से ऑयल चोरी कर हो गये फरार - सुभाष

वृहत्तकार सेवा सहकारी समिति लालबर्रा के सहायक प्रबंधक सुभाष बोपचे ने बताया कि पांढरवानी स्थित वेयर हाउस में गत दिनों से गेहूं खरीदी जारी है और खरीदी केंद्र में विगत दो दिन पूर्व अचानक बिजली गुल हो गई थी। जिसकी सूचना विद्युत विभाग को दी गई और उन्होंने आकर मौके पर देखा तो खरीदी केंद्र के पास लगे ट्रांसफार्मर से ऑयल (तेल) चोरी हो चुका था। जिसकी वजह से यह समस्या निर्मित हुई, विद्युत विभाग का कहना है कि करीब 6 से 7 ट्रांसफार्मर से इस तरह की चोरी को अंजाम अज्ञात चोरों के द्वारा दिया गया है। बिजली गुल रहने से खरीदी कार्य प्रभावित हुआ है। श्री बोपचे ने बताया कि विद्युत विभाग के द्वारा ट्रांसफार्मर को बदलकर दुसरा ट्रांसफार्मर लगाया जा रहा है जिसके बाद विद्युत प्रवाह सेवा प्रारंभ हो जायेगी और पुलिस प्रशासन से मांग है कि ट्रांसफार्मरों से ऑयल (तेल) चोरी करने वाले गिरोह को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करें।

ट्रांसफार्मर के सामने रात्रि में संदिग्ध व्यक्ति दिखाई देने पर दे सूचना - सरफराज

दूरभाष पर चर्चा में कनिष्ठ अभियंता सरफराज कुरैशी ने बताया कि लालबर्रा क्षेत्र में एक सप्ताह के अंदर करीब 15 ट्रांसफार्मरों से ऑयल (तेल) की चोरी की वारदात घटित हो चुकी है और अज्ञात चोरों के द्वारा रात्रि के समय चोरी की वारदात को अंजाम दिया जा रहा है। बीती रात्रि में पांढरवानी के वेयर हाउस सहित अन्य दो स्थानों में स्थित ट्रांसफार्मर से ऑयल (तेल) की चोरी हुई है, उसके बाद बिजली बंद हो जाती है, जिसे सुधारने का कार्य किया जा रहा है। श्री कुरैशी ने क्षेत्रीयजनों से रात्रि के समय ट्रांसफार्मर के सामने संदिग्ध व्यक्ति दिखाई देने पर डायल 112, पुलिस एवं विद्युत विभाग को सूचना देने की अपील की है। साथ ही यह भी बताया कि ट्रांसफार्मरों से हो रही चोरी की वारदात के संबंध में थाने में शिकायत दर्ज करवा दी गई है और पुलिस प्रशासन से मांग है कि अज्ञात चोरों को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करें।

डोकरबन्दी में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ आज से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत डोकरबंदी स्थित स्कूल परिसर में राधा-रानी एवं शिव शक्ति की असीम कृपा से समस्त नारी शक्ति महिला मंडल एवं ग्रामीणजनों के सहयोग से 17 मई से संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का आयोजन किया गया है। इस 9 दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा में कथाव्यास पं. श्री घनश्याम जी शुक्ला के मुखारविंद से भक्तगण कथा का श्रवण करेंगे। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 17 मई को शाम 4 बजे कलशों की शोभायात्रा के साथ कथा का शुभारंभ किया जायेगा। जिसके बाद 18 मई से 25 मई तक प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से 10 बजे तक पीठ पूजन, दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक मुख्य कथा प्रवचन होगा एवं शाम 7 बजे से प्रभु इच्छा तक (भजन/कीर्तन होगा और कथा वाचक के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जीवनगाथाओं पर संगीतमय प्रवचन दिया जायेगा। आगे बताया कि 18 मई को व्यास पूजन, भागवत महत्वम, कपिल परिचित जन्म, सुखदेव आगमन, 18 मई को कपिल, सती एवं ध्रुव चरित्र, 20 मई को अजमीला प्रख्यान, भरत चरित्र, नरसिंह अवतार, प्रहलाद चरित्र, 21 मई को वामन अवतार, राम अवतार, कृष्ण जन्म, 22 मई को कृष्ण लीला, माखन चोरी, गोवर्धन पूजा, 23 मई को उध्दव संवाद, रासलीला, कृष्ण विवाह, 24 मई को सुदामा चरित्र, द्वारिका लीला, यदोवंशीय उध्दार, गवलोक गमन, परिक्षित मोक्ष पर कथावाचक के द्वारा प्रवचन दिया जायेगा तत्पश्चात कथा विश्राम एवं 25 मई को यज्ञ पूर्णाहुति एवं विशाल महाप्रसादी वितरण के साथ संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का समापन किया जायेगा। इस अवसर पर आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने क्षेत्र के सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से इस मंगलमय आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

सांदीपनी (उत्कृष्ट) विद्यालय में जिलेभर के बीईओं और बीआरसी की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लोक शिक्षण संचालनालय जबलपुर के संयुक्त संचालक अरूण कुमार इंगले ने शुक्रवार को लालबर्रा विकासखंड का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने शासन के 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के तहत ग्राम पंचायत पांढरवानी एवं बकोड़ा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संयुक्त संचालक ने पंचायत प्रतिनिधियों और सचिवों से क्षेल के जल स्त्रोतों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये और बताया कि किस तरह जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के कार्य किये जाने है। साथ ही धरती आबा कार्यक्रम के तहत बकोड़ा में तीन बैगा व भारिया जाति के लोगों के जनधन योजना के तहत मकान बनाये गये है जिनका एवं पीएम श्री स्कूल बकोड़ा के अतिरिक्त कक्ष का निरीक्षण भी किया।

शैक्षणिक गतिविधियों की गहन समीक्षा

पंचायतों का निरीक्षण करने के पश्चात संयुक्त संचालक श्री इंगले नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी (उत्कृष्ट) विद्यालय लालबर्रा पहुंचे। जहां उन्होंने जिलेभर से आये ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) और ब्लॉक रिसोर्स समन्वयकों (बीआरसी) की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। बैठक में आगामी शैक्षणिक सत्र को लेकर

स्कूलों में बच्चों के नामांकन की स्थिति, साइकिल वितरण, पाठ्यपुस्तक वितरण सहित अन्य योजनाओं की गहन समीक्षा की गई। इसके अलावा स्कूलों में संचालित होने वाली विभिन्न गतिविधियों के सुचारू संचालन को लेकर चर्चा की गई। बैठक में संयुक्त संचालक ने सभी अधिकारियों को बच्चों की गुणवत्तापूर्ण और बेहतर शिक्षा प्रदान करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने के निर्देश दिये। इस दौरान जिलेभर से आये बीईओ और बीआरसी ने मैदानी स्तर पर आने वाली विभिन्न प्रशासनिक व व्यवहारिक समस्याओं से संयुक्त संचालक को अवगत करवाया। श्री इंगले ने अधिकारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर ही उनके त्वरित निराकरण के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

चर्चा में बीईओ वायआर गजभिये ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शुक्रवार को लोक शिक्षण संचालनालय जबलपुर के संयुक्त संचालक एके इंगले जी का लालबर्रा आगमन हुआ था। इस दौरान उन्होंने पांढरवानी एवं बकोड़ा पंचायत क्षेल के जल स्त्रोतों का निरीक्षण किया। साथ ही बकोड़ा स्थित पीएम श्री विद्यालय के अतिरिक्त कक्ष एवं जनधन योजना से निर्मित मकानों का निरीक्षण किये। जिसके बाद सांदीपनी स्कूल लालबर्रा में जिलेभर से पहुंचे बीईओं और बीआरसी की बैठक ली गई। इस दौरान सीएम हेल्पलाईन एवं विभिन्न योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस अवसर पर जिलेभर के बीईओं, बीआरसी उपस्थित रहे।

पति की दीर्घायु के लिए महिलाओं ने श्रध्दापूर्वक रखा वट सावित्री व्रत

वट वृक्ष की विधि-विधान से पूजा कर सुख-समृध्दि की कामना की, नगर सहित ग्रामीण अंचलों में रहा भक्ति का माहौल

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शनिवार को वट सावित्री का पावन पर्व बेहद श्रध्दा, भक्तिऔर उल्लास के साथ मनाया गया। अपने सुहाग की लंबी उम्र और परिवार की सुख-समृध्दि के लिए सुहागिन महिलाओं ने दिनभर का कठिन व्रत रखा। वही सुबह से ही घरों और मंदिरों के पास स्थित वट (बरगद) वृक्षों के नीचे पूजा-अर्चना के लिए महिलाओं की भारी भीड़ देखी गई। इसी कड़ी में नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर, पांढरवानी के आखर चौक स्थित वटवृक्ष, अमोली एवं अन्य स्थानों पर स्थित वटवृक्ष स्थल पर 16 मई को हिन्दू धर्मालंबी सुहागिन महिलाओं के द्वारा पति की लंबी उम्र की कामना हेतु वट सावित्री का व्रत रखकर पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर उपस्थित व्रतधारी महिलाओं के द्वारा सुबह स्नान, ध्यान व सोलह श्रृंगार किया गया। जिसके पश्चात समस्त महिलाएं पूजन सामग्री की थाल सजाकर वट वृक्ष स्थल पहुंची जहां दीपक जलाकर हल्दी, कुमकुम, रोली, फल, पकवान चढ़ाकर एवं कच्चा धागा बांधकर पेड़ की परिक्रमा कर सत्यवान सावित्री की कथा का वाचन किया गया।

सुबह से शुरू हुआ पूजा का दौर

शनिवार सुबह से ही व्रतधारी महिलाएं पारंपरिक परिधानों और पूर्ण श्रृंगार में सज-धजकर पूजन सामग्री की थाल लिए वट वृक्षों के पास पहुंचने लगी थी। महिलाओं ने स्नान और नित्य कर्म से निवृत्त होकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना शुरू की। वट वृक्ष को जल, मौली (कच्चा सूत), रोली, चंदन, फल, फूल और भीगे हुए चने अर्पित किये। वहीं व्रट सावित्री व्रत पर्व की धार्मिक मान्यताओं के अनुसार महिलाओं ने यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस लाने वाली सती सावित्री की कथा सुनी। जिसके पश्चात सुखद वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए महिलाओं ने वट वृक्ष के चारों ओर 7, 24 या 108 बार परिक्रमा कर उसके तने पर सूत का धागा लपेटा। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार वट वृक्ष में ब्रम्हा, विष्णु और महेश का वास माना जाता है, इसलिए इसकी पूजा का विशेष महत्व है। वहीं व्रतधारी महिलाओं ने बताया कि यह व्रत हमारे सनातन धर्म में पति की दीर्घायु और अखंड सौभाग्य का प्रतीक है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हम सभी महिलाओं ने मिलकर पूरे विधि-विधान से वट वृक्ष की परिक्रमा की और अपने परिवार की खुशहाली की मन्नत मांगी।

ग्रामीण अंचलों में भी दिखी धूम

नगर मुख्यालय के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी वट सावित्री व्रत को लेकर भारी उत्साह देखा गया। गांवों में स्थित प्राचीन बरगद के पेड़ों के नीचे ग्रामीण महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा-आरती की और दोपहर तक पूजन का यह दौर चलता रहा। जिसके बाद महिलाओं ने बड़ों का आशीर्वाद लेकर व्रत संपन्न किया। इस पावन अवसर पर चारों ओर का माहौल पूरी तरह से भक्तिमय और उत्सव जैसा नजर आया। चर्चा में व्रतधारी महिला श्रीमती सीमा शांडिल्य ने बताया कि सुहागिन महिलाएं पति की दीर्घायु और परिवार की सुख-शांति के लिए वट सावित्री की पूजा करती है और पौराणिक मान्यता है कि माता सावित्री ने यमराज से अपने पति के प्राण बचाने के लिए व्रत किया था। तब से सुहागिन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु की कामना को लेकर व्रत करती है। आगे बताया कि वट सावित्री व्रत के अवसर पर सुहागिन महिलाएं सुबह 16 श्रृंगार कर पूजन सामग्री के साथ वटवृक्ष स्थल पहुंचकर विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर वट सावित्री की पूजा अर्चना एवं परिक्रमा कर अखण्ड सौभाग्य व पति के दीर्घायु की कामना की गई। इस अवसर पर सुहागिन महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

दादागुरू भगवान का लालबर्रा आगमन आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। दो हजार से अधिक दिनों से निरंतर निराहार रहकर तपस्या कर रहे परम तपस्वी, अवधूत सिध्द महायोगी दादागुरू भगवान का 17 मई को सनातन धर्म जागरण हेतु लालबर्रा आगमन हो रहा है। तत्पश्चात् उनका मुख्य प्रवचन भरवेली स्थित सिध्दपीठ विश्वधाम मंदिर में आयोजित होगा। वही दादागुरू भगवान के लालबर्रा आगमन की सूचना से स्थानीय श्रध्दालुओं एवं धर्मप्रेमी जनता के बीच विशेष उत्साह का वातावरण बना हुआ है। इस अवसर पर लालबर्रा में सर्व हिन्दू संगठन के द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जायेगा। श्रध्दालुओं ने बताया कि दादागुरू भगवान आज प्रातः जबलपुर से प्रस्थान करेंगे। सिवनी मार्ग होते हुए वे दोपहर ढाई बाजे लालबर्रा क्षेत्र की सीमा में स्थित चंजारी माता मंदिर, कंजई पहुंचेंगे। जहां धर्मप्रेमी जनता द्वारा उनकी आगवानी की जायेगी। कंजई के पश्चात उनका अगला पड़ाव नगर मुख्यालय लालबर्रा रहेगा। जहां उनकी वंदन एवं चरणपूजा का कार्यक्रम संपन्न होगा।

इसके अलावा विश्व हिंदू परिषद अध्यक्ष राहुल शुक्ला के मानपुर रोड स्थित निवास के समक्ष भी उनके संक्षिप्त स्वागत कार्यक्रम की जानकारी प्राप्त हुई है। तत्पश्चात दादागुरू भगवान भरवेली के लिए प्रस्थान करेंगे, जहां पदयाला, धर्मसभा एवं मुख्य प्रवचन कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। उल्लेखनीय है कि दादागुरू भगवान लगभग 2034 दिनों से निराहार रहकर केवल नर्मदा माई के जल पर जीवनयापन कर रहे हैं। इसी वर्ष उन्होंने अपनी चौथी नर्मदा परिक्रमा पूर्ण की है। इस आध्यात्मिक यात्रा में लोहारा निवासी सह-स्वामी नरेंद्र बोपचे भी उनके साथ शामिल रहे। यात्रा के दौरान उन्होंने दादागुरू भगवान से लालबर्रा आगमन का निवेदन किया था, जिस पर उन्होंने सहमति प्रदान की थी। सकल हिंदू समाज ने इस अवसर पर समस्त धर्मप्रेमी जनता से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील है।

वारासिवनी के मयंक मात्रे ने रचा इतिहास

आईएसएससी 2026 में ऑल इंडिया फर्स्ट रैंक हासिल कर जीता फ्री नासा टूर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी के एक प्रतिभाशाली छात्र ने राष्ट्रीय स्तर पर नगर और प्रदेश का नाम रोशन करते हुए इतिहास रच दिया है। विद्यालय के कक्षा १२ वीं गणित संकाय अंग्रेजी माध्यम के छात्र मयंक मात्रे ने इंटरनेशनल स्पेस साइंस काम्पटीशन यानि आईएसएससी २०२६ में पूरे भारत में प्रथम स्थान प्राप्त कर ग्रैंड विनर का खिताब अपने नाम किया है। इस अभूतपूर्व सफलता के फलस्वरूप मयंक का चयन अमेरिका युएसए में होने वाले फ्री नासा एजुकेशनल टूर के लिए हुआ है जिसका पूरा खर्च आयोजकों के द्वारा वहन किया जाएगा।

देशभर के 10 हजार छात्रों को पछाड़कर सांदीपनि विद्यालय के छात्र ने लहराया परचम

दो चरणों की कठिन परीक्षा में साबित किया लोहा

यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता वैश्विक स्तर पर स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए ग्लोबल स्पेस साइंस कम्पटीशन जीओ८ गुरु के द्वारा आयोजित की जाती है। प्रथम चरण ८ अप्रैल २०२६ को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम चरण की परीक्षा आयोजित हुई थी जिसमें देश भर से लगभग १० हजार प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। इस कठिन परीक्षा में से पूरे देश में केवल १७ छात्रों का चयन अगले दौर के लिए हुआ। जिसमें मयंक मात्रे ने ऑल इंडिया स्तर पर ५वां स्थान प्राप्त किया था। द्वितीय चरण एवं फाइनल १५ मई २०२६ को इस प्रतियोगिता का अंतिम और निर्णायक चरण आयोजित किया गया। यह एक लाइव ऑनलाइन टेस्ट था जिसमें स्क्रीन शेयरिंग के माध्यम से छात्रों की तार्किक और वैज्ञानिक क्षमता की कड़ी परीक्षा ली गई। मयंक ने इस फाइनल राउंड में अपने असाधारण प्रदर्शन की बदौलत ऑल इंडिया रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर ग्रैंड विनर बनने का गौरव प्राप्त किया।

सितंबर में नासा और डिज्नी वर्ल्ड की सैर करेंगे मयंक

संभावित रूप से यह शैक्षणिक यात्रा माह सितंबर २०२६ में प्रस्तावित है। इस टूर के लिए मयंक मात्रे के पासपोर्ट और वीजा की प्रक्रिया जल्द ही पूर्ण कराई जाएगी। इस पूरी तरह से निःशुल्क फ्री एजुकेशनल टूर के दौरान मयंक को केनेडी स्पेस सेंटर नासा में मयंक को उपग्रह अनुसंधान, उपग्रहों के परिचालन, विकास और उनकी असेंबलिंग प्रक्रिया को करीब से देखने का मौका मिलेगा। ओरलैंडो इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी कैंपस विजिट में वैश्विक स्तर की शिक्षा और तकनीकी माहौल को समझने का अवसर। थीम पार्क एक्सपीरियंस और डिज्नी स्प्रिंग्स में मनोरंजन और सांस्कृतिक अनुभव के लिए विशेष विजिट जैसे प्रमुख केंद्रों का भ्रमण कराया जाएगा। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक , नवाचार और तकनीकी दृष्टिकोण का विकास करना तथा उन्हें आधुनिक तार्किक प्रणालियों से रूबरू कराना है। मयंक की इस जादुई सफलता पर क्षेत्र और प्रशासनिक हलकों में हर्ष का माहौल है। मयंक की इस सफलता के पीछे संस्था के उच्च माध्यमिक शिक्षक प्रवीण राणा का उचित मार्गदर्शन और सराहनीय प्रयास रहा है। जिन्होंने प्रतियोगिता के हर मोड़ पर मयंक की तैयारी को मजबूत किया।

इन्होने ने दी मयंक मात्रे को शुभकामनायें

इस उपलब्धि पर पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, विधायक विवेक पटेल, पूर्व विधायक डॉ. योगेंद्र निर्मल, ओमकारसिंह बिसेन, भाजपा नेता शैलेन्द्र आहूजा,नपा अध्यक्ष सरीता मनोज दांदरे, एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ,डॉ.डी एस कुशवाह ,डॉ.रंजन शर्मा,सुरेश मिश्रा ,डीईओ अश्विनी उपाध्याय ,प्राचार्य हुमराज पटले ,श्रीमती वंदना शर्मा ,लखन रिनायत ,श्रीमती श्यामकला वडीचार ,श्रीमती भावना पटले ,श्रीमती अर्चना कानतोडे ,श्रीमती स्वाती बारमाटे ,गोविन्द चौधरी ,विजय कुमार गजभिये ,श्रीमती प्रियंका देशमुख ,श्रीमती श्यामा कातरे ,डेलेन्द्र मेश्राम ,कमल टेंभरे , अमित डोंगरे,अधिवक्ता जयप्रकाश मात्रे,मनोज दांदरे नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि, भुरेलाल मात्रे,लिखीराम मात्रे,गोरेलाल मात्रे, योगेन्द्र महेश्वरी मात्रे,छगन प्रतिभा मात्रे,दिनेश परिहार, रविन्द्र पारधी, गणेश नागेश्वर, रमेश धारनवार, अशोक मात्रे, नंदलाल तामेश्वर, अशोक मरार,राजकुमार चौधरी, बी पी पंचेश्वर, रवि पंचेश्वर, राजकुमार खैरवार,रविन्द्र रूसिया, नारायण तिवारी,राजेश परिहार, सुनील बंटी पारधी, पी सी चौहान सहित अन्य लोगो ने बधाई प्रेषित की है।

सबके सहयोग से परीक्षा में सफलता हासिल की है-मयंक मात्रे

छात्र मयंक मात्रे ने बताया की मैं सांदीपनि विद्यालय का छात्र हूँ। मेरे विज्ञान शिक्षक प्रवीण राणा सर ने मुझे इस परीक्षा आईएसएससी २०२६ की जानकारी दी थी जिसके बाद मैंने इसमें भाग लिया। जब मुझे फोन पर यह पता चला कि देश भर से चुने गए १७ छात्रों में मेरी ऑल इंडिया ५ वीं रैंक आई है तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। इसके बाद दूसरे राउंड के लाइव टेस्ट में मैंने पहली रैंक हासिल की और पूरे भारत से फ्री नासा टूर के लिए अकेले मेरा चयन हुआ। मुझे बचपन से ही स्पेस साइंस में गहरी रुचि रही है और मैं इससे नासा से जुड़ी जानकारियों का अध्ययन करता रहा हूँ। इसी रुझान और मेरे शिक्षकों व प्राचार्य के लगातार प्रोत्साहन की वजह से आज मुझे यह ऐतिहासिक सफलता मिली है। मैं बेहद खुश और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ।

वारासिवनी के रजेगांव में दर्दनाक ट्रेन हादसा

शौच के लिए निकले विक्षिप्त युवक की ट्रेन में कटकर मौत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत आलेझरी के रजेगांव में शनिवार की सुबह एक बेहद दर्दनाक और हृदय विदारक हादसा सामने आया है। यहाँ वारासिवनी बालाघाट रेलवे ट्रैक पर सुबह,सुबह ट्रेन की चपेट में आने से एक ३५ वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त जितेंद्र पिता अमरलाल सरोते ३५ वर्ष निवासी वार्ड नंबर १४ रजेगांव के रूप में हुई है।

बालाघाट से वारासिवनी जा रही ट्रेन से हुई दुर्घटना

प्राप्त जानकारी के अनुसार जितेंद्र सरोते का मानसिक संतुलन कुछ ठीक नहीं रहता था और उसे कम सुनाई भी देता था। शनिवार की सुबह करीब ५.३० से ६ बजे के बीच वह घर से शौच के लिए रेलवे ट्रेक के पास स्थित खेतों की ओर निकला था। इसी दौरान वह बालाघाट से वारासिवनी की तरफ जा रही तिरोड़ी यात्री ट्रेन सुबह करीब ५.५५ बजे चपेट में आ गया। ट्रेन की गति तेज होने के कारण युवक को संभलने का मौका नहीं मिला और पटरी पर कटने से उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। सुबह सुबह रेलवे ट्रैक पर शव मिलने की खबर पूरे रजेगांव और आलेझरी क्षेत्र में आग की तरह फैल गई। घटना स्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। उपस्थित लोगों ने तुरंत डायल ११२ पर कॉल कर पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही वारासिवनी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने वहां उपस्थित लोगों और परिजनों की मौजूदगी में शव की शिनाख्त की औपचारिकताएं पूरी कीं। इसके बाद शव का पंचनामा तैयार कर उसे तुरंत सिविल अस्पताल परिसर स्थित शव विच्छेदन गृह भेजा गया। अस्पताल में डॉक्टरों की टीम के द्वारा पोस्टमार्टम किए जाने के बाद पुलिस ने शव को अंतिम संस्कार के लिए रोते बिलखते परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। वारासिवनी पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर लिया है और घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत मर्ग जांच प्रारंभ कर दी है।

मृतक मेरा भाई हैं जिसकी ट्रेन दुर्घटना में मौत हुई है-सुनील सरोते

सुनील सरोते ने पुलिस को बताया कि वह रजेगांव के वार्ड नंबर १४ में रहता है और मजदूरी का काम करता है। जितेंद्र उसके बड़े पिताजी का लड़का था शनिवार सुबह करीब ६ बजे मुझे आस पड़ोस के लोगों ने आकर सूचना दी कि रजेगांव में ईश्वरदास के खेत के पास रेलवे पटरी पर एक व्यक्ति कट गया है। जब मैंने मौके पर जाकर देखा तो पटरी के बीच में मेरे बड़े भाई जितेंद्र सरोते का शव क्षत विक्षत और चित अवस्था में पड़ा हुआ था। ट्रेन की टक्कर इतनी भयानक थी कि उनका बांया हाथ और बांया पैर टूट चुका था दाएं पैर के पंजे में गहरी चोट थी और सिर पर भी गंभीर घाव थे।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि रजेगांव रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत होने की सूचना थाने में मिली थी। मौके पर शिनाख्त जितेंद्र पिता अमरलाल सरोते उम्र ३५ वर्ष रजेगांव निवासी की मौत हो चुकी थी। परिजनों ने बताया कि इसका मानसिक संतुलन बिगड़ा था और सुनता कम था शौच करने के लिए घर से निकला था। बालाघाट से वारासिवनी जा रही ट्रेन से या हादसा हुआ है मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

राजकपूर रंगारे
प्रधान आरक्षक थाना वारासिवनी

नगर में अखंड सौभाग्य का पर्व वट सावित्री हर्षोल्लास से संपन्न

सुहागिनों ने वट वृक्ष की परिक्रमा कर मांगी पति की दीर्घायु

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर सहित ग्रामीण अंचलों में सुहागिन महिलाओं के अखंड सौभाग्य और पति की दीर्घायु की कामना का प्रतीक पावन वट सावित्री वृत १६ मई को अगाध श्रद्धा भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही नगर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित वट वड के वृक्षों के नीचे पूजा अर्चना के लिए सुहागिन महिलाओं का हुजूम उमड़ पड़ा। पारंपरिक परिधानों में सजी धजी महिलाओं ने पूरे विधि विधान से वट वृक्ष की पूजा की सूत पिरोया और कथा श्रवण कर अपने सुहाग की लंबी उम्र का वरदान मांगा।

सुबह से ही पूजा स्थलों पर लगा रहा तांता

शनिवार की सुबह से ही नगर के प्रमुख स्थानों जैसे तहसील कार्यालय परिसर, फॉरेस्ट विभाग, प्राचीन राम मंदिर, शिव मंदिर, काली पाठ मॉदर सहित विभिन्न गली मोहल्लों में स्थित वट वृक्षों के पास भारी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति देखी गई। स्नान ध्यान के बाद सोलह श्रृंगार कर महिलाएं पूजा की सुसज्जित थाल लेकर पूजा स्थलों पर पहुँचीं। पूजन के दौरान महिलाओं ने वट वृक्ष को जल अर्पित कर रोली, चंदन, अक्षत, श्रीफल नारियल और मौसमी फल चढ़ाए। इसके बाद वृक्ष के चारों ओर परिक्रमा करते हुए कच्चे सूत के धागे को लपेटकर पति की लंबी उम्र की कामना की। पूजन का मुख्य आकर्षण कथा वाचन रहा जिसे महिलाओं ने सामूहिक रूप से बैठकर सुना। पूजा संपन्न होने के बाद सुहागिन महिलाओं ने पारंपरिक रीति के अनुसार एक दूसरे को हल्दी कुमकुम लगाकर सदा सुहागन रहने की शुभकामनाएं दीं।

दो तिथियों में मनाया जाता है

विदित हो कि वट सावित्री व्रत प्रतिवर्ष दो अलग अलग तिथियों में मनाया जाता है। इसमें एक ज्येष्ठ मास की अमावस्या का वट सावित्री व्रत होता है और दूसरा ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा को वट सावित्री व्रत होता है। शनिवार को नगर में ज्येष्ठ मास की अमावस्या का वट सावित्री व्रत पूरी आस्था के साथ मनाया गया। महिलाओं ने दिनभर या पूजा तक निर्जला व निराहार रहकर व्रत का पालन कर व्रत का समापन किया। इस धार्मिक उत्सव के दौरान नगर के विभिन्न पूजा स्थलों पर सुहागिन महिलाओं के साथ साथ उनके परिजन और अन्य नागरिक भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।

सुहागिन महिलाएं सोलह श्रंगार कर व्रत रखती है-किरण दुबे

श्रीमती किरण दुबे ने बताया कि ओज वट सावित्री का व्रत है हमारे सनातन धर्म में सभी स्त्रियां इस व्रत को श्रद्धा के साथ मनाती है। आज ही के दिन सावित्री ने अपने पति सत्यवान के प्राणो यमराज से वापस लाए थे इसलिए माताएं वट वृक्ष की पूजा कर पति की दीर्घायु की कामना करती है। इसमें सुहागिन महिलाएं सोलह श्रंगार कर व्रत रखती है यह जो व्रत होता है वह महिलाएं अपने अनुसार धारण करती है और अभी समय अनुसार एक टाइम का ही व्रत अधिकतर महिलाएं करती है।

महिलाएं पूजा कर और अपने सौभाग्य की कामना करती है-उषा मिश्रा

श्रीमती उषा मिश्रा ने बताया कि वट सावित्री व्रत में महिलाएं १६ श्रंगार कर व्रत धारण करती है वटवृक्ष की पूजा करती है। इसमें महिलाएं शुद्ध भावनाओं के साथ पूजा करती है और अपने सौभाग्य की कामना करती है। इस व्रत में वटवृक्ष की पूजा इसलिए की जाती है क्योंकि यह एक विशाल वृक्ष होता है और वैसा ही महिलाओं का स्वरूप होता है। जो महिलाएं इस व्रत में चुक जाती है वह पूर्णिमा को यह व्रत करती है इसमें जो व्रत धारण महिलाएं करती है वह अमावस्या होने के कारण पूजा के बाद व्रत छोड़ देती है या एक टाइम का रखती है बाकी पूर्णिमा का व्रत अधिकांश महिलाएं दोनों समय का करती है।

मोहगांव खुर्द में भागवत कथा में शामिल हुए विधायक विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम मोहगांव खुर्द में पांच दिवसीय भागवत कथा का आयोजन किया गया। जिसका समापन शनिवार को किया गया जिसमें वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र के विधायक विवेक पटेल पहुंचे। जहां उन्होंने सर्वप्रथम वृन्दावन धाम से पधारे कथा वाचक धर्म पथिक राष्ट्रीय प्रवक्ता पूज्य शैलेन्द्र कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया। वहीं कथा वाचक ने भगवान शिव ,माता पार्वती और श्री कृष्ण के बारे में भक्तों को कथा सुनाते हुए बताया कि माता पार्वती ने राजा हिमालय के यहां जन्म लिया था। माता पार्वती बचपन से ही भगवान भोलेनाथ को मानती थी इसलिए भगवान भोलेनाथ का विवाह माता पार्वती के साथ हुआ। इस दौरान श्याम पटले,राजेंद्र बिसेन, राजकुमार चौधरी, महेश ठाकरे, संजय बिसेन, तानसेन बिसेन, दीनदयाल पटले,दुर्गेश बिसेन,झामसिंह बिसेन,कीर्ति बिसेन, शिवप्रसाद शरणगत,सुरेन्द्र बिसेन,टिकपाल बिसेन,नोकेश्वर बिसेन,धनेंद्र बिसेन सहित ग्रामवासी मौजूद रहे। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि भागवत की कथा सुनने से मन को शांति मिलती है। प्रत्येक गांव में कथा का आयोजन होना चाहिए साथ ही इसका अनुश्रवण करने की अपने जीवन में आवश्यकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में धर्म के प्रति लोगों की रुचि बढ़ रही है इसका नतीजा है गांव में जगह जगह हवन कथा का आयोजन किया जाता है। ग्राम में कोई भी कार्यक्रम हो अपार भीड़ रहती है वही भीड़ ग्राम में एकता बनाए रखती है। जिस क्षेत्र में भगवान का भजन विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है उस क्षेत्र में हमेशा सुख शांति और समृद्धि बनी रहती है। पूरा क्षेत्र और क्षेत्र के लोग खुशहाल रहते है भगवान की कृपा गांव में बनी रहती है जब भगवान श्री विष्णु ने विभिन्न रूपों में अवतार लेकर पृथ्वी पर धर्म की रक्षा की पापियों का संहार किया वैसे ही हमें अपने समाज की रक्षा करनी चाहिए।

क्षेत्र और नगर में रेत की समस्या का समाधान करने कलेक्टर से की मांग-संदीप मिश्रा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल अध्यक्ष एवं नगर पालिका परिषद के पार्षद सभापति संदीप मिश्रा ने प्रेस विज्ञप्ती जारी कर बताया की १६ मई २०२६ को जिला कलेक्टर बालाघाट से चर्चा कर बताया की वारासिवनी नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रो में वर्तमान समय में प्रधानमंत्री आवास योजना के मकानो एवं विकास संबंधित निर्माण कार्य भवन निर्माण कार्य आदि जारी है । चूंकि १५ जुन तक मानसुन आ जाने की प्रबल संभावना है ,ऐसी स्थिति में भवन निर्माण कार्य के साथ साथ बहुत सारे विकास के कार्य भी एवं अनेक विकास कार्य रेत की विकराल समस्या होने के कारण प्रारंभ नही हो पा रहे है। रेत की भीषण समस्या से आमजन एवं ठेकेदार जुझ रहे है यदि कोई भी अपनी सुविधा अनुसार रेत प्राप्त कर लेता है तो पुलिस प्रशासन, खनिज शाखा के माध्यम से रेत के अवैध उत्खन्न के नाम पर प्रकरण बना दिया जाता है। विभिन्न विकास से संबंधित निर्माण कार्य पूर्णत: ढप्प पडे हुये है ऐसी परिस्थिति से अवगत कराकर अविलम्ब समस्या का निराकरण किये जाने की अपेक्षा व्यक्त की है। एवं आम जनता को राहत प्रशासन अपने सुविधानुसार आवश्यकता के अनुरूप रेत उपलब्ध कराने मांग की है।

कैद में करुणा-पंचेन लामा और तीन दशकों का सन्नाटा

आज का मेरा यह आलेख उस बालक के नाम है जो आज 37 साल का हो चुका होगा, जो शायद आज भी किसी खिड़की से बाहर देखते हुए अपनी आजादी का सपना देखता होगा। यह उन हजारों माताओं के नाम है जिनके बच्चे उनसे दूर सरकारी इमारतों में अपनी पहचान खो रहे हैं। इतिहास की क्रूरता अक्सर उन पन्नों में दर्ज होती है जहाँ सत्ता अपनी असुरक्षा को छिपाने के लिए मासूमियत का गला घोंट देती है। आज से ठीक इकतीस वर्ष पूर्व, जब हिमालय की चोटियों पर बर्फ पिघल रही थी, तब छह वर्षीय गेधुन चोएक्यी न्यिमा—जिन्हें 11वें पंचेन लामा के रूप में पहचाना गया था उन्हे चीनी तंत्र द्वारा अपनी गिरफ्त में ले लिया गया। यह केवल एक बच्चे का अपहरण नहीं था, बल्कि एक सोची-समझी रणनीतिक घेराबंदी थी, जिसका उद्देश्य तिब्बत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रीढ़ को तोड़ना था। व्यावहारिक रूप से समझें तो चीन के लिए पंचेन लामा का पद मात्र धार्मिक नहीं, बल्कि राजनीतिक नियंत्रण का एक अनिवार्य उपकरण है। तिब्बती परंपरा के अनुसार, पंचेन लामा ही अगले दलाई लामा की पहचान और पुष्टि करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। ऐसे में, पंचेन लामा को गायब कर और उनके स्थान पर अपनी पसंद का कठपुतली चेहरा बिठाकर,चीनी कम्युनिस्ट पार्टी भविष्य के दलाई लामा की चयन प्रक्रिया को पूरी तरह अपने नियंत्रण में लेना चाहती है। यह आध्यात्मिक उत्तराधिकार पर एक ऐसा राजनीतिक कब्जा है, जिससे आने वाले दशकों में तिब्बत के भीतर विद्रोह के स्वर को जड़ से खत्म किया जा सके। चीन जानता है कि पंचेन लामा और दलाई लामा का रिश्ता गुरु-शिष्य का है और एक-दूसरे के पुनर्जन्म को पहचानने में उनकी भूमिका निर्णायक होती है। गेडुन को गायब कर अपने कठपुतली पंचेन लामा को थोपना, तिब्बत के भविष्य और उनकी धार्मिक परंपरा को हमेशा के लिए बंधक बनाने का प्रयास है। यकीनन पंचेन लामा का गायब होना उस व्यापक अभियान का हिस्सा है जिसे सिनीसाइजेशन यानी चीनीकरण कहा जाता है। आज तिब्बत में चीन द्वारा संचालित औपनिवेशिक बोर्डिंग स्कूल इसी दमनकारी नीति की अगली कड़ी हैं। लगभग 10 लाख तिब्बती बच्चों को उनके परिवारों से दूर कर इन सरकारी हॉस्टलों में रखना कोई सामान्य शिक्षा नीति नहीं, बल्कि उनकी भाषा, बौद्ध धर्म और पारंपरिक जड़ों को काटकर उनमें हान-चीनी पहचान भरने का एक व्यवस्थित प्रयास है। जब एक पूरी पीढ़ी अपनी जड़ों को भूल जाती है, तो सांस्कृतिक संघर्ष स्वतः ही दम तोड़ देता है। आज दुनिया मानवाधिकारों की बड़ी-बड़ी बातें करती है, लेकिन पंचेन लामा का मामला संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की उस व्यावहारिक लाचारी को दर्शाता है, जहाँ चीन की आर्थिक शक्ति और वीटो की ताकत ने न्याय के तराजू को असंतुलित कर दिया है। तीन दशकों से एक व्यक्ति का अदृश्य होना और दुनिया का उसे एक ठंडा बस्ता मान लेना, आधुनिक सभ्य समाज की सबसे बड़ी नैतिक विफलता है। इस घोर अंधकार और दमन के बीच भारत एक प्रकाश स्तंभ की तरह अडिग खड़ा है, जिसने तिब्बती अस्मिता और उनकी सिसकती आस्था को अपनी ममतामयी गोद में शरण दी है। आज दुनिया भर में जो तिब्बत मुक्ति आंदोलन की गूँज सुनाई देती है, उसका केंद्र भारत की वही लोकतांत्रिक मिट्टी है जहाँ दलाई लामा जी सुरक्षित रहकर विश्व को शांति और करुणा का संदेश दे रहे हैं। भारत का यह सहयोग केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि एक रूहानी और ऐतिहासिक जुड़ाव है जिसने तिब्बत की उम्मीदों को मरने नहीं दिया।

नीट-यूजी पेपर लीक प्रकरण 2026- दोबारा परीक्षा 21 जून को

वैश्विक स्तरपर भारत आज उस दौर से गुजर रहा है जहां एक ओर डिजिटल क्रांति ने शासन,प्रशासन,शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, व्यापार और नागरिक सुविधाओं को अभूतपूर्व गति दी है,वहीं दूसरी ओर इसी तकनीकी विस्तार ने साइबर अपराध,डेटा चोरी, डिजिटल धोखाधड़ी और संगठित परीक्षा माफियाओं को भी नई ताकत प्रदान कर दी है। आधुनिक तकनीक ने जीवन को आसान बनाया,लेकिन इसी तकनीक का दुरुपयोग व्यवस्था की विश्वसनीयता को चुनौती देने लगा है।विशेष रूप से शिक्षाक्षेत्र में तकनीक आधारित अपराधों ने जिस प्रकार प्रवेश किया है,उसने देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षाओं की साख तक को हिला दिया है।भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल रोजगार या प्रवेश का माध्यम नहीं हैं, बल्कि करोड़ों युवाओं के सपनों, सामाजिक प्रतिष्ठ और भविष्य की दिशा निर्धारित करने वाली जीवनरेखा हैं।जब इन्हीं परीक्षाओं की गोपनीयता पर सवाल उठने लगें, तब यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं रह जातीबल्कि राष्ट्रीय नैतिक संकट का रूप ले लेती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, वर्ष 2026 का नीट-यूजी पेपर लीक प्रकरण इसी गहराते संकट का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है। 3 मई 2026 को आयोजित हुई मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी को पेपर लीक और व्यापक अनियमितताओं के आरोपों के बाद रद्द करना पड़ा, सरकार ने पुनः परीक्षा की तिथि 21 जून 2026 घोषित की तथा यह भी स्पष्ट किया कि वर्ष 2027 से नीट परीक्षा पूरी तरह कंप्यूटर आधारित यानी सीबीटी मोड में आयोजित की जाएगी। यह निर्णय भारतीय परीक्षा प्रणाली में एक बड़े परिवर्तन का संकेत माना जा रहा है। 22 लाख से अधिक विद्यार्थियों की महीनों की मेहनत, मानसिक तनाव और अभिभावकों की अपेक्षाएं अचानक अनिश्चितता में बदल गईं। पूरे देश में छात्रों के विरोध प्रदर्शन, सोशल मीडिया अभियानों और परीक्षा प्रणाली पर तीखे सवालों ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत की परीक्षा व्यवस्था अब केवल प्रशासनिक सुधारों से नहीं, बल्कि संरचनात्मक परिवर्तन की मांग कर रही है। विडंबना यह है कि यह संकट ऐसे समय सामने आया, जब सरकार ने वर्ष 2024 में卐पब्लिकएग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट 2024 लागू किया था। इस कानून को आम भाषा में एंटी पेपर लीक कानून कहा जाने लगा। दावा किया गया था कि अब पेपर लीक जैसे अपराधों पर निर्णायक रोक लगेगी, दोषियों को कठोर दंड मिलेगा और परीक्षा प्रणाली अधिक सुरक्षित बनेगी। इस कानून के अंतर्गत संगठित नकल, प्रश्नपत्र लीक, डिजिटल हैकिंग, फर्जीवाड़ा और परीक्षा प्रक्रिया में तकनीकी हस्तक्षेप जैसे अपराधों के लिए कड़ी सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया था। लेकिन 2026 के नीट कांड ने यह दिखा दिया कि केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं होता; अपराधी नेटवर्क यदि तकनीकी रूप से अधिक उन्नत और संगठित हो जाएं, तो वे कानून की कमजोरियों और प्रशासनिक ढिलाई का आसान व सटीकता से रास्ता खोज लेते हैं। साथियों, आज का पेपरमाफिया पारंपरिक अपराधीनहीं रह गया है। यह एक अत्यंत संगठित, बहुस्तरीय और तकनीकी रूप से दक्ष नेटवर्क में बदल चुका है। इसमें शिक्षा संस्थानों से जुड़े लोग,कोचिंग नेटवर्क, साइबर अपराधी, डेटा ब्रोकर, स्थानीय एजेंटतकनीकी विशेषज्ञ और कई बार भ्रष्ट अधिकारी तक शामिल पाए जाते हैं। यही कारण है कि प्रश्नपत्र लीक की घटनाएं केवल किसी एक राज्य या परीक्षा तक सीमित नहीं रह गईं। यह समस्या राष्ट्रीय स्तर पर फैल चुकी है। तकनीक का उपयोग अब केवल पढ़ाई या ऑनलाइन आवेदन तक सीमित नहीं है, बल्कि ब्लूटूथ डिवाइस, माइक्रो ईयरपीस, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग, डार्क वेब चैनल और डिजिटल भुगतान नेटवर्क के जरिए संगठित धोखाधड़ी को आसान व सटीकता से अंजाम दिया जा रहा है।

साथियों, नीट-यूजी 2026 विवाद के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने 15 मई 2026 को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि दोषियों को पाताल से भी ढूंढ निकाला जाएगा और किसी भी स्तर पर अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। यह बयान केवल राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं था, बल्कि उस जनआक्रोश का प्रतिबिंब था जो पूरे देश में दिखाई दे रहा था। सरकार ने पुनः परीक्षा की तिथि 21 जून 2026 घोषित की तथा यह भी स्पष्ट किया कि वर्ष 2027 से नीट परीक्षा पूरी तरह कंप्यूटर आधारित यानी सीबीटी मोड में आयोजित की जाएगी। यह निर्णय भारतीय परीक्षा प्रणाली में एक बड़े परिवर्तन का संकेत माना जा रहा है।नीट-यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण बदलाव घोषित किए गए। छात्रों को परीक्षा केंद्र शहर बदलने की सुविधा देने का निर्णय लिया गया ताकि जिन क्षेत्रों में अनियमितताओं की आशंका रही, वहां के विद्यार्थी अपनी पसंद के शहर में परीक्षा दे सकें। एडमिट कार्ड 14 जून तक जारी करने की घोषणा की गई और दोपहर 2 बजे से शाम 5ः15 बजे तक परीक्षा समय निर्धारित किया गया, जिसमें अतिरिक्त 15 मिनट का समय भी जोड़ा गया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि दोबारा परीक्षा के लिए छात्रों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। यह निर्णय छात्रों के मानसिक और आर्थिक दबाव को कम करने के उद्देश्य से लिया गया। लेकिन वास्तविक प्रश्न केवल पुनर्परीक्षा का नहीं है। बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर बार-बार ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? क्या भारत की पारंपरिक पेन-एंड-पेपर परीक्षा प्रणाली अब अप्रासंगिक हो चुकी है? क्या परीक्षा माफिया तकनीकी रूप से प्रशासन से आगे निकल चुके हैं? और क्या केवल सीबीटी मोड में परिवर्तन से यह समस्या समाप्त हो जाएगी?

साथियों, इन प्रश्नों के उत्तर खोजने के लिए हमें भारत की परीक्षा संस्कृति और उसके सामाजिक-आर्थिक दबावों को समझना होगा। भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल अकादमिक प्रक्रिया नहीं हैं। मेडिकल और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में प्रवेश को सामाजिक प्रतिष्ठा, आर्थिक सुरक्षा और पारिवारिक सम्मान से जोड़ दिया गया है। लाखों परिवार अपनी पूरी बचत कोचिंग, हॉस्टल और अध्ययन सामग्री पर खर्च करते हैं। कई विद्यार्थी वर्षों तक ड्रॉप लेकर तैयारी करते हैं। ऐसी स्थिति में जब सफलता का दबाव अत्यधिक बढ़ जाता है, तब अवैध रास्तों का आकर्षण भी बढ़ने लगता है। यही वह जमीन है जहां परीक्षा माफिया अपना नेटवर्क तैयार करते हैं। साथियों, यहां 2003 में रिलीज हुई प्रसिद्ध फिल्म मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस का संदर्भ अत्यंत प्रासंगिक प्रतीत होता है। उस समय दर्शकों ने फिल्म को एक मनोरंजक कॉमेडी-ड्रामा के रूप में देखा था, जिसमें मेडिकल शिक्षा व्यवस्था की खामियों और फर्जी प्रवेश संस्कृति पर व्यंग्य किया गया था। लेकिन आज वास्तविक जीवन में जो घटनाएं सामने आ रही हैं,उन्होंने यह एहसास करा दिया है कि वह केवल फिल्मी कल्पना नहीं थी।卐मुन्ना भाई卐 मॉडल अब तकनीक-संचालित संगठित अपराध में बदल चुका है, जहां डमी कैंडिडेट, डिजिटल इंपर्सोनेशन, बायोमेट्रिक धोखाधड़ी और प्रश्नपत्र खरीद-फरोख्त एक समानांतर उद्योग का उच्च स्तरीय रूप ले चुके हैं। साथियों साइबर अपराध और परीक्षा प्रणाली के इस गठजोड़ ने प्रशासन के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। पहले प्रश्नपत्र प्रिंटिंग प्रेस या परिवहन के दौरान लीक होते थे, लेकिन अब डिजिटल सर्वर, एन्क्रिप्टेड डेटा ट्रांसफर और नेटवर्क सुरक्षा भी जोखिम में हैं। यदि परीक्षा डेटा का प्रबंधन पर्याप्त साइबर सुरक्षा के साथ न किया जाए, तो हैकिंग, डेटा चोरी और अंदरूनी मिलीभगत के जरिए पूरी प्रणाली प्रभावित हो सकती है। यही कारण है कि विशेषज्ञ केवल कानूनी सख्ती नहीं, बल्कि साइबर इंफ्रास्ट्रक्चर के उन्नयन पर भी सटीकता से जोर दे रहे हैं।

साथियों, भारत में सीबीटी यानी कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली को भविष्य कासमाधान माना जा रहा है। दुनिया के कई विकसित देशों में बड़े पैमाने की प्रवेश परीक्षाएं डिजिटल माध्यम से आयोजित होती हैं। इससे प्रश्नपत्र वितरण, परिवहन और प्रिंटिंग से जुड़े जोखिम कम हो जाते हैं। प्रत्येक उम्मीदवार के लिए प्रश्नों का क्रम बदलना, अलग-अलग सेट बनाना और रियल टाइम मॉनिटरिंग संभव हो जाती है। एआई आधारित निगरानी, फेस रिकग्निशन और डिजिटल लॉगिंग जैसी तकनीकें परीक्षा पारदर्शिता को मजबूत बना सकती हैं। भारत में भी बैंकिंग, प्रबंधन और सरकारी भर्ती की अनेक परीक्षाएं पहले से सीबीटी मोड में सफलता पूर्वक आयोजित हो रही हैं।हालांकि केवल सीबीटी मोड अपनाना अंतिम समाधान नहीं माना जा सकता। डिजिटल परीक्षा प्रणाली के अपने खतरे भी हैं। यदि साइबर सुरक्षा कमजोर रही, तो सर्वर हैकिंग, रिमोट एक्सेस, सॉफ्टवेयर मैनिपुलेशन और डेटा टैंपरिंग जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में इंटरनेट और कंप्यूटर सुविधाओं की असमानता भी एक बड़ी चुनौती है। भारत जैसे विशाल देश में करोड़ों छात्रों के लिए समान डिजिटल अवसंरचना उपलब्ध कराना आसान नहीं होगा। इसलिए सीबीटी प्रणाली के साथ साइबर सुरक्षा, डिजिटल साक्षरता और तकनीकी पारदर्शिता को समान प्राथमिकता देनी होगी। नीट विवाद ने एक और गंभीर प्रश्न खड़ा किया है क्या परीक्षा आधारित शिक्षा मॉडल स्वयं संकट में है? आज पूरी शिक्षा व्यवस्था अंक, रैंक और कटऑफ की होड़ में बदल चुकी है। छात्रों पर मानसिक दबाव लगातार बढ़ रहा है। कोचिंग उद्योग अरबों रुपये का व्यवसाय बन चुका है। जब सफलता को केवल परीक्षा परिणामों से मापा जाता है, तब नैतिकता कमजोर पड़ने लगती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि केवल परीक्षा सुरक्षा बढ़ाने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा, बल्कि शिक्षा व्यवस्था को अधिक बहुआयामी, कौशल आधारित और मानसिक स्वास्थ्य के अनुकूल बनाना होगा। साथियों, इस पूरे घटनाक्रम में सोशल मीडिया की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। एक्स, यूट्यूब, टेलीग्राम और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर छात्रों ने अपनी आवाज बुलंद की। लाखों पोस्ट, वीडियो और लाइव चर्चाओं ने सरकार पर दबाव बनाया। यह डिजिटल लोकतंत्र की शक्ति भी है और चुनौती भी। जहां एक ओर सोशल मीडिया पारदर्शिता और जनदबाव का माध्यम बना, वहीं दूसरी ओर अफवाहें, फर्जी दस्तावेज और भ्रामक सूचनाएं भी तेजी से फैलीं। इसलिए डिजिटल युग में सूचना प्रबंधन भी उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है जितना परीक्षा प्रबंधन।केंद्रीय जांच ब्यूरो को जांच सौंपे जाने के बाद कई गिरफ्तारियां हुई हैं और जांच एजेंसियां सक्रिय रूप से नेटवर्क की परतें खोल रही हैं। लेकिन यह केवल कुछ व्यक्तियों की गिरफ्तारी का मामला नहीं है। यह उस व्यापक समानांतर व्यवस्था को समाप्त करने की चुनौती है जो शिक्षा व्यवस्था की कमजोरियों का फायदा उठाकर फल-फूल रही है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

सनातन पर प्रहार नहीं, आत्ममंथन की आवश्यकता

-कांतिलाल मांडोत

जिस परंपरा ने विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम् सिखाया, उसे मिटाने की बातें केवल वैचारिक अहंकार हैं

तमिलनाडु की राजनीति में एक बार फिर सनातन धर्म को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। तमिलनाडु के पूर्व उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने विधानसभा में यह कहा कि 卐लोगों को बांटने वाले सनातन धर्म को खत्म किया जाना चाहिए।卐 यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने ऐसा बयान दिया हो। इससे पहले वर्ष 2023 में भी उन्होंने सनातन धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया और कोरोना जैसी बीमारियों से की थी। उस बयान पर पूरे देश में तीखी प्रतिक्रिया हुई थी और बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने भी उन्हें यह कहते हुए फटकार लगाई थी कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले व्यक्ति को अपने शब्दों के परिणामों का ध्यान रखना चाहिए।

लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सभी को प्राप्त है, लेकिन यह स्वतंत्रता किसी आस्था, संस्कृति या करोड़ों लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का अधिकार नहीं देती। किसी भी धर्म, परंपरा या संस्कृति पर टिप्पणी करने से पहले व्यक्ति को स्वयं का आत्ममंथन करना चाहिए। विशेष रूप से तब, जब वह व्यक्ति किसी संवैधानिक पद पर हो या जनता के बीच प्रभाव रखता हो। शब्द केवल शब्द नहीं होते, वे समाज में विचारों और भावनाओं की दिशा तय करते हैं। इसलिए सार्वजनिक मंचों पर दिया गया हर बयान जिम्मेदारी की मांग करता है।

सनातन धर्म केवल एक धार्मिक व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह भारत की हजारों वर्षों पुरानी सांस्कृतिक चेतना का आधार है। यह विश्व का सबसे प्राचीन जीवन दर्शन माना जाता है। जब दुनिया के अनेक हिस्सों में सभ्यता का विकास प्रारंभ भी नहीं हुआ था, तब भारत में वेद, उपनिषद, गीता और पुराण मानव जीवन के उच्चतम आदर्शों की व्याख्या कर रहे थे। सनातन ने केवल पूजा-पद्धति नहीं दी, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाई। सत्य, अहिंसा, करुणा, सेवा, प्रकृति संरक्षण, परिवार व्यवस्था और मानवता का संदेश इसी परंपरा से निकला।

भारत की पहचान केवल उसकी सीमाओं से नहीं होती, बल्कि उसकी संस्कृति से होती है, और उस संस्कृति की आत्मा सनातन परंपरा है। मंदिर, तीर्थ, पर्व, योग, आयुर्वेद, गीता, रामायण, महाभारत, गुरुकुल परंपरा, परिवार व्यवस्था और 卐अतिथि देवो भव卐 जैसे संस्कार इसी सनातन चेतना की देन हैं। आज पूरी दुनिया योग को अपना रही है, भारतीय दर्शन का अध्ययन कर रही है, अध्यात्म की ओर आकर्षित हो रही है। ऐसे समय में यदि भारत में ही कुछ लोग सनातन को समाप्त करने की बात करें, तो यह केवल राजनीतिक बयानबाजी नहीं बल्कि अपनी जड़ों से दूरी का संकेत भी माना जाएगा।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि सनातन धर्म ने कभी किसी पर जबरन अपनी मान्यताएं नहीं थोपीं। इस परंपरा ने हमेशा विचारों की स्वतंत्रता को महत्व दिया। यहां चार्वाक जैसे नास्तिक विचारक भी सम्मानित हुए और बुद्ध, महावीर जैसे महापुरुषों को भी स्थान मिला। भारत की यही विशेषता रही कि यहां मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद नहीं होने चाहिए। सनातन का मूल संदेश ही सहिष्णुता और समावेशिता है। इसलिए इसे विभाजनकारी कहना इतिहास और वास्तविकता दोनों के साथ अन्याय है।

यह सत्य है कि समाज में समय-समय पर कुछ कुरीतियां आईं। सती प्रथा, अस्पृश्यता जैसी बुराइयों का विरोध भी इसी देश के संतों, समाज सुधारकों और आध्यात्मिक नेताओं ने किया। लेकिन किसी सामाजिक विकृति को पूरे सनातन धर्म का चेहरा बताना उचित नहीं है। यदि किसी परिवार में कोई गलती हो जाए तो पूरा परिवार गलत नहीं हो जाता। उसी प्रकार कुछ सामाजिक विकृतियों के आधार पर हजारों वर्षों की संस्कृति को समाप्त करने की बात करना तर्कसंगत नहीं कहा जा सकता।

आज एक चिंताजनक प्रवृत्ति यह भी दिखाई देती है कि हिंदू देवी-देवताओं और सनातन परंपराओं पर टिप्पणी करना कुछ लोगों के लिए फैशन बन गया है। फिल्मों, राजनीति, सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर बार-बार हिंदू आस्थाओं को निशाना बनाया जाता है। जबकि अन्य धर्मों के प्रति वही लोग अत्यधिक सावधानी बरतते हैं। यह दोहरा रवैया समाज में असंतुलन पैदा करता है। यदि वास्तव में समानता और धर्मनिरपेक्षता की बात करनी है, तो सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान होना चाहिए। केवल सनातन को निशाना बनाना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

सनातन धर्म को मिटाने की बातें करने वाले शायद यह भूल जाते हैं कि यह परंपरा किसी व्यक्ति, संगठन या राजनीतिक दल पर आधारित नहीं है। यह हजारों वर्षों से चली आ रही आध्यात्मिक धारा है। अनेक आक्रमण हुए, विदेशी शक्तियां आईं, मंदिर तोड़े गए, संस्कृति को कमजोर करने के प्रयास हुए, लेकिन सनातन हर बार और अधिक शक्ति के साथ खड़ा हुआ। क्योंकि इसकी जड़ें केवल जमीन में नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था और जीवन में हैं।

भारत को देवभूमि और कर्मभूमि कहा जाता है। भगवान श्रीराम, भगवान श्रीकृष्ण, भगवान शिव, माता दुर्गा और अनेक दिव्य परंपराएं इसी भूमि से जुड़ी हैं। यह वही भूमि है जहां ऋषियों ने तप किया, जहां वेदों की रचना हुई और जहां मानवता को धर्म का मार्ग मिला। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि सनातन केवल एक धर्म नहीं, बल्कि भारत की आत्मा है। जिस राष्ट्र की आत्मा इतनी प्राचीन और गहरी हो, उसे समाप्त करने की कल्पना भी संभव नहीं है।

राजनीति में विचारों का संघर्ष स्वाभाविक है, लेकिन वोट बैंक की राजनीति के लिए धार्मिक भावनाओं को चोट पहुंचाना खतरनाक प्रवृत्ति है। नेताओं को समझना चाहिए कि वे केवल अपने समर्थकों के नहीं, पूरे समाज के प्रतिनिधि होते हैं। उनके शब्द करोड़ों लोगों को प्रभावित करते हैं। इसलिए उन्हें ऐसा कोई बयान देने से बचना चाहिए जिससे समाज में तनाव या विभाजन पैदा हो।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी धर्मों और परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना रखी जाए। किसी भी धर्म की आलोचना करने से पहले उसके इतिहास, दर्शन और योगदान को समझना चाहिए। सनातन धर्म ने विश्व को शांति, सह-अस्तित्व और मानवता का संदेश दिया है। 卐सर्वे भवन्तु सुखिनः और वसुधैव कुटुम्बकम जैसी अवधारणाएं आज भी पूरी दुनिया के लिए मार्गदर्शक हैं।

सनातन को मिटाने की बातें करने वाले आएंगे और चले जाएंगे, लेकिन सनातन की धारा अनंत काल तक बहती रहेगी। क्योंकि यह किसी सत्ता का नहीं, सत्य का मार्ग है। यह केवल पूजा का विषय नहीं, बल्कि जीवन का विज्ञान है। इसलिए किसी भी व्यक्ति को सनातन पर टिप्पणी करने से पहले उसके इतिहास, उसकी गहराई और उसके आध्यात्मिक महत्व को समझना चाहिए। यही भारत की संस्कृति है और यही इस देश की असली पहचान भी।

कब तक दोहराई जाती रहेंगी निर्भया जैसी त्रासदियां?

दिल्ली के नांगलोई में एक निजी बस के भीतर महिला के साथ हुई बस कंडक्टर एवं ड्राइवर के दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर पूरे देश की चेतना को झकझोर दिया है। यह घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि उस भयावह सामाजिक और प्रशासनिक विफलता का आईना है, जो वर्षों से हमारे सामने ख ?ी है। चौदह वर्ष पहले निर्भया कांड के बाद देश की स ?कों पर जनसैलाब उम ?ा था। लोगों ने सोचा था कि अब व्यवस्था बदलेगी, कानून सख्त होंगे, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और समाज अपनी सोच बदलेगा। लेकिन आज जब उसी प्रकार की घटनाएं पुनः पुनः सामने आती हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा होकर उठता है कि आखिर हम बदले कहां हैं? सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर बार-बार ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? इसका उत्तर केवल कानून की कमजोरी में नहीं, बल्कि समाज की उस विकृत मानसिकता में छिपा है, जहां महिला को आज भी बराबरी के सम्मान के साथ नहीं देखा जाता। आधुनिकता के चमकदार दावों के बीच भी पुरुष प्रधान सोच का अंधेरा जस का तस मौजूद है। महिलाओं को व्यक्ति नहीं, बल्कि उपभोग की वस्तु मानने वाली सोच आज भी अनेक मन-मस्तिष्कों में गहराई तक बैठी हुई है। यही कारण है कि सार्वजनिक स्थानों, कार्यस्थलों, स्कूल-कॉलेजों और यहां तक कि घरों के भीतर भी महिलाएं असुरक्षा का अनुभव करती हैं।

विडंबना यह है कि विज्ञान, तकनीक और आर्थिक विकास के इस दौर में भी समाज स्त्री के सम्मान और सुरक्षा के बुनियादी संस्कार विकसित नहीं कर पाया। बच्चों को शिक्षा तो दी जा रही है, लेकिन संवेदनाएं नहीं दी जा रहीं। घरों में बेटियों पर नियंत्रण और बेटों को छूट देने वाली मानसिकता आज भी कायम है। एक ओर लड़कियों को सावधान रहने की नसीहत दी जाती है, दूसरी ओर लड़कों को अपने व्यवहार और दृष्टि की मर्यादा सिखाने की गंभीर कोशिश बहुत कम दिखाई देती है। यही असंतुलन आगे चलकर अपराधों की जमीन तैयार करता है। प्रश्न यह भी है कि प्रशासन बार-बार ऐसी घटनाओं को रोकने में नाकाम क्यों हो रहा है? निर्भया कांड के बाद महिला सुरक्षा को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए थे। सीसीटीवी कैमरे, महिला हेल्पलाइन, फास्ट ट्रैक कोर्ट, पुलिस गश्त और सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा उपायों की लंबी घोषणाएं हुईं। लेकिन वास्तविकता यह है कि इन व्यवस्थाओं का बड़ा हिस्सा कागजों और भाषणों तक सीमित रह गया। निजी बसें आज भी बिना पर्याप्त निगरानी के चल रही हैं। कई स्थानों पर चालक और परिचालकों का समुचित सत्यापन तक नहीं होता। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन अक्सर केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है।

दुनियाभर में बालिकाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये जागरुकता एवं आन्दोलनों के बावजूद बालिकाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। हमारे देश में भी ऐसा ही हो रहा है, बालिकाओं की स्थिति, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, तलाक के बढ़ते मामले, गांवों में बालिका की अशिक्षा, कुपोषण एवं शोषण, बालिकाओं की सुरक्षा, बालिकाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर प्रभावी चर्चा एवं कठोर निर्णयों से एक सार्थक वातावरण का निर्माण किये जाने की अपेक्षा है। क्योंकि एक टीस-सी मन में उठती है कि आखिर महिलाएं एवं बालिकाओं कब तक भोग की वस्तु बनी रहेंगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा?

सच्चाई यह है कि हमारी व्यवस्था अपराध होने के बाद सक्रिय होती है, अपराध रोकने के लिये नहीं। हर बार घटना के बाद गिरफ्तारी, जांच और बयानबाजी होती है, लेकिन अपराध की जड़ों तक पहुंचने की गंभीर पहल नहीं दिखाई देती। राजनीतिक दल कुछ दिनों तक आरोप-प्रत्यारोप करते हैं, मीडिया में बहस चलती है और फिर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य मान लिया जाता है। लेकिन जिन परिवारों की बेटियां इस अमानवीयता का शिकार होती हैं, उनके जीवन में भय, पीड़ा और असुरक्षा स्थायी घाव बनकर रह जाते हैं। यह भी विचारणीय है कि आखिर महिलाएं और बालिकाएं बार-बार ऐसे अत्याचारों का शिकार क्यों बन रही हैं? इसका कारण केवल अपराधियों की क्रूरता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता भी है। सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सामूहिक जिम्मेदारी का अभाव दिखाई देता है। लोग तमाशबीन बन जाते हैं। कई बार पीड़िता को ही कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है-उसके कपड़े, समय, जीवनशैली और व्यवहार पर सवाल उठाए जाते हैं। यह मानसिकता अपराधियों का मनोबल बढ़ाती है, क्योंकि उन्हें पता होता है कि समाज पूरी तरह पीड़िता के साथ खड़ा नहीं होगा। कब तक महिलाएं अपने ही शहरों, बसों, गलियों और कार्यस्थलों पर भय के साथ जीती रहेंगी? कब तक माता-पिता अपनी बेटियों के घर लौटने तक चिंता में डूबे रहेंगे? यह प्रश्न केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि पूरे समाज की आत्मा का प्रश्न है। जिस समाज में आधी आबादी स्वयं को सुरक्षित महसूस न करे, वह समाज वास्तव में सभ्य नहीं कहलाया जा सकता।

आज आवश्यकता केवल कठोर कानूनों की नहीं, बल्कि कठोर सामाजिक आत्ममंथन की है। कानून अपराधी को दंड दे सकता है, लेकिन समाज ही मानसिकता बदल सकता है। स्कूलों और परिवारों में लैंगिक संवेदनशीलता की शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए। बेटियों को भय में जीना नहीं, बल्कि सम्मानपूर्वक जीना सिखाना होगा। फिल्मों, सोशल मीडिया और विज्ञापनों में स्त्री की वस्तुवादी छवि पर भी गंभीर विमर्श जरूरी है, क्योंकि संस्कृति और मनोरंजन भी समाज की सोच को प्रभावित करते हैं। प्रशासन को भी केवल घटनाओं के बाद की कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सार्वजनिक परिवहन में रियल-टाइम जीपीएस, सीसीटीवी, पैनिक बटन और नियमित निगरानी को पूरी कठोरता से लागू करना होगा। निजी परिवहन संचालकों और कर्मचारियों का गहन सत्यापन अनिवार्य किया जाना चाहिए। पुलिस व्यवस्था को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और सक्रिय बनाना होगा। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि समाज को यह समझना होगा कि महिला सुरक्षा कोई महिला मुद्दा नहीं, बल्कि मानवता और सभ्यता का प्रश्न है। जब तक स्त्री को समान सम्मान, स्वतंत्रता और सुरक्षा नहीं मिलेगी, तब तक विकास के सारे दावे अधूरे रहेंगे।

नांगलोई की यह घटना केवल एक समाचार नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यदि अब भी हम नहीं जागे, तो निर्भया जैसी त्रासदियां बार-बार हमारे सामने आती रहेंगी और हर बार हमारी संवेदनहीनता, हमारी प्रशासनिक विफलता और हमारी विकृत मानसिकता हमें कठघरे में खड़ा करती रहेगी। प्रश्न यही है- आखिर कब तक? तमाम जागरूकता एवं सरकारी प्रयासों के बावजूद भारत में भी बालिकाओं की स्थिति में यथोचित बदलाव नहीं आया है। धर्मगुरु, राजनेता एवं समाजसुधारक महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति कितनी कुत्सित मानसिकता का परिचय देते आए हैं, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। इनके चरित्र का दोहरापन जगजाहिर हो चुका है। कोई क्या पहने, क्या खाए, किससे प्रेम करे और किससे शादी करें, सह-शिक्षा का विरोधी नजरिया- इस तरह की पुरुषवादी सोच के तहत बालिकाओं को उनके हकों से वंचित किया जा रहा है, उन पर तरह-तरह की बंदिशें एवं पहरे लगाये जा रहे हैं। 'यत्र पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता'- जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु आज हम देखते हैं कि नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे 'भोग की वस्तु' समझकर आदमी 'अपने तरीके' से 'इस्तेमाल' कर रहा है, यह बेहद चिंताजनक बात है। आज अनेक शक्लों में नारी के वजूद को धुंधलाने की घटनाएं शक्ल बदल-बदल कर काले अध्याय रच रही हैं। देश में गैंग रेप की वारदातों में कमी भले ही आयी हो, लेकिन उन घटनाओं का रह-रह कर सामने आना त्रासद एवं दुःखद है।

-कांतिलाल मांडोत

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली कमजोर रहने से शनिवार को खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। किराना जिंसों में शकर में सुस्ती रही। अमावस्या के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। जिसके चलते बाजार में नरमी आयी। उधर किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। शकर में सुस्ती देखी गयी। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शकर 4180-4240, खोपरा गोला 390-430, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 225-250, ऊंझा हल्का 250-280, बेस्ट 270-290, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 275-350, सौंफ बारी?क 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, बादान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2500-2550, (200) 2500-2550, (250) 2750-2800

तेल- सींगदाना 1580-1600, मुम्बई 1600-1610, राजकोट तेलिया 2470-2480, सोया साल्वेंट 1410-1415, सोया रिफाइंड 1465-1475, कपास्या 1460-1465, धूलिया 1470, कड़ी 1470,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1530, मुम्बई पाम 1475, मुम्बई सोया 1490,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7500-7700, रायडा 6500-6700, सोयाबीन 7000-7200, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5800-5825, एवरेज 5600-5700, विशाल 5600-5650, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7700-7800, मूंग पुराना बोल्ड 8500-8800, मीडियम 7800-7900, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, हल्की 7000-7100, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7500-7600, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2525, लोकवन एवरेज 2550-2600, बेस्ट 2700-3000, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2000-2025, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 340 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 255000, चाँदी (99) 254500, टंच 254000, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 153200,

ओपनएआई ने चैटजीपीटी मोबाइल ऐप में कोडेक्स फीचर लांच किया

मुंबई। एजेंसी। ओपनएआई ने आईओएस और एंड्रॉयड उपयोगकर्ताओं के लिए अपने चैटजीपीटी मोबाइल एप में कोडेक्स नामक एक नया एआई कोडिंग सहायक इंटीग्रेट किया है। यह सुविधा डेवलपर्स को अब अपने स्मार्टफोन से ही कोडिंग से जुड़े कार्यों को दूर से निगरानी करने, उनका प्रबंधन करने और उन्हें मंजूरी देने में सक्षम बनाती है। यह फीचर फिलहाल प्रीव्यू मोड में है और चैटजीपीटी के फ्री और गो सहित सभी प्लान पर उपलब्ध है। इस एकीकरण से, उपयोगकर्ता अपने फोन को उन मशीनों से कनेक्ट कर सकते हैं, जो कोडेक्स चला रही हैं, जैसे लैपटॉप, मैक मिनी और रिमोट सिस्टम, जिससे वे सीधे चैटजीपीटी ऐप पर प्रोजेक्ट से जुड़े लाइव अपडेट देख पाएंगे। ओपनएआई के अनुसार, इस मोबाइल अनुभव के तहत उपयोगकर्ता बिना डेस्कटॉप सिस्टम पर लौटे आउटपुट की समीक्षा कर सकते हैं, कमांड को मंजूरी दे सकते हैं, एआई मॉडल बदल सकते हैं और नए कोडिंग टास्क शुरू कर सकते हैं।

बाजार में तूफान-पीएम मोदी की किफायत अपील और वैश्विक तनाव ने भारतीय शेयर बाजार को हिलाया

मुंबई। एजेंसी। बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद उथल-पुथल भरा रहा, जो निवेशकों के धैर्य की कड़ी परीक्षा लेता दिखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देश के लोगों से किफायत बरतने की अपील के बाद बाजार में भूचाल आ गया, जिससे शुरुआती कारोबारी दिनों में प्रमुख सूचकांकों में भारी गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली ने इस गिरावट को और गहरा कर दिया। डॉलर के मुकाबले रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया, जो देश की आर्थिक चिंताओं को बढ़ा रहा था। हालांकि, हफ्ते के मध्य से बाजार में कुछ रिकवरी देखने को मिली, लेकिन शुक्रवार को हुई आखिरी सत्र की बिकवाली ने हफ्ते भर की बढ़त को आंशिक रूप से समाप्त कर दिया, जिससे बाजार का सफर एक रोलरकोस्टर राइड जैसा महसूस हुआ। पीएम की अपील और बाजार में बड़ी

गिरावट- पीएम की अपील और बाजार में बड़ी गिरावट हफ्ते की शुरुआत ही झटके के साथ हुई। प्रधानमंत्री मोदी की देशवासियों से किफायत बरतने की अपील का सीधा असर घरेलू शेयर बाजार पर दिखा। सोमवार को शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स करीब 900 अंक तक टूट गया, वहीं निफ्टी भी 23950 के नीचे आ गया। दिनभर चली बिकवाली के कारण प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1,312.91 अंक गिरकर 76,015.28 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 360.30 अंक लुढ़ककर 23,815.85 पर आ गया। भू-राजनीतिक तनाव और रिकॉर्ड गिरावट- भू-राजनीतिक तनाव और रिकॉर्ड गिरावट सोमवार की गिरावट का सिलसिला मंगलवार को भी जारी रहा और बाजार पर दबाव और बढ़ गया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत को लेकर अनिश्चितता और विदेशी निवेशकों की लगातार चौथे कारोबारी सत्र में बिकवाली ने बाजार को और नीचे धकेल दिया। शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स 525.44 अंक और निफ्टी 164.5 अंक नीचे आ गया।

ईंधन कीमत वृद्धि का लाभ धो डालेगी रुपये की गिरावट-रिपोर्ट

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आर्थिक अनुसंधान विभाग ने अपनी इकोरैप रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में और गिरावट से तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को वाहन ईंधन की कीमतों में हाल ही में की गई बढ़ोतरी से मिलने वाला पूरा लाभ समाप्त हो सकता है। यह चिंता ऐसे समय में आई है जब शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर 95.81 पर बंद हुआ। सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की बढ़ती वैश्विक कीमतों के मद्देनजर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन-तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। इस कदम से ओएमसी को खुदरा बिक्री पर हो रहे नुकसान (अंडर-रिकवरी) में करीब 52,700 करोड़ रुपये की राहत मिल सकती है, जो वित्त वर्ष 2026-27 में अपेक्षित कुल नुकसान का लगभग 15 प्रतिशत है। हालांकि, रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि यदि रुपये में मौजूदा औसत स्तर से केवल दो रुपये की और कमजोरी आती है, तो कच्चे तेल के आयात की लागत इतनी बढ़ जाएगी कि ईंधन मूल्य वृद्धि का पूरा लाभ समाप्त हो जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, रुपया पहले ही एक महत्वपूर्ण गिरावट स्तर के करीब है, जिसके बाद और कमजोरी से लाभ खत्म हो सकता है। एसबीआई रिपोर्ट में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के हवाले से यह भी बताया गया है कि तेल विपणन कंपनियों को प्रतिदिन लगभग 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है, जो सालाना लगभग 3.6 लाख करोड़ रुपये बैठता है।

दुबई में संपत्ति मूल्य की शर्त हटी, भारतीय निवेशकों के लिए रियाशी वीजा आसान

नई दिल्ली। एजेंसी। दुबई ने दो साल का रेजीडेंसी वीजा चाहने वाले एकल निवेशकों के लिए न्यूनतम प्रॉपर्टी मूल्य (एमपीवी) की आवश्यकताओं को खत्म कर दिया है। इस फैसले से दुबई के मझोले बाजार वाले इलाकों में स्टूडियो और एक बेडरूम वाले अपार्टमेंट के लिए भारतीय निवेशकों की मांग में भारी उछाल आने की उम्मीद है, जिससे भारतीय पेशेवरों और युवा निवेशकों के लिए दुबई में घर खरीदना और रेजीडेंसी पाना अब और भी सुलभ हो जाएगा। दुबई लैंड डिपार्टमेंट (डीएलडी) ने पिछले सप्ताह निवेशक वीजा अपडेट में एकल खरीदारों के लिए 7,50,000 दिरहम की पुरानी सीमा हटा दी है, जबकि संयुक्त खरीदारों के लिए 4,00,000 दिरहम की न्यूनतम सीमा निर्धारित की गई है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, जुमेराह विलेज सर्कल (जेवीसी), इंटरनैशनल सिटी और अर्जन जैसी रिहाइशी परियोजनाओं में सबसे अधिक हलचल दिख सकती है, क्योंकि यहां प्रीमियम श्रेणी से इतर संपत्तियों में भागीदारी बढ़ेगी। प्रोएक्ट लग्जरी रियल एस्टेट के एक अ?धिकारी ने कहा कि पहले जेवीसी में 4,50,000 दिरहम का स्टूडियो खरीदने वाला व्यक्ति वीजा कार्यक्रम से बाहर था। मगर अब वही प्रॉपर्टी उन्हें दो साल की रेजीडेंसी दिलाएगी। रियल एस्टेट कंसल्टेंसी फर्म सीबीआरई के अभिनव जोशी ने कहा कि यह कदम पहली बार के अंतरराष्ट्रीय निवेशकों, मध्यम आय वर्ग के पेशेवरों और युवा भारतीय निवेशकों को अधिक व्यवहार्य भागीदार बना सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव खास तौर पर उन भारतीय प्रौद्योगिकी एवं वित्तीय पेशेवरों को प्रभावित करेगा जो फिलहाल दुबई में किराए पर रहते हैं। वे अब अपनी संपत्ति के मालिक बन सकते हैं, स्वतंत्र रेजीडेंसी वीजा प्राप्त कर सकते हैं और 6 से 9 फीसदी तक की किराया आय का लाभ उठा सकते हैं। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण दुबई का लक्जरी बाजार भू-राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिससे उच्च अंत बुकिंग में कुछ नरमी आई है। हालांकि, यह नया नियम एक अलग बाजार खंड को मजबूत करने पर केंद्रित है।

आज का राशिफल

मेष- आज किस्मत आपके अधूरे सपनों को पूरा करने के मूड में नजर आ रही है। रुके हुए काम पूरे होने से मन खुशी से भर जाएगा। पैसों से जुड़ी परेशानियां धीरे-धीरे खत्म होती दिखाई देंगी। सामाजिक क्षेत्र में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी और आपकी सोच लोगों को आकर्षित करेगी। घर की सजावट या रेनोवेशन का प्लान मन में उत्साह जगा सकता है। संतान की तरक्की देखकर दिल गर्व से भर उठेगा।

वृषभ- आज सेवा और दान-पुण्य के कामों में मन खूब लगेगा। पुराने साथी से मुलाकात बीती यादों को ताजा कर सकती है। वैवाहिक जीवन में चल रही दूरियां खत्म होकर रिश्तों में मिठास लौटेगी। रुका हुआ पैसा वापस मिलने से राहत मिलेगी। परिवार के मामलों को घर तक ही सीमित रखें, क्योंकि बाहरी लोगों की दखल परेशानी बढ़ा सकती है। आपकी मेहनत आपको सफलता की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

मिथुन- आज का दिन लाभ और खुशियों से भरा रहेगा। जीवनसाथी के साथ बिताए गए रोमांटिक पल आपके रिश्ते को और मजबूत करेंगे। सेहत में सुधार आने से मन हल्का महसूस करेगा। पुरानी गलती से मिली सीख आज आपको सही दिशा दिखाएगी। विवादों से दूरी बनाकर रखें और वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। भाई-बहनों के साथ कोई महत्वपूर्ण चर्चा भविष्य के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।

कर्क- आज तरक्की की नई राहें आपके सामने खुल सकती हैं। दोस्तों का सहयोग आपको हर मुश्किल से बाहर निकाल देगा। अविवाहित लोगों के जीवन में प्यार की नई दस्तक दिल को खुश कर सकती है। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी, लेकिन जल्दबाजी नुकसान भी दे सकती है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को बड़ा मौका मिलने के संकेत हैं। मां की सलाह आज आपके लिए बेहद खास साबित होगी।

सिंह- आज कुछ उलझनें आपका ध्यान भटका सकती हैं, लेकिन धैर्य से काम लेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। लंबे समय से रुके कामों को पूरा करने का सही समय आ गया है। भगवान की भक्ति में मन लगने से मानसिक शांति मिलेगी। जरूरतमंद की मदद करके आपको आत्मिक संतोष मिलेगा। पार्टनरशिप में कोई बड़ा कदम उठाने से पहले पूरी जांच-पड़ताल करना जरूरी होगा। पैसों के मामलों में सावधानी बनाए रखें।

कन्या- आज आय और खर्च के बीच संतुलन बनाना बेहद जरूरी रहेगा। बढ़ते खर्च आपको थोड़ा परेशान कर सकते हैं, लेकिन समझदारी से स्थिति संभल जाएगी। नौकरी बदलने की सोच रहे लोगों को नया ऑफर मिल सकता है। माता-पिता की सेवा और आशीर्वाद आपके लिए भाग्य के द्वार खोल सकते हैं। कुछ नया करने की आपकी कोशिश रंग लाएगी और आत्मविश्वास बढ़ाएगी।

तुला- आज आलस्य छोड़कर आगे बढ़ेंगे तो सफलता आपके कदम चूमेगी। जरूरत के हिसाब से खर्च करना ही समझदारी होगी, वरना बाद में आर्थिक दबाव महसूस हो सकता है। जीवनसाथी नौकरी के सिलसिले में यात्रा पर जा सकते हैं। आपकी कला और प्रतिभा लोगों को प्रभावित करेगी। किसी विरोधी के सामने अपनी निजी या जरूरी बातें शेयर करने से बचें।

वृश्चिक- आज कमाई और खुशियों दोनों में बढ़ोतरी होने के संकेत हैं। घर की सजावट या नई खरीदारी मन को उत्साहित करेगी। परिवार में चल रही गलतफहमियां बातचीत से दूर हो सकती हैं। लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा होने से राहत मिलेगी। विवादों से दूरी बनाए रखें और शांत रहना ही आपके लिए फायदेमंद रहेगा। घर में किसी शुभ कार्य की तैयारी माहौल को खुशनुमा बना सकती है।

धनु- आज सकारात्मक ऊर्जा आपके हर काम में दिखाई देगी। दोस्तों और परिवार का साथ आपको नई ताकत देगा। लंबी यात्रा की योजना बन सकती है, जो यादगार साबित होगी। बोलने से पहले शब्दों को तौलना जरूरी रहेगा, वरना रिश्तों में तनाव आ सकता है। मां की दी गई जिम्मेदारी को गंभीरता से लें। दूसरों की बातों में आकर कार्यक्षेत्र में विवाद खड़ा हो सकता है।

मकर- आज आप अपने अधूरे कामों को पूरा करने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। समाज सेवा और परोपकार के कार्यों से आपकी छवि और निखरेगी। भाई-बहनों का सहयोग आपको हर कदम पर मिलेगा। पुरानी गलती से मिली सीख आज बड़ी परेशानी से बचा सकती है।

कुंभ- आज का दिन थोड़ा संतुलन और धैर्य मांग सकता है। अचानक आए खर्च आपके बजट को बिगाड़ सकते हैं, इसलिए सोच-समझकर खर्च करें। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करना परिवार में तनाव बढ़ा सकता है। कोई बड़ा फैसला लेने से पहले पूरी तरह सोच-विचार जरूर करें। किसी अनजान व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करना नुकसानदायक हो सकता है।

मीन- आज आर्थिक मामलों में भाग्य आपका पूरा साथ देगा। बिजनेस में अच्छी कमाई होने से मन प्रसन्न रहेगा और पार्टनरशिप भी शानदार चलेगी। व्यापार को नए स्तर तक ले जाने की आपकी कोशिश सफल हो सकती है। रुका हुआ पैसा मिलने की संभावना है। दोस्तों और परिवार के साथ बिताया गया समय दिन को यादगार बना देगा। धार्मिक और मनोरंजन से जुड़े कार्यों में मन खूब लगेगा।

शब्दजाल - 8261

म	क	मु	ग	ल	दो	चो	र	म	ल	ध
ल	वि	ल	नी	ला	आ	का	श	ह	श	ड़
ल	अ	ल	म	दी	छ	स	आ	दे	ख	क
का	स	न	न	दि	बा	स	रा	ल	श	क
र	आ	दो	प	ल	ज	मे	तू	ग	इ	न
या	क	द	र	ढ़	ब	उ	शी	ण	ल्ला	क
ती	या	ल	मी	गां	प	मो	व	सु	जू	बै
क	म	ऊ	रा	द	खा	क	या	ए	श	क
क	त	मे	प	र्द	गी	जि	री	औ	प	य
क	ऑ	ल	प	लि	र	त	ऐ	ओ	प	की
क	ड	रा	जा	जा	नी	स	व्य	ब	प	न

शब्द जाल में धर्मेंद्र की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अनपढ़, नीला आकाश, मेरा गांव मेरा देश, खामोशी, यकीन, दो चोर, ललकार, राजा जानी, रजिया सुल्तान, कयामत.

शब्दजाल - 8260 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 7205

ऊपर से नीचे:-

१. नसीरुद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, नगमा की फिल्म-२
२. करणनाथ, मनीषा नताल्यसिंह की 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-२
३. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
४. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'बदली है ना बदलेगी' गीत वाली फिल्म-४
५. देवानंद, मधुबाला की फिल्म-३
६. 'बनाकेक्यूं बिगाड़ा रे' गीत वाली फिल्म-३
९. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता राव की फिल्म-३
११. 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'खाई है रे हमने' गीत वाली राजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-३
१३. फिल्म 'सपने साजन के' की नायिका-३
१४. राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्गिस की 'झूम झूम के नाचो आज' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-३
१८. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे तो गिरधर गोपाल' गीत वाली फिल्म-२
२२. मनोजकुमार, साधना की फिल्म-४
२३. 'जो उनकी तमन्ना है' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
२६. 'सुना था देखा ना था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
२७. अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२८. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. सैफअली खान, रानी मुखर्जी की 'सांसों को सांसों में ढलने दो' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'रंग भरे मौसम से रंग चुराके' गीत वाली जैकी श्रॉफ, जूही चावला की फिल्म-३
७. गोविंदा, मनीषा की 'उठे तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
८. 'संडे को रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, शाहरुख, दिव्या भारती की 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली फिल्म-३
११. फिल्म 'मनोरंजन' में शम्मीकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१४. सलमान, सोनी की 'दिल मेरा यहां' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'कब के बिछड़े हुए' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
१७. अमजद खान, बिंदिया गोस्वामी की 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'मेरे ख्वाबों की मलिका' गीत वाली शाहरुख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की फिल्म-२
१९. सुनील शेट्टी, रंभा की 'कहां गये ममता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'तुम भी चलो' गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की फिल्म-३
२५. अमिताभ, अरशद वारसी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-४
२६. 'ये दर्पणियावाले' गीत वाली देवानंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२९. धर्मेन्द्र हेमा की 'दुनिया जब' गीत वाली फिल्म-२
३०. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7204

दैनिक पंचांग

17 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	वृष में	वृष	05.11 बजे से
चंद्र	वृष में	मिथुन	07.13 बजे से
मंगल	मेष में	कर्क	09.27 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	11.43 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	13.55 बजे से
शुक्र	मिथुन में	तुला	16.05 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.20 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	20.36 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	22.41 बजे से
		कुंभ	00.28 बजे से
		मीन	02.01 बजे से
		मेष	03.31 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2026 वर्ष का 137 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ पक्ष शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 21.41 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 14.32 बजे को समाप्त।
योग शोभन 06.16 बजे तदनन्तर अतिगण्ड 02.00 बजे रात्र को समाप्त।
करण किंस्तुघ्न 11.37 बजे तदनन्तर बव 21.41 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 0.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 19° 17'
सूर्य उत्तरायण कलि अहर्गण 1872712
जूलियन दिन 2461177.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद तारीख 29
विशेष अधिक चन्द्र दर्शन, विश्व दूरसंचार दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभांक श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः लालची हकीम

जापान के टोकियो शहर में एक हकीमजी रहते थे। वे बड़े मशहूर थे। उनकी दवाएं रामबाण होती थीं। हकीमजी अपनी विशेषज्ञता के साथ लालची स्वभाव के कारण बड़े ही बदनाम थे। एक बार एक बच्चे को जिसे कोई असाध्य बीमारी थी, उसे हकीमजी के पास लाया गया। हकीमजी ने उसे बिल्कुल ठीक कर दिया। बच्चे का मां ने अपने कृतज्ञता जताने के लिए रेशम का एक बटुआ हकीमजी को भेंट में देने के लिए उनकी ओर बढ़ाया। बच्चे की मां ने कहा- हकीमजी, यह बटुआ मैंने अपने हाथों से बड़ी मेहनत और कारीगरी से बनाया है। कृपया इसे स्वीकार करें। सिर हिलाते हुए रूखाई से हकीमजी बोले- मैं कोई चीज-वीज नहीं लेता। सिर्फ रूपया लेता हूं। नकद रूपया। इस अपमान से बच्चे की मां के दिल को ठेस लगी। उसने हकामजी से पूछा- कितना पैसा देना है आपको? हकीमजी ने कहा- सिर्फ पांच न्यांग (जापानी मुद्रा का नाम)। बिना कुछ कहे बच्चे की मां ने रेशम के बटुए से पांच न्यांग निकाल कर हकीमजी को दे दिए। बटुआ और उसमें रखे दस और न्यांग लेकर वह चली गई। हकीमजी अगर रेशम का बटुआ ले लेते तो उन्हें बटुए के साथ पन्द्रह न्यांग मिलते। अब महज पांच न्यांग ही हकीमजी के हाथ लगे।

सूडोकू नवताल- 7514

★★★★★ कठिनतम

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7513 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

शब्द पहेली - 8729

बाएँ से दाएँ

1. दांपत्य संबंध विच्छेद-3
3. रहस्य का ज्ञाता-4
6. खुशबू, सुगंध-3
7. सौ, सैकड़ा, शतक-2
8. दुलारा, लाड़ला-2
10. नाम रखना-5
12. दाम, मूल्य, दर-3
15. अग्नि, आग-3
17. सम्मान देना -2,3
20. जन्नत, अप्सरा-2
22. दाम, कीमत-2
23. स्थान-3
24. अचरज भरा कार्य-4
25. गागर, घड़ा-3

ऊपर से नीचे

2. न्यूनता, कमी-5
3. अटक-अटक कर बोलने वाला-3
4. आवश्यकता-4
5. राजी करना, मान मनुहार करना-3
7. वहम, संदेह-2
9. भाग्यशाली(अंग्रजी-2)
11. मैला, दागदार-3
13. धोखेबाज, कपटी-3
14. मन मोहने वाला-5
15. अशांति फैलाने वाला, उपद्रवी-4
16. रक्त, खून-2
18. आनेवाला दिन-2
19. नृत्य करना-3
21. चांदी-3

शब्द पहेली -8728 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर - युवक की मौत, पत्नी गंभीर रूप से घायल

मोहारा तालाब के पास दर्दनाक हादसा

पद्मेश न्यूज। लांजी।

अवैध रेत परिवहन का खूनी खेल एक और परिवार को जिंदगीभर का दर्द दे गया। ग्राम मोहारा के भुआ रोड पर 15 मई शुक्रवार की देर रात लगभग 10-30 बजे हुए दर्दनाक सड़क हादसे में भानेगांव निवासी 38 वर्षीय दुर्गाप्रसाद पिता कन्हैयालाल ठाकरे की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि मृतक के सिर में जबरदस्त चोट लगने से उसका भेजा बाहर निकलकर सड़क पर बिखर गया। इस हृदयविदारक दृश्य को जिसने भी देखा उसकी रूह कांप उठी। बताया जा रहा है कि दुर्गाप्रसाद अपनी पत्नी पुस्तकला ठाकरे उम्र 34 वर्ष, पुत्र उज्जवल उम्र 12 वर्ष, पुत्री शिवानी उम्र 14 वर्ष एवं साक्षी ठाकरे के साथ भुआ से रिश्तेदारी की शादी में शामिल होकर मोटर साइकिल से वापस अपने गांव भानेगांव लौट रहा था। इसी दौरान मोहारा गांव के भुआ रोड पर कथित रूप से रेत से भरे तेज रफ्तार अज्ञात ट्रैक्टर ने उनकी मोटर साइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन सहित फरार हो गया। दुर्गाप्रसाद आंध्रप्रदेश में अपने रिश्तेदारों के साथ रहकर मिस्त्री का काम करता था। वह लगभग पंद्रह दिन पहले ही गांव आया था ताकि रिश्तेदारी की शादी में शामिल हो सके, मगर किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। एक पल में बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया और पत्नी की मांग का सिंदूर उजड़ गया।हादसे में पत्नी पुस्तकला ठाकरे का हाथ टूट गया, जिसे बेहतर इलाज के भानेगांव के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से बालाघाट रिफर किया गया है, जबकि तीनों बच्चों को मामूली चोटें आई हैं। घटना के बाद मासूम बेटे उज्जवल ने फोन पर अपने मामा अखिल को हादसे की जानकारी दी, जिसके बाद परिजन घटनास्थल पहुंचे। सूचना मिलते ही 112 डायल और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची तथा घायलों और मृतक को सिविल अस्पताल लांजी लाया गया। अस्पताल में शव को मर्चुरी में रखा गया है। देर रात पुलिस अमला भी अस्पताल पहुंचा और मामले की जानकारी जुटाई। मृतक का ससुराल नंदोरा घोटी में बताया जा रहा है। परिवार में दो भाई और एक बहन हैं, जिनमें दुर्गाप्रसाद सबसे बड़ा था। उसकी मौत के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद भानेगांव सहित आसपास के ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में रातभर अवैध रूप से रेत से भरे ट्रैक्टर बेखौफ दौड़ते हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग आंख मूंदकर बैठे हैं। लोगों का कहना है कि प्रशासन की कार्रवाई केवल चालान काटने तक सीमित है, जिसके कारण रेत माफियाओं के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। लोगों का कहना था कि क्या प्रशासन फिर केवल औपचारिक कार्यवाही कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल देगा या इन अवैध रेत परिवहन करने वालों पर ऐसी कठोर कार्रवाई होगी जिससे भविष्य में किसी और मासूम बच्चे के सिर से पिता का साया न उठे। क्षेत्र में लगातार बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं और अवैध रेत परिवहन का आतंक अब आम लोगों के लिए जानलेवा बनता जा रहा है, मगर जिम्मेदारों की खामोशी लोगों के गुस्से को और बढ़ा रही है। मृतक का पोस्टमार्टम 16 मई की सुबह 9.30 बजे चिकित्सकों के द्वारा करने के पश्चात शव परिजनों को सौंप दिया गया। जिसके बाद परिजनों द्वारा दोपहर में मृतक दुर्गाप्रसाद का नम आंखों से अंतिम बिदाई दी गई जिसमें भारी संख्या में ग्रामीण एवं रिश्तेदार मौजूद रहे।

मामले में थाना लांजी में मर्ग क्रमांक 18/2026 धारा 194 बीएनएसएस के तहत कायम कर जांच में लिया गया है। मामले की जांच सउनि टीकाराम भोयर द्वारा की जा रही है। वहीं कायमी की कार्रवाई सउनि परमानंद भगत द्वारा की गई। पुलिस अब दुर्घटना करने वाले ट्रैक्टर और उसके चालक की तलाश में जुटी हुई है।

चौंदाटोला-जूनेवानी सड़क निर्माण की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम पंचायत टेमनी के चौंदाटोला से जूनेवानी तक जाने वाली सड़क का जर्जर हाल अब ग्रामीणों के लिए आफत बन गया है। खस्ताहाल सड़क पर रोजाना स्कूली बच्चे, आम नागरिक और गर्भवती महिलाएं जान जोखिम में डालकर आवागमन कर रहे हैं। बरसात में तो स्थिति और भयावह हो जाती है। इस समस्या को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा अब चरम पर पहुंच गया है। सैकड़ों ग्रामीणों ने 16 मई को लांजी मुख्यालय पहुंचकर जिला कलेक्टर के नाम संजय बारस्कर तहसीलदार लांजी को ज्ञापन सौंपकर तत्काल सड़क निर्माण की मांग की है। ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि अगर 7 दिनों के अंदर निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो वे भव्य अनशन पर बैठेंगे और बड़ा आंदोलन करेंगे।

ग्रामीणों ने बताया कि यह मार्ग पंचायत मुख्यालय सहित आसपास के कई गांवों को जोड़ने वाला मुख्य रास्ता है। फिर भी सालों से इसकी अनदेखी हो रही है। जर्जर सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है। खासकर स्कूली बच्चों और गर्भवती महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बरसात में सड़क पर कीचड़ और गड्ढों के कारण दुर्घटना की आशंका हमेशा बनी रहती है। ज्ञापन सौंपने वालों में महेश मात्रे, गेंदलाल पंचाले, भक्तकुमार कावरे, ईश्वर नागफांसे, अमरदास कावरे, अरुण गेडाम, तिजलाल बाहें, श्यामलाल बाहें, मुरारीलाल कुम्भरे, संदीप पंद्रे, मोहन नागफांसे, जितेंद्र कावरे, दुर्गेश मात्रे, नेतलाल पांचें, खेमलाल मात्रे, गणपत मात्रे, गजेंद्र खरे, फूलचंद कावरे सहित सैकड़ों ग्रामीण शामिल रहे।

ज्ञापन सौंपने के दौरान जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे और जनपद सदस्य दिनेश लाड़े भी ग्रामीणों के साथ मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने ग्रामीणों की मांग को जायज बताते हुए शीघ्र सड़क निर्माण कराने का भरोसा दिलाया। ग्रामीणों का कहना है कि इस सड़क को लेकर पहले भी कई बार ज्ञापन दिए जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा, अब इंतजार नहीं करेंगे। सड़क बनेगी या फिर आंदोलन होगा।

भक्ति भाव के साथ मनाया गया न्याय के देवता शनिदेव का जन्मोत्सव

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के पुराना श्रीराम मंदिर के समीप स्थापित भगवान शनि मंदिर में भक्तो के द्वारा भक्ति भाव के साथ शनि देव जन्मोत्सव मनाया गया। प्रतिवर्ष ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को शनि जन्मोत्सव का पर्व मनाया जाता है। हिंदू धर्म में ज्येष्ठ मास की अमावस्या का दिन अत्यंत विशेष होता है, क्योंकि इसी दिन भगवान शनि देव का प्राकट्य हुआ था। जिसके तहत मंदिर परिसर में शनि जन्मोत्सव आयोजित किया गया। प्रातः बेला में भगवान शनिदेव का अभिषेक कर, हवन क्रिया के साथ स्तुति की गई, वही संध्या काल में महाप्रसादी का वितरण किया गया। संध्या में सुमधुर भजनो के साथ जागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त जागरण का भक्तो के द्वारा भरपूर आनंद प्राप्त किया गया। कार्यक्रम में पूजन अर्चन महंत लक्ष्मीनारायण दास वैष्णव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में भण्डारा महाप्रसादी के साथ शनि देव जन्मोत्सव कार्यक्रम संपन्न कराया गया। महंत श्री वैष्णव के ने कहा कि शनि देव नौ ग्रहो में दण्डाधिकारी माने जाते है यह न्याय के देवता है इनकी कृपा सब पर बनी रहे इन्ही आशय के साथ उक्त पूजन अर्चन कार्य संपन्न कराया गया।

कार्यक्रम को सम्पन्न कराने में रामचरण सेवा समिति एवं शनि मंदिर के अध्यक्ष महंत लक्ष्मीनारायण वैष्णव, उपाध्यक्ष सीताराम रामटेक्कर, शनिदेव सेवा समिति के सदस्यगण मुख्य रूप से उपस्थित थे।

अनुशासन और एकता से बने होनहार नागरिक

पद्मेश न्यूज। लांजी। दस दिवसीय 95वें संयुक्त वार्षिक एनसीसी प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ गोगंलई बालाघाट में 16 मई को जोर-शोर से हुआ। कैम्प कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता ने कैडेट्स

को संबोधित करते हुए कहा कि एकता और अनुशासन के सिद्धांत को अपनाकर ही वे इस प्रशिक्षण शिविर का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं। कैम्प कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता ने ओपनिंग एड्रेस में कहा, समस्त कैडेट्स एकता और अनुशासन के सिद्धांत का पालन करते हुए प्रशिक्षण लें। जीवन में अपना लक्ष्य निर्धारित कर भविष्य निर्माण के लिए अथक परिश्रम करना चाहिए। उन्होंने शिविर के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एनसीसी प्रशिक्षण शिविर कैडेट्स के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए होनहार नागरिक तैयार करता है। उन्होंने अनुशासन, कर्तव्य निष्ठा, चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों के साथ कार्य करने की प्रवृत्ति पर विशेष जोर दिया। शिविर की शुरुआत के साथ ही कैडेट्स को ड्रिल अभ्यास कराया गया। फायरिंग में जाने वाले कैडेट्स को प्रारंभिक शस्त्र जानकारी दी गई तथा नियमित एनसीसी कक्षाओं का संचालन शुरू कर दिया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा एवं पाण्डुरना जिलों के सैकड़ों कैडेट्स शामिल हुए हैं।

मुख्य एनसीसी अधिकारी ओम एम. खोण्ड, द्वितीय एनसीसी अधिकारी कल्पना थोंबरे, संदीप रामटेक्कर, सूबेदार तरसेम सिंह सहित अन्य एनसीसी अधिकारी, प्रशिक्षण टीम एवं पीआई स्टाफ पूरे शिविर में कैडेट्स के मार्गदर्शन के लिए उपस्थित रहेंगे। 10 दिनों तक चलने वाले इस शिविर में कैडेट्स को शारीरिक प्रशिक्षण, ड्रिल, फायरिंग, साहसिक गतिविधियों के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास संबंधी विभिन्न सत्रों का लाभ मिलेगा।

बिजली पोल से टकराई मोटरसाइकिल, युवक की मौत

पद्मेश न्यूज। लांजी। थाना क्षेत्र के अंतर्गत चौकी देवरबेली इलाके में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना ग्राम देवरबेली मेन रोड स्थित सुक्कल मरावी के घर के सामने की बताई जा रही है, जहां युवक की मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से जा टकराई। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक बुधारी मरावी पिता स्वर्गीय सुक्कल मरावी, उम्र 25 वर्ष, निवासी बरगुड़ सतोना चौकी देवरबेली थाना लांजी, 15 मई को बेलगांव बाजार गया हुआ था। मृतक की पत्नी मंगली बाई मरावी ने पुलिस को बताया कि वह अपने पति के साथ मोटरसाइकिल से बेलगांव बाजार गई थी। दोपहर करीब 1 बजे उसका पति उसे बाजार में छोड़कर नागपुर जाने की बात कहकर मोटरसाइकिल से निकल गया। इसके बाद मंगली बाई अपनी मां के घर

ग्राम मुरूम खोदना चली गई।

बताया गया कि 16 मई की सुबह करीब 7 बजे उसे सूचना मिली कि उसके पति का ग्राम देवरबेली में एक्सीडेंट हो गया है। सूचना मिलने पर वह अपने भाई सगन के साथ मौके पर पहुंची, जहां उसने देखा कि मोटरसाइकिल बिजली के पोल के पास क्षतिग्रस्त हालत में पड़ी हुई थी तथा उसके पति बुधारी मरावी की मौत हो चुकी थी।

पुलिस के अनुसार घटना 15 मई की रात करीब 9 बजे से 16 मई की सुबह 7 बजे के बीच की बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मोटरसाइकिल बिजली के पोल से टकरा गई, जिससे युवक को गंभीर चोटें आई और उसकी मौत हो गई।

मामले में चौकी देवरबेली में धारा 194 बीएनएसएस के तहत देहाती मर्ग दर्ज किया गया, जिसे बाद में थाना लांजी में मर्ग क्रमांक 19/2026 के रूप में कायम किया गया। मामले की जांच प्र.आर. 435 विनोद कनौजिया द्वारा की जा रही है। वहीं मर्ग कायम की कार्यवाही का.प्र. आर. 188 मुकेश ठाकरे द्वारा की गई। पुलिस ने मर्ग जांच शुरू कर घटना के वास्तविक कारणों की पड़ताल प्रारंभ कर दी है।

कटंगी में कलेक्टर ने ली खंड स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक

योजनाओं में लापरवाही पर अधिकारियों को चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने शनिवार 16 मई को कटंगी में सभी विभागों के खंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जी एस धुर्वे, श्री डी पी बर्मन भी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने एसडीएम कटंगी को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से अनुभाग स्तर पर सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक लेकर कार्यों की समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि एसडीएम केवल राजस्व विभाग तक सीमित न रहें, बल्कि सभी विभागों की योजनाओं की सतत मॉनिटरिंग करें। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान सर्व शिक्षा अभियान एवं जिला शिक्षा अधिकारी को कक्षा 1 से 8 तथा 9 से 12 तक शत-प्रतिशत विद्यार्थियों का पंजीयन शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कक्षा 6 एवं 9 के विद्यार्थियों को साइकिल तथा सभी बच्चों को पाठ्य-पुस्तकों का त्वरित वितरण कर पोर्टल पर उसकी प्रविष्टि करने को कहा गया। कमजोर शैक्षणिक स्तर वाली शालाओं में 30 मई को एफएलएन मेला आयोजित करने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने बच्चों की बेहतर शैक्षणिक गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा। पशुपालन विभाग की योजनाओं की समीक्षा में पशुओं के एफएमडी टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान एवं कामधेनु योजना में कम प्रगति पाए जाने पर संबंधित एव्हीएफओ को नोटिस जारी करने तथा कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। श्रम विभाग की संबल योजना की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कहा कि

श्रमिकों के पंजीयन, अंत्येष्टि सहायता एवं अनुग्रह राशि के प्रकरणों में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। पंचायत सचिव अथवा पटवारी के प्रमाण-पत्र के अभाव में प्रकरण लंबित न रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना में अधिक से अधिक श्रमिकों का पंजीयन कराने पर जोर दिया गया। स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास तथा कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान सभी कर्मचारियों की उपस्थिति सार्थक एप से दर्ज कराने एवं उसी आधार पर वेतन आहरण करने के निर्देश दिए गए। सेलवा, बोपली, सिंगोड़ी, अगासी एवं सांवरी की एएनएम को गर्भवती माताओं के एएनसी पंजीयन में प्रगति लाने के निर्देश दिए गए। प्रगति नहीं होने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। आशा कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया कि गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए केवल शासकीय अस्पतालों में ही भर्ती कराया जाए। निजी अस्पताल में भर्ती कराने पर संबंधित आशा कार्यकर्ता के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बैठक में एसएएम एवं एमएएम श्रेणी के बच्चों के चिन्हांकन, पंजीयन तथा पोषण ट्रैकर एप पर खाद्यान्न वितरण की एंट्री में कम प्रगति पाए जाने पर कोसुंबा एवं महकेपार की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को चेतावनी दी गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आशा कार्यकर्ता, एएनएम एवं सीएचओ संयुक्त रूप से सप्ताह में कम से कम एक बार गांव का भ्रमण अवश्य करें। राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान नक्शा तरमीम, फार्मर रजिस्ट्री एवं नामांतरण प्रकरणों में कुछ पटवारियों की प्रगति असंतोषजनक पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 15 दिनों में सुधार नहीं होने पर संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। मनरेगा कार्यों की समीक्षा में आंजनबिहरी, बड़पानी, बिसापुर एवं कलगांव में लेबर बजट का उपयोग नहीं करने तथा जॉब कार्ड धारकों को कार्य उपलब्ध नहीं कराने पर संबंधित रोजगार सहायकों को कड़ी चेतावनी दी गई। कलेक्टर ने कहा कि कार्यों में सुधार नहीं होने पर सेवा समाप्ति की कार्रवाई की जाएगी। मनरेगा के उपयंत्रियों को पूर्ण हो चुके कार्यों के सीसी शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए गए। ग्राम पंचायत सचिवों को अटल पेंशन योजना, संबल योजना, प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभ दिलाने के लिए प्रकरण तैयार करने को कहा गया। बैठक में कटंगी एवं तिरोड़ी तहसील के गांवों में पेयजल व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। उप संचालक कृषि को पराली प्रबंधन, सार्थक एप से कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज कराने तथा जे-फार्म एप पर किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कटंगी एसडीएम श्री के सी ठाकुर, सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं खंड स्तरीय अधिकारी, कटंगी एवं तिरोड़ी के

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

प्रदेश में निरंतर सशक्त हो रही स्वास्थ्य सेवाएं-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नवजात एवं मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने की उल्लेखनीय प्रगति, नवजात शिशुओं की डिस्चार्ज दर 82.3 प्रतिशत पर पहुँची, आईसीयू केयर यूनिट में बेड क्षमता 1770 हुई

भोपाल। एजेंसी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर सशक्त एवं उन्नत बनाया जा रहा है। प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के साथ ही उनकी सतत एवं सशक्त निगरानी सुनिश्चित की जा रही है, जिससे आमजन को गुणवत्तापूर्ण उपचार सुविधाएं समय पर उपलब्ध हो सकें। महिला एवं शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार द्वारा आधुनिक स्वास्थ्य अधोसंरचना, विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं एवं प्रभावी मॉनिटरिंग तंत्र को मजबूत किया जा रहा है। इन प्रयासों से प्रदेश में नवजात एवं मातृ स्वास्थ्य संकेतकों में सतत सुधार दर्ज किया जा रहा है।

नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाइयों का सशक्त संचालन

राज्य में जन्म के समय कम वजन वाले, समय पूर्व जन्मे एवं जन्म के समय गंभीर रूप से बीमार नवजात शिशुओं के बेहतर उपचार और नवजात मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाइयां (एसएनसीयू) प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं। इन इकाइयों से नवजात शिशुओं को विशेषज्ञ उपचार, आधुनिक चिकित्सा उपकरण एवं प्रशिक्षित चिकित्सकीय देखरेख उपलब्ध कराई जा रही है।

उपचार एवं डिस्चार्ज दर में उल्लेखनीय वृद्धि

वर्ष 2024-25 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2025-26 में नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाइयों के प्रदर्शन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 24-25 में जहाँ 1 लाख 29 हजार 212 नवजात शिशुओं को उपचार प्रदान किया गया था, वहीं वर्ष 25-26 में यह संख्या बढ़कर 1 लाख 34 हजार 410 तक पहुँच गई है। साथ ही नवजात शिशुओं की सफलतापूर्वक डिस्चार्ज दर भी अब तक के सर्वोत्तम स्तर 82.3 प्रतिशत पर पहुँच गई है। राज्य में संचालित 62 एसएनसीयू में इस वर्ष 1 अप्रैल से 15 मई 2026 तक कुल 15 हजार 54 नवजात शिशुओं को उपचारित किया गया, जिनमें से 12 हजार 818 नवजात शिशुओं को सफलतापूर्वक डिस्चार्ज किया गया। एसएनसीयू में 85.2 प्रतिशत डिस्चार्ज दर राष्ट्रीय औसत से अधिक दर्ज की गई है। इसके साथ ही लामा दर मात्र 2.12 प्रतिशत, रेफरल दर 4.2 प्रतिशत एवं मृत्यु दर 8.29 प्रतिशत रही, जो राष्ट्रीय औसत से कम है। यह उपलब्धि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण नवजात चिकित्सा सेवाओं एवं प्रभावी उपचार प्रबंधन को दर्शाती है।

बिस्तरों की संख्या में वृद्धि से उपचार क्षमता बढ़ी

राज्य शासन द्वारा नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाइयों में उपलब्ध बिस्तरों की संख्या में भी वृद्धि की गई है। वर्ष 24-25 में जहाँ कुल 1654 बिस्तर उपलब्ध थे, वह अब बढ़कर 1770 हो गए हैं। इससे अधिक संख्या में गंभीर रूप से बीमार नवजात शिशुओं को समय पर उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

आधुनिक उपकरणों एवं विशेषज्ञ उपचार की उपलब्धता

राज्य सरकार गंभीर रूप से बीमार नवजात शिशुओं के उपचार के लिये अत्याधुनिक एवं समर्पित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य की एसएनसीयू इकाइयों में जटिल एवं गंभीर रूप से बीमार नवजात शिशुओं के उपचार के लिये वेंटिलेटर, सी-पैप, निर्बाध ऑक्सीजन, फोटोथेरेपी सहित आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। साथ ही, फैसिलिटी बेस्ड न्यूबोर्न केयर (एफबीएनसी) में प्रशिक्षित चिकित्सकों एवं नर्सिंग ऑफिसर्स द्वारा वैज्ञानिक एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार प्रदान किया जा रहा है। इन इकाइयों में भर्ती नवजात शिशुओं को आवश्यकता अनुसार वेंटिलेटर सपोर्ट, सी-पैप, फोटोथेरेपी एवं ऑक्सीजन सपोर्ट उपलब्ध कराया जा रहा है तथा एंटीबायोटिक के तार्किक उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ ही सर्फैक्टेंट एवं कैफीन साइट्रेट जैसी आधुनिक औषधियों के उपयोग से समय पूर्व जन्मे गंभीर नवजात शिशुओं का उपचार कर जीवन संरक्षित किया जा रहा है। इन इकाइयों में भर्ती लगभग 8 प्रतिशत नवजात शिशुओं को वेंटिलेटर सपोर्ट, 37 प्रतिशत को फोटोथेरेपी, 49 प्रतिशत नवजात शिशुओं को तार्किक ऑक्सीजन तथा 47 प्रतिशत नवजात शिशुओं को तार्किक एंटीबायोटिक उपचार प्रदान किया गया।

एनबीएसयू के माध्यम से उप जिला स्तर पर सशक्त नवजात उपचार सेवाएं

राज्य में संचालित 200 एनबीएसयू (न्यूबॉर्न स्टेबिलाइजेशन यूनिट) के माध्यम से भी नवजात शिशुओं को प्रभावी उपचार एवं स्थिरीकरण सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस वर्ष 1 अप्रैल से 15 मई 2026 तक 2 हजार 241 नवजात शिशुओं को उपचार कर सफलतापूर्वक डिस्चार्ज किया गया है। एनबीएसयू इकाइयों के माध्यम से उच्च जोखिम वाले नवजात शिशुओं को स्थिरीकरण सेवाओं के साथ-साथ ऑक्सीजन सपोर्ट एवं फोटोथेरेपी जैसी आवश्यक उपचार सुविधाएं उप जिला स्तर पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे गंभीर स्थिति वाले नवजात शिशुओं को प्रारंभिक स्तर पर ही समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल रहा है, जिससे उनकी जीवन रक्षा एवं बेहतर स्वास्थ्य परिणाम सुनिश्चित हो रहे हैं।

एमएनसीयू-जीरो सेपरेशन अवधारणा की अभिनव पहल

माँ एवं नवजात शिशु को एक साथ गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारत सरकार के नवीन दिशा-निर्देशों के अनुरूप राज्य में एमएनसीयू (मदर एंड न्यू बोर्न केयर यूनिट) की अवधारणा को भी विस्तार दिया जा रहा है। यह व्यवस्था फ्रजीरो सेपरेशनफ्र सिद्धांत पर आधारित है, जिसमें माँ और नवजात शिशु को अलग नहीं किया जाता। इससे स्तनपान, कंगारू मदर केयर तथा नवजात की समुचित देखभाल को बढ़ावा मिलता है। यह पहल विशेष रूप से कम वजन एवं समय पूर्व जन्मे शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य परिणाम सुनिश्चित करने में अत्यंत सहायक सिद्ध हो रही है।

प्रदेश में 23 एमएनसीयू संचालित

प्रदेश में वर्तमान में 23 एमएनसीयू प्रारंभ किए जा चुके हैं, जिनके माध्यम से माताओं एवं नवजात शिशुओं को संवेदनशील, सुरक्षित एवं समग्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित हो तथा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में प्रभावी कमी लाई जा सके।

मातृ दुग्ध इकाई (सीएलएमसी) से नवजात शिशुओं को जीवनदायी पोषण

प्रदेश सरकार नवजात शिशु को समय पर सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पोषण उपलब्ध कराने के लिए सतत प्रयास कर रही है। कम वजन एवं बीमार नवजात शिशुओं को बेहतर पोषण एवं सुरक्षित उपचार उपलब्ध कराने के लिए मातृ दुग्ध इकाई से नवजातों को जीवनदायी पोषण दिया जा रहा है। वर्ष 2025-26 में इंदौर एवं भोपाल स्थित 2 क्रियाशील सीएलएमसी (कॉम्प्रिहेंसिव लैक्टेशन मैनेजमेंट सेंटर) इकाइयों के माध्यम से 1,031 स्वैच्छिक माताओं द्वारा 241.6 लीटर मातृ दुग्ध दान किया गया। दान किए गए इस मातृ दुग्ध को वैज्ञानिक प्रक्रिया के तहत सुरक्षित रूप से पाश्चुरीकृत कर 1,159 कमज़ोर एवं बीमार भर्ती नवजात शिशुओं को कुल 282.11 लीटर सुरक्षित दाता मातृ दुग्ध (डोनर ह्यूमन मिल्क) उपलब्ध कराया गया। यह पहल उन नवजात शिशुओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है, जिन्हें जन्म के तुरंत बाद पर्याप्त मातृ दुग्ध उपलब्ध नहीं हो पाता। कॉम्प्रिहेंसिव लैक्टेशन मैनेजमेंट सेंटर की यह व्यवस्था नवजात शिशुओं को संक्रमण से सुरक्षा, बेहतर पोषण एवं स्वस्थ विकास सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

नवजात स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने डिजिटल नवाचार ई-शिशु परियोजना से अब तक 9 हज़ार 889 शिशु लाभान्वित

प्रदेश में नवजात स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के लिये डिजिटल नवाचार के रूप में ई-शिशु परियोजना भी प्रभावी रूप से संचालित की जा रही है। दिसंबर 2025 से अब तक इस परियोजना के माध्यम से कुल 9,889 नवजात शिशु लाभान्वित हुए हैं। इंदौर एवं उज्जैन संभाग की 16 एसएनसीयू स्पोक इकाइयों में इस परियोजना के सकारात्मक परिणाम स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुए हैं, जहां औसत रेफरल दर 5 प्रतिशत से घटकर 4 प्रतिशत तथा मृत्यु दर 8 प्रतिशत से घटकर 6 प्रतिशत तक पहुंच गई है। यह परियोजना नवजात गहन चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार, विशेषज्ञ मार्गदर्शन एवं समय पर उपचार सुनिश्चित करने में प्रभावी सिद्ध हो रही है।

आरजीपीवी से राजीव गांधी का नाम हटाना दुर्भावनापूर्ण

भाजपा महापुरुषों को संकीर्ण चश्मे से देखती है -अजय सिंह

भोपाल। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का विभाजन करने और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी का नाम हटाने के राज्य सरकार के प्रस्ताव पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने इसे पूरी तरह राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित कदम बताया है। अजय सिंह ने कहा कि विभाजन का असली मकसद विश्वविद्यालय की बेहतरी के लिए नहीं, बल्कि केवल पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का नाम मिटाने का है। इसीलिए भाजपा सरकार राजीव गांधी विश्वविद्यालय को तीन हिस्सों में बांटने का प्रपंच रच रही है। श्री सिंह ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी ने अपने कार्यकाल में देश की तरक्की के लिए कंप्यूटर युग की शुरुआत की थी। उन्होंने डिजिटल इंडिया की मजबूत नींव रखी, जो देश के विकास में एक अविस्मरणीय योगदान है। इसी ऐतिहासिक तकनीकी योगदान के कारण ही विश्वविद्यालय का नाम उनके नाम पर रखा गया था। किसी भी महापुरुष को केवल उनके देशहित में किए गए कार्यों और योगदान के लिए जाना जाता है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है कि भाजपा सरकार हर राष्ट्रीय नायक को अपनी पार्टी के संकीर्ण चश्मे से देखती है। अजय सिंह ने कहा कि इतिहास और महापुरुषों के योगदान को इस तरह की राजनीतिक दुर्भावना से मिटाना जनभावनाओं का अनादर है। सरकार की इस विभाजनकारी नीति को जनता अच्छी तरह समझ रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जनता और कांग्रेस पार्टी द्वारा हर स्तर इसका विरोध किया जाएगा।

देश की अनोखी नीमच हर्बल मंडी

फूल, कांटे, पत्ती, छिलके, बीज, छाल, जड़ सब के मिलते अच्छे दाम

किसानों के लिए है वरदान, औषधीय फसलों के उत्पादन में देश में आगे मप्र

भोपाल। मध्यप्रदेश के नीमच जिले की हर्बल मंडी प्रदेश के औषधीय फसलों के उत्पादक किसानों के लिए वरदान साबित हुई है। यह देश की एकमात्र मंडी है जहां कांटे, फूल, पत्ती, छिलके, बीज, छाल, जड़ सब बिकते हैं। किसानों को विभिन्न औषधीय फसलों के 500 रूपये से लेकर 2 लाख रूपये प्रति क्विंटल तक भाव मिल जाते हैं। नीमच मंडी की प्रसिद्धि देखते हुए गुजरात, कर्नाटक, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के किसान अपनी फसलें लेकर यहां आ रहे हैं। अप्रैल माह तक मंडी की भरपूर आवक बनी रहती है जो मई के आखरी सप्ताह तक कम होने लगती है। किसानों को निराश नहीं होना पड़ता। हर प्रकार की जड़ी-बूटी बिक जाती है। मुख्यमंडी प्रांगण में 16 शेड हैं। यह एकमात्र मंडी है जहां 40-50 प्रकार के औषधीय पौधों की खरीदी बोली लगाकर होती है। मसाला फसलों की खरीदी करने वाली देश की एक मात्र सबसे बड़ी मंडी है। नीलेश पाटीदार नीमच के बड़े काश्तकार हैं। उनकी 45 एकड जमीन है। परिवार में 12 सदस्य हैं। वे पिछले दो-तीन सालों से मसाला फसलों की खेती कर रहे हैं। वे बताते हैं कि इसबगोल, इरानी अकरकारा, चिरायता, आजवाइन, किनोवा, चियासीड, तुलसी बीज जैसी फसलों के बहुत अच्छे दाम मिल जाते हैं। लहसून के भी अच्छे दाम मिलते हैं। नीलेश को इस बात की प्रसन्नता है कि मुख्यमंत्री डा मोहन यादव औषधीय फसलों के उत्पादन के लिये प्रोत्साहित कर रहे हैं। वे कहते हैं कि सरकार जड़ी-बूटी की खेती के तौर-तरीकों के संबंध में अच्छी ट्रेनिंग दिलवायेगी तो अच्छे परिणाम मिलेंगे। फिलहाल सरकार की ओर से हर जरूरी सहूलियतें मिल रही हैं। मदद सरकार की और मेहनत हमारी। जड़ी-बूटी उगाने वाले किसानों के लिये नीमच मंडी एक बड़ा सहारा है। प्रहलाद सिंह रतलाम जिले के आजमपुर डोडिया गांव में रहते हैं। उन्हें अश्वगंधा और अकरकारा बीज बेचने के अच्छे दाम मिले हैं। मंडी में समय पर बोली लग जाती है और आसानी से फसल बिक जाती है। किसानों को जरा सी भी परेशानी नहीं होती। मंडी के सब लोगों का व्यवहार बहुत अच्छा है। सरकार ने हमारे जैसे छोटे और मझौले किसानों के लिए मंडी में अच्छी व्यवस्थाएं करा दी हैं। पंचम सिंह भी इसी गांव के किसान है और आजवाइन, अश्वगंधा लेकर आते हैं। उन्हें तत्काल भुगतान हो जाता है। मंडी की व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हो गई हैं। वे बताते हैं कि अब मंडी की प्रसिद्धि दूर-दूर तक फैल गई है। गुजरात, कर्नाटक, राजस्थान, महाराष्ट्र , उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के किसान लंबी दूर तय कर यहां माल लाते हैं। अच्छी तुलाई और अच्छे दाम और तत्काल भुगतान के कारण सब यहां आना पसंद करते हैं। इसबगोल, अश्वगंधा, कलौंजी, सतावारी, सफेद मूसली, केसर, सर्पगंधा, अकलकारा जड, जैसी फसलों के दाम ज्यादा है और मांग भी हमेशा बनी रहती है। मंडी की विशेषताओं की चर्चा करते हुए मंडी सचिव उमेश बसेडिया शर्मा बताते हैं कि समय पर नीलामी, गुणवत्तापूर्ण तुलाई और भुगतान की व्यवस्था किसानों के लिए वरदान साबित हुई है। किसानों के हित में निरंतर सुविधाएं बढाई जा रही हैं। वित्तीय प्रबंधन निरंतर सुधरा है। वर्ष 2024-25 में 64.16 लाख क्विंटल आवक हुई थी और 2025-26 में 72.40 क्विंटल आवक हुई थी। वे बताते हैं कि मंडी ने किसानों के हित की सभी व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरूस्त कर दिया है। राष्ट्रीय पादप बोर्ड ने साढे पांच करोड़ रूपये का अनुदान भी मंडी की अधोसंरचनात्मक गतिविधियों के लिये उपलब्ध कराया है। इलेक्ट्रानिक नाप-तौल और सीधे व्यापारियों के गोडाउन में पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। यह मंडी प्रांगण 10.9 हेक्टेयर में फैला है। करीब 1100 लाइसेंसधारी व्यापारी इससे जुडे हैं और 150 से ज्यादा तुलावटी उपलब्ध रहते हैं।

औषधीय फसलों के उत्पादन में देश में आगे मप्र

मध्यप्रदेश औषधीय फसलों के उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है। प्रदेश में 46 हजार 837 हैक्टेयर क्षेत्र में औषधीय फसलों ईसबगोल, सफेद मूसली, कोलियस व अन्य फसलों की खेती की जा रही है। वर्ष 2024-25 में प्रदेश में लगभग सवा लाख मीट्रिक टन औषधीय फसलों का उत्पादन हुआ है। देश और विदेश में औषधीय फसलों की ब ?ती मांग के कारण किसान इन फसलों की ओर आकर्षित हुए हैं। देश में औषधीय फसलों का 44 प्रतिशत हिस्सा मध्यप्रदेश में उत्पादित होता है। मुख्यमंत्री डा मोहन यादव के निर्देश पर औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देने के साथ किसानों को अनुदान और अन्य सहूलियतें दी जा रही है। औषधीय पौधों की खेती से किसानों की आय बढ़ाने और रोजगार के अवसर पैदा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य सरकार किसानों को औषधीय पौधों की खेती के लिए 20 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक का अनुदान देती है। औषधीय पौधों की खेती और संग्रह से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। प्रदेश में प्रमुख रूप से अश्वगंधा, सफेद मूसली, गिलोय, तुलसी और कोलियस जैसी कई औषधीय फसलों का उत्पादन होता है।

कानून, विधान और सुप्रीम कोर्ट के विपरीत है फैसला

भोजशाला निर्णय पर माकपा का बयान

भोपाल। उपासना स्थल अधिनियम 1991 ?ब संसद में पारित किया गया था, तो उसमें यह स्पष्ट किया गया था कि किसी भी उपासना स्थल का स्वरुप जो 15 अगस्त 1947 को था, उसे बरकरार रखा जाएगा. अयोध्या विवाद पर आए सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय में भी यही बात दोहराई गई थी। भोजशाला विवाद को लेकर कल मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ के निर्णय से साफ है कि उसने इन दोनों ही महत्वपूर्ण निर्देशों की अनदेखी की गई है। यह निर्णय एकता और अखंडता तथा सदभावना पर विपरीत असर डालेगा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की मध्यप्रदेश राज्य समिति मानती है कि यह निर्णय ऐसे समय में आया है, जब देश आर्थिक संकट और जनता महंगाई की मार से जूझ रही है ह्य हमें इन बुनियादी मुद्दों पर एकजुट संघर्ष तेज करने होंगे। इस निर्णय से असंतुष्ट पक्षों को सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने का अधिकार है। आशा है, सर्वोच्च न्यायालय इस सम्बन्ध में तर्क संगत निर्णय देगा। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय तक मुस्लिम समुदाय को नमाज से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। स्वयं सरकार को भी इसके खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में अपील करनी चाहिए। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी प्रदेश की जनता से शांति और सदभाव बनाए रखने की अपील करती है। किसी प्रायोजित उकसावे में आने से बचने का आग्रह करती है। सीपीएम मुख्यमंत्री के बयान को निंदनीय मानती है और उन्हें याद दिलाना चाहती है कि वे प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं और उनकी जिम्मेदारी विधिसम्मत शासन चलाने की है सांप्रदायिक उछल कूद की नहीं।

मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था को मज़ाक बना दिया है-जीतू पटवारी

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर प्रशासनिक अराजकता, शिक्षकों के साथ अन्याय और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में प्रशासनिक ढांचा पूरी तरह चरमरा गया है। सरकार को यह तक नहीं पता कि लाखों कर्मचारी किस विभाग के अंतर्गत आते हैं और उनकी पेंशन की जिम्मेदारी किसकी है। पटवारी ने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लगभग 3 लाख शिक्षकों को अपना कर्मचारी मानने से इंकार किया जाना बेहद गंभीर और अमानवीय मामला है। इस निर्णय के कारण लाखों शिक्षकों की पुरानी पेंशन, सेवा सुरक्षा और लगभग 20 वर्षों की वरिष्ठता पर प्रश्नचिन्ह लग गया है। यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि शिक्षकों के सम्मान और अधिकारों पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में प्रशासनिक व्यवस्था एक क्रूर मज़ाक बन चुकी है। जो शिक्षक वर्षों से प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था संभाल रहे हैं, आज वही अपने भविष्य और अधिकारों को लेकर असुरक्षित हैं। सरकार को तत्काल स्पष्ट करना चाहिए कि इन शिक्षकों की सेवा पुस्तिका, पेंशन और वरिष्ठता की जिम्मेदारी कौन लेगा। पटवारी ने कहा कि एक ओर प्रदेश के लाखों युवा रोजगार की मांग कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकार लगातार नौकरियां समाप्त कर रही है। मध्य प्रदेश रोजगार पोर्टल पर 25 लाख से अधिक युवक-युवतियों ने पंजीकरण कराया है, जो इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश में बेरोजगारी भयावह स्तर पर पहुंच चुकी है। पटवारी ने आरोप लगाया कि बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने के बजाय सरकार ने प्रदेश में 1.2 लाख से अधिक पद समाप्त कर दिए। सरकार यह कहकर अपनी जिम्मेदारी से बच रही है कि उसके पास वेतन देने के लिए बजट नहीं है। यदि सरकार के पास कर्मचारियों और युवाओं के लिए बजट नहीं है, तो फिर हजारों करोड़ रुपये के कर्ज लेकर इवेंटबाज़ी और प्रचार पर खर्च कैसे किया जा रहा है?

नामदेव समाज प्रांतीय निर्वाचन हेतु प्रत्याशियों के नाम तय, आज होगा मतदान

भोपाल। मध्य प्रदेश नामदेव समाज विकास परिषद के प्रांतीय निर्वाचन 2026-29 के अंतर्गत निर्वाचन समिति द्वारा नामांकन प्रपत्रों की स्क्रूटनी की गई। मुख्य चुनाव अधिकारी अजय कुमार नामदेव ने जानकारी देते हुए बताया कि अध्यक्ष पद हेतु दो प्रत्याशी, अरुण नामदेव गुना, राजेंद्र कुमार नामदेव गाडरवारा महामंत्री पद हेतु दो प्रत्याशी नवीन नामदेव भोपाल, सुभाष चंद्र वर्मा इंदौर तथा कोषाध्यक्ष पद हेतु भी दो प्रत्याशी भीकम सिंह नामदेव भोपाल, ओ.पी. नामदेव भोपाल चुनाव मैदान में हैं। उन्होंने बताया कि परिषद के आजीवन एवं संरक्षक सदस्य दिनांक 17 मई 2026, रविवार को नामदेव समाज सामुदायिक भवन, जवाहर चौक, भोपाल में आयोजित आमसभा में तीनों प्रांतीय पदाधिकारियों के चयन हेतु सहभागिता करेंगे। सर्वसम्मति बनने का प्रयास किया जाएगा, अन्यथा दोपहर 1:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक मतदान प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी।

पीएचई को दो विभागों में मर्ज करने की तैयारी

सीएम ने सरकार के ढाई साल पूरे होने पर समीक्षा में की थी चर्चा

भोपाल। मध्य प्रदेश के लोक स्वास्थ्य और यांत्रिकी विभाग को राज्य सरकार पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग में मर्ज कर सकती है। इसको लेकर सीएम मोहन यादव और मुख्य सचिव की मौजूदगी में हाई लेवल बैठक में फैसला हो सकता है। इसके साथ ही राज्य सरकार महानगरीय क्षेत्र में काम करने वाले पीएचई विभाग के कर्मचारियों अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति पर नगरीय विकास विभाग को सौंपने की तैयारी भी कर रही है। सीएम द्वारा सरकार के ढाई साल पूरे होने पर की जाने वाली समीक्षा में यह विषय चर्चा में रखा। पीएचई विभाग के धीरे-धीरे घटते कामों को देखते हुए अब राज्य सरकार इसे दूसरे विभाग में मर्ज करने की तैयारी कर रही है। इस विभाग के पास शहरी इलाकों में अब कोई काम नहीं है जबकि पहले पेयजल सप्लाई पीएचई विभाग के पास थी। इसके बाद अब गांवों की नल जल योजनाओं और पेयजल योजनाओं का काम पीएचई विभाग के पास है। अभी गांवों के हैंडपंप संधारण की जिम्मेदारी पीएचई विभाग की है। पीएचई विभाग के एक सीनियर अफसर ने प्रशासनिक स्तर पर चल रही चर्चा की पुष्टि की है। अधिकारी के मुताबिक जल्दी ही सब साफ हो जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक अभी जो स्ट्रक्चर पीएचई विभाग का है उसमें एक पद मुख्य अभियंता का है। अधीक्षण यंत्री के पांच पद हैं, 35 एग्जीक्यूटिव इंजीनियर हैं और 175 सहायक यंत्री और 700 उपयंत्री हैं। इसके अलावा संविदा पर करीब एक हजार कर्मचारी हैं। दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी करीब 4000 हैं और कार्य भारित कर्मचारी करीब 4000 हैं। इसके अलावा बाबू चपरासी की संख्या भी 2000 के आसपास है। इस तरह करीब 12 हजार कर्मचारी हैं। इस बीच जल निगम ने मध्य प्रदेश की ग्रामीण इलाकों में संचालित नल जल योजनाओं को ग्राम पंचायत को सौंपने के आदेश जारी किए हैं। जल निगम के एमडी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग समीक्षा बैठक में पीएचई विभाग के मैदानी अफसरों को इसकी जानकारी दी और कहा कि इसके आदेश भी जारी किए जा रहे हैं। इसके बाद अब पंचायतों में नल जल योजना की जिम्मेदारी ग्रामीण विकास विभाग की होगी। दूसरी ओर यह तय हो गया है कि प्रदेश के महानगरों में पानी और सीवरेज के प्रबंधन लिए पीएचई का अमला शहरी निकायों को दिया जाना है। मुख्यमंत्री सचिवालय द्वारा इसे समीक्षा बैठक के प्रस्तावित एजेंडे में भी शामिल किया है। सीएम द्वारा ली जाने वाली समीक्षा बैठक में पीएचई से थोकबंद अमले की प्रतिनियुक्ति के लिए शहरी निकायों के लिए प्रस्ताव एवं नीति बनाने की कार्यवाही की जाएगी।

दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच हाई-वोल्टेज मुकाबला, प्लेऑफ पर निगाहें

नई दिल्ली। एजेंसी।

दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच आईपीएल 2026 का 62वां मुकाबला क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक हाई-वोल्टेज टक्कर साबित होने जा रहा है। यह रोमांचक मैच अरुण जेटली स्टेडियम, दिल्ली में खेला जाएगा, जिसकी शुरुआत रविवार रात 7:30 बजे स्थानीय समय के अनुसार होगी। प्लेऑफ की दौड़ जैसे-जैसे निर्णायक मोड़ पर पहुंच रही है, वैसे-वैसे यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम हो गया है।

दिल्ली कैपिटल्स का यह सीजन अब तक मिला-जुला रहा है। टीम ने कुछ मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन कर अपनी क्षमता का परिचय दिया है, लेकिन लगातार उतार-चढ़ाव और अहम मौकों पर मिली हारों ने उनकी स्थिति को कमजोर किया है। घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा टीम को जरूर मिलेगा, लेकिन साथ ही दर्शकों की उम्मीदों और प्लेऑफ की बढ़ती दबाव भी खिलाड़ियों पर भारी पड़ सकता है। कप्तान और मध्यक्रम के बल्लेबाजों की भूमिका इस मैच में निर्णायक रहने वाली है, जिन्हें बड़ी साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाना होगा।

वहीं दूसरी ओर राजस्थान रॉयल्स ने इस सीजन अपने संतुलित प्रदर्शन से काफी प्रभावित किया है। टीम का शीर्ष क्रम लगातार रन बना रहा है, जिससे उन्हें मजबूत शुरुआत मिल रही है। इसके अलावा गेंदबाजी इकाई ने खासकर डेथ ओवर्स में शानदार नियंत्रण दिखाते हुए कई करीबी मुकाबलों को अपने पक्ष में किया है। राजस्थान रॉयल्स इस मैच को जीतकर प्लेऑफ की दौड़ में अपनी स्थिति को और मजबूत करने के इरादे से मैदान पर उतरेंगी।

दोनों टीमों के बीच मुकाबलों का इतिहास हमेशा से ही बेहद रोमांचक रहा है। आईपीएल के पिछले सीजनों में दिल्ली और राजस्थान के बीच कई ऐसे मैच देखने को मिले हैं, जिनका फैसला अंतिम ओवरों में हुआ है। यही वजह है कि इस बार भी क्रिकेट फैंस एक कांटे की टक्कर और संभवतः हाई-स्कोरिंग मैच की उम्मीद कर रहे हैं। दोनों टीमों की वर्तमान फॉर्म को देखते हुए किसी भी टीम को स्पष्ट रूप से कमजोर नहीं माना जा सकता।

अंक तालिका की स्थिति को देखते हुए यह मुकाबला प्लेऑफ की तस्वीर पर भी बड़ा असर डाल सकता है। जीतने वाली टीम न केवल महत्वपूर्ण अंक हासिल करेगी बल्कि आत्मविश्वास के साथ आगे के मैचों में प्रवेश करेगी। वहीं हारने वाली टीम के लिए आगे की राह और कठिन हो सकती है। यह मुकाबला कल रात 7:30 बजे से अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। क्रिकेट प्रेमियों की नजरें इस रोमांचक भिड़ंत पर टिकी रहेंगी, जहां हर गेंद मैच का रुख बदलने की क्षमता रखती है।

बुमराह की कप्तानी में मुंबई इंडियंस की बदली तस्वीर- कृष्णमाचारी श्रीकांत

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी मुंबई इंडियंस को लेकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने बड़ा बयान दिया है। श्रीकांत का कहना है कि जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में टीम का माहौल और प्रदर्शन दोनों बदले हुए नजर आए और खिलाड़ी ज्यादा एकजुट दिखाई दिए। इस सीजन मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। टीम की कप्तानी कभी हार्दिक पांड्या तो कभी सूर्यकुमार यादव के हाथों में रही, लेकिन लगातार अस्थिरता के कारण टीम लय नहीं पकड़ सकी। हालांकि पंजाब किंग्स के खिलाफ जब टीम की कमान जसप्रीत बुमराह ने संभाली, तो टीम का रवैया पूरी तरह अलग नजर आया। 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि बुमराह को कप्तानी देना एक सही फैसला साबित हुआ। उनके अनुसार मैच के दौरान खिलाड़ियों का मूड हल्का था और टीम में नई ऊर्जा दिखी। उन्होंने कहा कि भले ही सूर्यकुमार यादव उस मुकाबले में निजी कारणों से नहीं खेले, लेकिन मैदान पर उतरी टीम पहले से ज्यादा संतुलित और आत्मविश्वासी नजर आई। श्रीकांत ने युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन की भी तारीफ की। उन्होंने दीपक चाहर, राज अंगद बावा, तिलक वर्मा और रयान रिकेल्टन के योगदान को अहम बताया। खासतौर पर रयान रिकेल्टन की आक्रामक शुरुआत और तिलक वर्मा की जिम्मेदार बल्लेबाजी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उन्होंने यह भी कहा कि बुमराह कप्तानी करते समय बेहद शांत और मुस्कुराते हुए नजर आए, जिसका सकारात्मक असर गेंदबाजों पर पड़ा। उनके अनुसार बुमराह ने गेंदबाजों को आत्मविश्वास दिया, जिससे दीपक चाहर और शार्दुल ठाकुर जैसे गेंदबाज ज्यादा अनुशासित नजर आए और रन लुटाने से बचे।

ऋषभ पंत पर लगा जुर्माना, बीसीसीआई का बड़ा एक्शन

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स भले ही आईपीएल 2026 की प्लेऑफ दौड़ से बाहर हो चुकी हो, लेकिन टीम अब दूसरी टीमों के समीकरण बिगाड़ने में जुटी हुई है। ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ ने अपने ताजा मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को 7 विकेट से हराकर उसके प्लेऑफ अभियान को बड़ा झटका दिया। इस शानदार जीत से लखनऊ खेमे में खुशी का माहौल था, लेकिन कप्तान ऋषभ पंत की यह खुशी ज्यादा देर कायम नहीं रह सकी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई ने उन पर आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के कारण जुर्माना लगा दिया। आईपीएल की ओर से जारी आधिकारिक बयान में बताया गया कि चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले के दौरान लखनऊ सुपर जायंट्स निर्धारित समय के भीतर अपने ओवर पूरे नहीं कर सकी थी। टीम की धीमी ओवर गति को आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत नियमों का उल्लंघन माना गया। चूंकि यह इस सीजन में लखनऊ की पहली ऐसी गलती थी, इसलिए कप्तान ऋषभ पंत पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

मुकाबले की बात करें तो लखनऊ सुपर जायंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को पूरी तरह एकतरफा अंदाज में हराया। चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 187 रन बनाए थे। जवाब में लखनऊ ने 16.4 ओवर में ही 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस हार से चेन्नई के नेट रनरेट को भी भारी नुकसान पहुंचा और टीम अंक तालिका में पांचवें स्थान से खिसककर छठे नंबर पर पहुंच गई। लखनऊ की जीत के सबसे बड़े नायक मिचेल मार्श रहे, जिन्होंने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 38 गेंदों पर 90 रन बनाए। उनकी पारी में 9 चौके और 7 छक्के शामिल रहे। मार्श ने जोश इंग्लिस के साथ पहले विकेट के लिए 135 रन की शानदार साझेदारी कर मैच का रुख शुरुआत में ही तय कर दिया। जोश इंग्लिस ने भी 35 रन का योगदान दिया।

पंजाब किंग्स और आरसीबी के बीच प्लेऑफ की जंग, रोमांचक मुकाबले की उम्मीद

धर्मशाला। आईपीएल 2026 का 61वां मुकाबला रविवार को धर्मशाला स्थित हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आमने-सामने होंगी। प्लेऑफ की दौड़ के लिहाज से यह मैच दोनों टीमों के लिए बेहद अहम माना जा रहा है और जीत हार का सीधा असर अंक तालिका पर पड़ सकता है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स ने इस सीजन की शुरुआत बेहद शानदार तरीके से की थी और शुरुआती सात में से छह मुकाबले जीतकर टीम ने खुद को मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित किया था। हालांकि इसके बाद टीम का प्रदर्शन अचानक लड़खड़ा गया और पंजाब किंग्स को लगातार पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा। मौजूदा समय में पंजाब किंग्स 12 मैचों में 13 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर बनी हुई है। टीम के लिए यह मुकाबला बेहद निर्णायक है क्योंकि यहां

हार उसकी प्लेऑफ की राह को मुश्किल कर सकती है।

दूसरी ओर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इस सीजन बेहतरीन फॉर्म में नजर आ रही है और टीम ने अब तक खेले गए 12 मैचों में से 8 में जीत दर्ज की है। डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु प्लेऑफ में पहुंचने के बेहद करीब है और उसका आत्मविश्वास भी ऊंचा है। टीम की सबसे बड़ी ताकत विराट कोहली का लगातार शानदार प्रदर्शन रहा है, जिन्होंने कई महत्वपूर्ण मैचों में अपनी टीम को जीत दिलाई है। हाल ही में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उनके शानदार शतक ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। दोनों टीमों के बीच पिछला बड़ा मुकाबला आईपीएल 2025 के फाइनल में हुआ था, जहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीत दर्ज कर अपना पहला खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद अब यह दोनों टीमें इस सीजन पहली बार आमने-सामने होंगी, जिससे मुकाबले को लेकर उत्साह और भी बढ़ गया है।

अगर हेड-टू-हेड रिकॉर्ड की बात करें तो पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच अब तक 37 मुकाबले खेले जा चुके हैं, जिनमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 19 मैच जीते हैं, जबकि पंजाब किंग्स ने 18 मैचों में जीत हासिल की है। यह आंकड़े बताते हैं कि दोनों टीमों के बीच हमेशा कड़ी टक्कर देखने को मिली है। मैच रविवार को दोपहर 3:30 बजे से खेला जाएगा। क्रिकेट प्रशंसकों को एक बार फिर हाई-वोल्टेज मुकाबले की उम्मीद है, जिसमें दोनों टीमें जीत के लिए पूरी ताकत झोंक देंगी।

एक नो-बॉल ने बर्बाद कर दिया करियर, सहवाग को शतक से रोकने वाले गेंदबाज की दर्दनाक कहानी

नई दिल्ली। क्रिकेट को अक्सर अनिश्चितताओं का खेल कहा जाता है, लेकिन कभी-कभी मैदान पर लिया गया एक गलत फैसला खिलाड़ी की पूरी जिंदगी बदल देता है। साल 2010 में भारत और श्रीलंका के बीच खेले गए एक मुकाबले में ऐसा ही एक विवाद सामने आया था, जिसने श्रीलंकाई स्पिनर सूरज रणदीव के करियर पर हमेशा के लिए दाग लगा दिया। यह वही मैच था, जिसमें भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग अपने शतक से सिर्फ एक रन दूर रह गए थे। 16 अगस्त 2010 को दांबुला में त्रिकोणीय सीरीज का मुकाबला खेला जा रहा था। भारतीय टीम जीत के बेहद करीब थी और उसे जीत के लिए केवल एक रन चाहिए था। दूसरी ओर सहवाग 99 रन बनाकर खेल रहे थे। हर किसी को उम्मीद थी कि अगली गेंद पर भारत जीत दर्ज करेगा और सहवाग शानदार शतक पूरा करेंगे। लेकिन तभी सूरज रणदीव ने ऐसी गेंद फेंकी, जिसने पूरे क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया।

रणदीव ने जानबूझकर बहुत आगे गेंद फेंकी, जिसे अंपायर ने नो-बॉल करार दिया। सहवाग ने उस गेंद पर छक्का जड़ दिया था, लेकिन नो-बॉल के कारण भारत को अतिरिक्त रन मिल गया और मैच तुरंत समाप्त हो गया। नियमों के मुताबिक मैच खत्म होते ही सहवाग का छक्का रिकॉर्ड में नहीं जुड़ा और वह 99 रन पर नाबाद रह गए। भारतीय खेमे में जीत तो हुई, लेकिन सहवाग शतक से चूक गए। इस घटना के बाद रणदीव की जमकर आलोचना हुई। क्रिकेट प्रेमियों ने इसे खेल भावना के खिलाफ बताया। जांच में यह भी सामने आया कि श्रीलंका के वरिष्ठ खिलाड़ी तिलकरत्ने दिलशान ने रणदीव को ऐसा करने के लिए उकसाया था। इसके बाद श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड और आईसीसी ने सख्त कार्रवाई करते हुए रणदीव पर एक मैच का प्रतिबंध लगाया और उनकी मैच फीस भी काट ली गई।

चेन्नई की हार से बदला प्लेऑफ समीकरण राजस्थान और पंजाब की उम्मीदों को मिली नई जान

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मिली हार ने प्लेऑफ की तस्वीर पूरी तरह बदल दी है। इस मुकाबले से पहले चेन्नई के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना करीब 47 प्रतिशत मानी जा रही थी, लेकिन हार के बाद यह घटकर केवल 28.4 प्रतिशत रह गई है। चेन्नई के पास शानदार मौका था कि वह लखनऊ को हराकर अंक तालिका के टॉप-4 में जगह बना ले और पंजाब किंग्स को पीछे छोड़ दे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। इस हार का सबसे बड़ा फायदा राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स को मिला है, जिनकी प्लेऑफ उम्मीदों को नया जीवन मिल गया है।

आंकड़ों के अनुसार गुजरात टाइटंस इस समय प्लेऑफ में पहुंचने की सबसे मजबूत दावेदार टीम बनी हुई है। शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात के पास फिलहाल 98 प्रतिशत संभावना है। गुजरात का मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स से होना है और अगर टीम यह मैच जीत जाती है तो वह प्लेऑफ में जगह बनाने वाली पहली टीम बन सकती है। दूसरे स्थान पर मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम है। बेंगलुरु के भी गुजरात की तरह 16 अंक हैं और उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना 96.1 प्रतिशत बताई जा रही है। टीम लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है और लगभग अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर चुकी है।

तीसरे नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद का नाम है। हैदराबाद की टीम फिलहाल 14 अंकों के साथ मजबूत स्थिति में है और उसके प्लेऑफ में पहुंचने के चांस 70.3 प्रतिशत हैं। चौथे स्थान की जंग सबसे ज्यादा दिलचस्प बनी हुई है, जहां राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। आंकड़ों के अनुसार राजस्थान रॉयल्स के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना 51.6 प्रतिशत है, जबकि पंजाब किंग्स 48.8 प्रतिशत के साथ थोड़ा पीछे है। राजस्थान के बचे हुए मुकाबले दिल्ली कैपिटल्स, लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ हैं। इनमें से लखनऊ और मुंबई लगभग ट्रर्नामेंट से बाहर हो चुकी हैं, जबकि दिल्ली को उम्मीदें भी बेहद कमजोर हैं। इसी कारण राजस्थान की राह अपेक्षाकृत आसान मानी जा रही है।

दूसरी ओर पंजाब किंग्स को अपने शेष मुकाबले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलने हैं। पंजाब अधिकतम 17 अंक तक पहुंच सकती है, जबकि राजस्थान 18 अंक हासिल कर सकती है। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ बारिश से धुला मुकाबला पंजाब के लिए अब नुकसानदेह साबित होता दिख रहा है।

आईपीएल के बीच हार्दिक पांड्या की दूसरी शादी की चर्चा तेज

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के बीच भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। सोशल मीडिया और मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि हार्दिक पांड्या जल्द ही दूसरी शादी कर सकते हैं। खबरों के अनुसार हार्दिक इन दिनों मॉडल और अभिनेत्री महिका शर्मा को डेट कर रहे हैं और दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गया है। वायरल पोस्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि दोनों 22 मई को एक निजी समारोह में शादी के बंधन में बंध सकते हैं। हालांकि अभी तक इस संबंध में हार्दिक पांड्या या महिका शर्मा की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। हार्दिक पांड्या ने पहली शादी अभिनेत्री नताशा स्टेनकोविक से 31 मई 2020 को लॉकडाउन के दौरान की थी। दोनों की शादी शुरुआत में काफी चर्चा में रही, लेकिन यह रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं चल पाया। करीब चार साल बाद जुलाई 2024 में दोनों ने अलग होने का फैसला लिया। तलाक के बाद भी दोनों अपने बेटे अगस्त्य पांड्या की परवरिश मिलकर कर रहे हैं। हार्दिक और नताशा अक्सर बेटे के साथ तस्वीरें साझा करते रहते हैं।

तलाक के बाद हार्दिक पांड्या का नाम कई महिलाओं के साथ जोड़ा गया, लेकिन अब महिका शर्मा के साथ उनके रिश्ते की खबरें सबसे ज्यादा चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर दोनों को लेकर लगातार अटकलें लगाई जा रही हैं। दूसरी ओर हार्दिक पांड्या का आईपीएल 2026 में प्रदर्शन और कप्तानी भी सवालों के घेरे में है। वह इस सीजन मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हैं, लेकिन टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। लगातार दूसरे सीजन में मुंबई इंडियंस प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। हार्दिक पिछले दो मुकाबलों में चोट के कारण मैदान पर नहीं उतर पाए थे, हालांकि उम्मीद जताई जा रही है कि वह कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबले में वापसी कर सकते हैं। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया जा रहा है कि आईपीएल 2026 के बाद मुंबई इंडियंस टीम प्रबंधन बड़ा फैसला ले सकता है।

ऑरेंज कैप की रेस में साई सुदर्शन की बड़ी छलांग तय, हेनरिक क्लासेन की बादशाहत पर खतरा

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप की जंग बेहद रोमांचक मोड़ पर पहुंच गई है। आज ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स और गुजरात टाइटंस के बीच होने वाले मुकाबले में गुजरात के युवा सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन के पास ऑरेंज कैप अपने नाम करने का शानदार मौका रहेगा। फिलहाल सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन सबसे ज्यादा रन बनाकर शीर्ष पर मौजूद हैं, लेकिन साई सुदर्शन उनसे बेहद मामूली अंतर से पीछे हैं। साई सुदर्शन ने इस सीजन शानदार बल्लेबाजी करते हुए 12 मैचों में 41.75 की औसत और 155.11 के स्ट्राइक रेट से 501 रन बनाए हैं। वह इस सीजन 500 रन का आंकड़ा पार करने वाले दूसरे बल्लेबाज बने हैं। उनसे आगे सिर्फ हेनरिक क्लासेन हैं, जिनके नाम 508 रन दर्ज हैं। ऐसे में सुदर्शन को ऑरेंज कैप हासिल करने के लिए सिर्फ 8 रन की जरूरत है। हालांकि उनकी कोशिश केवल शीर्ष स्थान हासिल करने की नहीं, बल्कि बड़ी पारी खेलकर बाकी बल्लेबाजों से मजबूत बढ़त बनाने की भी होगी। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल भी इस मुकाबले में खास नजरों में रहेंगे। गिल इस समय 467 रन के साथ सातवें स्थान पर हैं और उनकी निगाहें टॉप-5 में वापसी पर टिकी होंगी। पांचवें स्थान पर मौजूद दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल ने अब तक 477 रन बनाए हैं। ऐसे में शुभमन गिल अगर आज 11 रन बना लेते हैं तो वह टॉप-5 बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो जाएंगे। गिल के पास भी ऑरेंज कैप की दौड़ में आगे निकलने का मौका है। फिलहाल हेनरिक क्लासेन और शुभमन गिल के बीच सिर्फ 41 रन का अंतर है। हालांकि यह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगा कि साई सुदर्शन आज कितनी बड़ी पारी खेलते हैं। यदि सुदर्शन जल्दी आउट होते हैं तो गिल के पास भी शीर्ष स्थान तक पहुंचने का मौका बन सकता है। आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप की दौड़ अब बेहद करीबी हो चुकी है। हेनरिक क्लासेन 508 रनों के साथ पहले स्थान पर हैं, जबकि साई सुदर्शन 501 रन बनाकर दूसरे नंबर पर मौजूद हैं। विराट कोहली 484 रन के साथ तीसरे, अभिषेक शर्मा 481 रन के साथ चौथे और केएल राहुल 477 रन के साथ पांचवें स्थान पर हैं।

टी20 विश्व कप से पहले महाकाल की शरण में पहुंची भारतीय महिला टीम

उज्जैन। महिला टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर पहुंची, जहां खिलाड़ियों ने भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने भस्म आरती में हिस्सा लिया और आगामी विश्व कप में शानदार प्रदर्शन की कामना की। भारतीय टीम की कई खिलाड़ी अपने परिवार के साथ मंदिर पहुंचीं और पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। भारतीय महिला टीम की विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ने बताया कि महाकाल मंदिर में आने से उन्हें मानसिक शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि वह पिछले महीने भी बाबा महाकाल के दर्शन के लिए आई थीं और भस्म आरती में शामिल होकर उन्हें काफी सुकून महसूस होता है। यास्तिका के अनुसार विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट से पहले सभी खिलाड़ी भगवान महाकाल का आशीर्वाद लेना चाहती थीं, ताकि टीम का अभियान सफल और यादगार रहे।

भारतीय क्रिकेट टीम और महाकाल मंदिर का विशेष संबंध पहले भी देखने को मिला है। इससे पहले वनडे विश्व कप का खिताब जीतने के बाद भी भारतीय टीम ने उज्जैन पहुंचकर बाबा महाकाल के दर्शन किए थे। अब महिला टीम भी विश्व कप से पहले इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए मंदिर पहुंची। महिला टी20 विश्व कप 2026 का आगाज 12 जून से होने जा रहा है। भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद टीम इंडिया 17 जून को नीदरलैंड का सामना करेगी। भारतीय टीम का तीसरा मुकाबला 21 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर दक्षिण अफ्रीका से होगा। वहीं 25 जून को भारत और बांग्लादेश के बीच मुकाबला खेला जाएगा। रुप चरण के अपने अंतिम मैच में भारतीय टीम 28 जून को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी।

भारतीय महिला टीम इस बार टी20 विश्व कप में दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। साल 2024 में खेले गए टी20 विश्व कप में टीम का प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा था और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत सेमीफाइनल तक भी नहीं पहुंच सका था। हालांकि पिछले कुछ समय में भारतीय टीम ने इस प्रारूप में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इसी वर्ष भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उसकी सरजमीं पर टी20 सीरीज में हराकर बड़ा संदेश दिया था। हालांकि अप्रैल 2026 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में टीम इंडिया को 1-4 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बावजूद टीम प्रबंधन और खिलाड़ियों को उम्मीद है कि विश्व कप में भारतीय टीम बेहतर प्रदर्शन करते हुए खिताब जीतने की प्रबल दावेदार साबित होगी।

आरसीबी की जर्सी में दिखीं शहनाज गिल, देवदत्त पडिक्कल संग डेटिंग की चर्चाओं ने पकड़ा जोर

नई दिल्ली। शहनाज गिल एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बार उनका नाम भारतीय क्रिकेटर देवदत्त पडिक्कल के साथ जोड़ा जा रहा है। सोशल मीडिया पर दोनों के कथित रिश्ते को लेकर चर्चाएं तेजी से फैल रही हैं। इसकी शुरुआत तब हुई जब शहनाज हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेले गए मुकाबले को देखने स्टेडियम पहुंचीं। मैच के दौरान शहनाज गिल आरसीबी की जर्सी पहने नजर आईं। उन्होंने अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी साझा कीं, जिसके बाद इंटरनेट पर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। खासतौर पर रेडिट और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर यूजर्स यह कयास लगाने लगे कि शहनाज आरसीबी बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल को डेट कर रही हैं। लोगों का मानना है कि आरसीबी को सपोर्ट करने के पीछे भी यही वजह हो सकती है।

हालांकि अब तक न तो शहनाज गिल और न ही देवदत्त पडिक्कल ने इन अफवाहों पर कोई प्रतिक्रिया दी है। दोनों की ओर से रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। इसके बावजूद सोशल मीडिया पर फैंस लगातार दोनों के बीच रिश्ते की संभावनाओं को लेकर चर्चा कर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट और फिल्म जगत के रिश्तों का इतिहास काफी पुराना रहा है। विराट कोहली और अनुष्का शर्मा से लेकर केएल राहुल और अथिया शेट्टी तक कई चर्चित जोड़ियां क्रिकेट और बॉलीवुड के मेल की मिसाल बन चुकी हैं। ऐसे में शहनाज और पडिक्कल का नाम जुड़ने से फैंस की दिलचस्पी और बढ़ गई है।

दूसरी ओर देवदत्त पडिक्कल का प्रदर्शन इस आईपीएल सीजन में शानदार रहा है। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने इस सीजन आरसीबी के लिए लगातार प्रभावशाली पारियां खेली हैं। अब तक खेले गए 12 मुकाबलों में उन्होंने 172 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 367 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से तीन अर्धशतक भी निकले हैं। मिडिल ऑर्डर में उनकी आक्रामक बल्लेबाजी आरसीबी के लिए बड़ी ताकत बनकर उभरी है। टीम प्रदर्शन की बात करें तो आरसीबी इस समय अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर बनी हुई है। टीम ने 12 मुकाबलों में 8 जीत दर्ज की हैं और उसके 16 अंक हैं।

मोदी कैबिनेट में बड़े फेरबदल की सुगबुगाहट- आगामी चुनावों और 2029 की रणनीति पर फोकस

नई दिल्ली। एजेंसी।

लोकसभा चुनाव 2024 के बाद से ही केंद्रीय मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल और विस्तार की अटकलें तेज हुई हैं। प्रधानमंत्री मोदी के लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए 9 जून 2024 को शपथ ग्रहण के बाद से अब तक केंद्रीय कैबिनेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भले ही केंद्र में अपने दम पर पूर्ण बहुमत हासिल नहीं किया है, लेकिन जनता दल (यूनाइटेड) और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) जैसे अपने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सहयोगियों के समर्थन से सरकार का गठन किया है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि भाजपा ने अभी तक सहयोगी दलों के साथ अतिरिक्त मंत्री पदों की संभावनाओं को लेकर कोई औपचारिक चर्चा शुरू नहीं की है, लेकिन जल्द ही इस दिशा में भी कदम उठाए जा सकते हैं।

हाल ही में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक ने इन अटकलों को और हवा दी थी। हालांकि, एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि मंत्रिपरिषद की बैठकें नियमित अंतराल पर होती रहती हैं और मौजूदा परिस्थितियों में ऐसी बैठक असामान्य नहीं है। भाजपा के भीतर हो रहे ये संगठनात्मक और संभावित सरकारी बदलाव आगामी चुनावी रणनीतियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं। पार्टी इसके जरिए 2027 के विधानसभा चुनावों, राष्ट्रपति चुनाव और विशेष रूप से 2029 के लोकसभा चुनावों के लिए एक मजबूत आधार तैयार करने की दिशा में काम कर रही है।

इसी कड़ी में संभावना है कि कुछ वरिष्ठ नेताओं, जो वर्तमान में केंद्रीय मंत्री हैं या प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे हैं, उन्हें संगठन को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय टीम में भेजा जा सकता है। पार्टी का जोर युवा नेतृत्व, महिलाओं और कुछ पेशेवरों को भी मौका देने पर है, क्योंकि भाजपा अगले दशक की अपनी चुनावी रणनीति बना रही है। केंद्रीय कैबिनेट और राष्ट्रीय टीम में उन राज्यों के चेहरों को भी प्राथमिकता मिल सकती है, जहां हाल ही में चुनाव संपन्न हुए हैं, साथ ही आगामी चुनावी राज्यों को भी प्रतिनिधित्व मिलेगा। इसमें उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और गुजरात शामिल हैं, जहां 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन टूटने के बाद भाजपा सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के खिलाफ सीधे मुकाबले की तैयारी कर रही है, जिसके लिए मजबूत नेतृत्व की आवश्यकता है।

इस साल जनवरी में भाजपा के सबसे युवा अध्यक्ष बने 45 वर्षीय नितिन नवीन से उम्मीद की जा रही है कि वे अपनी नई टीम में अनुभवी दिग्गजों और युवा चेहरों के बीच बेहतरीन संतुलन बिठाएंगे। मंत्रियों के संगठन में लौटने के सवाल पर, एक अन्य नेता ने बताया कि जिन मंत्रियों की उम्र एक तय सीमा से अधिक हो चुकी है या जिनका राज्यसभा कार्यकाल समाप्त हो रहा है, उन्हें पार्टी की भूमिका सौंपी जा सकती है। हालांकि, मंत्रियों के प्रदर्शन का आकलन और अंतिम निर्णय पूरी तरह से प्रधानमंत्री मोदी का विशेषाधिकार होगा। यह संभावित फेरबदल न केवल सरकार को नई ऊर्जा देगा, बल्कि पार्टी को भविष्य की चुनावी चुनौतियों के लिए तैयार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ईरान-अमेरिकी जंग के उड़ते विमान की खींची तस्वीर, भारतीय को 10 साल जेल

गोपालगंज। एक साधारण सी तस्वीर ने एक गरीब परिवार की जिंदगी तबाह कर दी। ईरान-इजराइल और अमेरिका के बीच युद्ध जैसे तनावपूर्ण माहौल में दुबई में उड़ते विमान की मोबाइल फोटो खींचने के आरोप में गोपालगंज के एक युवक को 10 साल की सजा सुनाई है। युवक की गिरफ्तारी और सजा की खबर सुनकर पूरा परिवार सदमे में है। घर का इकलौता कमाने वाला जेल चला गया तो परिवार अब भुखमरी के कगार पर पहुंच गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीड़ित युवक की पहचान थावे थाना क्षेत्र अंतर्गत सदर प्रखंड के रफी इंदरवा (इंद्रवा) गांव निवासी अमिरूल मियां के बेटे वसीम अकरम के रूप में हुई है। करीब दो साल पहले परिवार की आर्थिक हालत सुधारने और दो बहनों की शादी कराने के लिए वसीम दुबई गया था। वहां वह मजदूरी करता था। मेहनत-मजदूरी से परिवार का पेट पाल रहा था। पत्नी, छोटे-छोटे बच्चे, बुजुर्ग मां-पिता समेत पूरे परिवार की जिम्मेदारी उसके कंधों पर थी। बताया जा रहा है कि तनावपूर्ण हालात के दौरान वसीम ने उड़ते हुए विमान के अंदर मोबाइल से कुछ तस्वीरें खींच लीं। इसके बाद जब वह नमाज पढ़ने जा रहा था, तब पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। मोबाइल में फोटो मिलने के बाद मामला दर्ज हुआ और गुरुवार को दुबई की कोर्ट ने वसीम अकरम को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुना दी। अब वह जेल में बंद है। रिपोर्ट के मुताबिक वसीम की मां और पिता अमिरूल मियां बेटे की तस्वीर हाथ में लेकर रो-रोकर गुहार लगा रहे हैं। बेटा तो सिर्फ परिवार चलाने गया था, एक फोटो ने सब बर्बाद कर दिया। कहते हुए मां बिलख कर रोने लगती है। पिता कहते हैं कि बेटे के बिना घर में चूल्हा नहीं जल रहा, बच्चे भूख से तड़प रहे हैं। कोई हमारी मदद को आगे नहीं आ रहा है। परेशान होकर परिवार ने गोपालगंज जिलाधिकारी पवन कुमार सिंह से मुलाकात की और बेटे को वतन वापस लाने की अपील की।

ज्यादती से परेशान दो बहनों की मौत-गैंगरेप और ब्लैकमेल के बाद छोटी ने भी किया सुसाइड

मामले में सामने आई जोधपुर पुलिस की घोर लापरवाही

जोधपुर। जोधपुर ग्रामीण इलाके में पुलिस की घोर लापरवाही ने दो बहनों की जान ले ली है। गैंगरेप, ब्लैकमेलिंग और न्याय की उम्मीद में भटकते हुए, पहले बड़ी बहन ने आत्महत्या की, और फिर छोटी बहन ने भी जहर खाकर जान दे दी। यह दर्दनाक घटना पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता और आरोपियों के बेखौफ रवैये को उजागर करती है, जिसने समूचे क्षेत्र को झकझोर दिया है।

मामला करीब चार साल पहले शुरू हुआ था, जब एक ई-मित्र संचालक महिपाल ने बड़ी बहन के साथ शारीरिक संबंध बनाकर उसका आपत्तिजनक वीडियो बनाया। इस वीडियो का इस्तेमाल कर महिपाल और उसके साथी शिवराज, गोपाल, वीजाराम, दिनेश, मनोज और पुखराज ने बड़ी बहन को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। वे लगातार उसका यौन शोषण कर पैसे ऐंठते रहे। इस मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना से तंग आकर बड़ी बहन ने 20 मार्च को आत्महत्या कर ली। बड़ी बहन की मौत के बाद, इन्हीं आरोपियों ने उसकी छोटी बहन को निशाना बनाया। उन्होंने छोटी बहन को ब्लैकमेल करना शुरू किया और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उस भी अपनी हवस का शिकार बनाया। छोटी बहन ने बताया कि महिपाल और गोपाल सहित अन्य आरोपियों ने कई बार होटल और खेतों में बुलाकर गैंगरेप किया।

न्याय की आस में, छोटी बहन ने 11 अप्रैल को थाने में 8 नामजद आरोपियों के खिलाफ गैंगरेप और अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज करवाई। उसी दिन ग्रामीण एसपी पीडी नित्या से भी शिकायत की और स्पष्ट रूप से चेतावनी दी थी कि यदि न्याय नहीं मिला, तब मुझे भी आत्महत्या करनी पड़ेगी। चौंकाने वाली बात यह है कि लिखित चेतावनी और एफआईआर के बावजूद, अगले 33 दिनों तक पुलिस महकमे ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इस दौरान आरोपी लगातार पीड़िता को धमकियां देते रहे और कहते रहे कि पुलिस उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। पुलिस की इस नाकामी और दोषियों को सजा न मिलने से निराश होकर, छोटी बहन ने शुक्रवार को जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। उसकी मौत के बाद, मारवाड़ राजपूत समाज के लोग एमडीएम अस्पताल के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं, दोषियों और लापरवाह पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी के पास दो छोटे बच्चे थे और पुलिस के सामने आरोपी खुलेआम घूमते रहे, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब उन्हें सिर्फ कोर्ट से ही निष्पक्ष न्याय की उम्मीद है।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस की बैलगाड़ी यात्रा- केंद्र सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बढ़ती महंगाई के विरोध में कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस पार्टी नेताओं ने प्रतीकात्मक बैलगाड़ी यात्रा निकालकर पेट्रोल, डीजल, दूध, सब्जियों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की लगातार बढ़ती कीमतों पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। इस दौरान सरकार पर आम जनता की अनदेखी करने का आरोप लगाया। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देविंदर यादव के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता शामिल हुए। उन्होंने पारंपरिक बैलगाड़ी पर सवार होकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर कहा कि बेलगाम महंगाई ने आम लोगों का जीवन दूभर किया है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी का सीधा असर रोजमर्रा की जरूरतों पर पड़ रहा है। दूध, सब्जियां, रसोई गैस और अन्य घरेलू सामानों के दाम आसमान छू रहे हैं, जिससे मध्यम वर्ग और गरीब परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में महंगाई दोगुनी हो गई है और केंद्र सरकार नागरिकों को राहत देने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने बताया कि बैलगाड़ी यात्रा प्रतीकात्मक रूप से यह दर्शाने के लिए निकाली गई है कि महंगाई और ईंधन की ऊंची कीमतें लोगों को आधुनिक परिवहन से भी दूर कर रही हैं। नेताओं का दावा था कि सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण आम आदमी की आय और खर्च के बीच का संतुलन बुरी तरह बिगड़ गया है। इस प्रदर्शन में कई ऑटो चालकों, डिलीवरी बॉय और मध्यम वर्ग से जुड़े लोगों ने भी अपनी आपबीती सुनाकर नाराजगी जाहिर की। उनका कहना था कि पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के दाम बढ़ने से उनकी रोजमर्रा की कमाई प्रभावित हो रही है, वहीं घरेलू बजट पर भी महंगाई का भारी दबाव पड़ रहा है।

ईंधन के बढ़ते दाम- अब रसोई से लेकर सब कुछ होगा महंगा

नई दिल्ली। हाल ही में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी ने आम आदमी की जेब पर सीधा असर डाला है। लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यह सिर्फ शुरुआत है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव और बढ़ते लॉजिस्टिक्स खर्चों के कारण अब रोजमर्रा की जरूरत की कई वस्तुओं और सेवाओं के दाम बढ़ने वाले हैं, जिससे घरेलू बजट और किराने का बिल बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। विशेषज्ञों और एफएमसीजी (एफएमसीजी) कंपनियों का कहना है कि लॉजिस्टिक्स का खर्च बढ़ने से पैकेटबंद खाद्य उत्पाद सबसे पहले प्रभावित हो सकते हैं। बिस्कुट, स्नैक्स, इंस्टेंट नूडल्स, खाद्य तेल और पेय पदार्थों जैसे उत्पादों के लिए वितरण नेटवर्क पर भारी निर्भरता होती है। इन उत्पादों की परिचालन लागत का 6 से 10 प्रतिशत हिस्सा लॉजिस्टिक्स पर खर्च होता है, इसके बाद डीजल की ऊंची कीमतें सीधे इन उत्पादों की कीमतें बढ़ा देंगी।

दूध और उससे बनने वाले उत्पादों पर भी महंगाई की मार पड़ना तय है। अमूल और मदर डेयरी जैसी कंपनियों ने पहले ही परिवहन और परिचालन खर्चों में बढ़ोतरी का हवाला देकर दूध की कीमतों में लगभग 2 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया है। अब दही, मक्खन, पनीर और आइसक्रीम जैसे उत्पादों के दाम भी बढ़ सकते हैं। भारत की खाद्य आपूर्ति श्रृंखला मुख्य रूप से सड़क परिवहन पर निर्भर करती है। सब्जियों, फलों, अनाज और दालों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने का खर्च बढ़ने से उपभोक्ताओं को अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी। इस पूरे संकट में किसानों के लिए भी यह दोहरी मार है, क्योंकि ट्रैक्टर, सिंचाई पंप और कटाई मशीनरी जैसे डीजल-आधारित कृषि उपकरण महंगे हो जाएंगे, जिससे कृषि लागत में वृद्धि होगी और अंततः खाद्य उत्पादों की कीमतें और बढ़ेंगी। शहरी उपभोक्ताओं के लिए ऑनलाइन डिलीवरी और ई-कॉमर्स सेवाएं भी महंगी हो सकती हैं। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म और कूरियर कंपनियां अपने अंतिम मील की डिलीवरी लागत में वृद्धि का सामना करेंगी, जो डिलीवरी शुल्क में वृद्धि, छूट में कमी या न्यूनतम ऑर्डर मूल्य में बढ़ोतरी के रूप में ग्राहकों तक पहुंचेगी।

इतना ही नहीं साबुन, शैंपू, डिटर्जेंट और सफाई उत्पादों जैसे व्यक्तिगत और घरेलू देखभाल के सामान भी महंगे हो सकते हैं। परिवहन लागत में वृद्धि के कारण टैक्सी, बस यात्रा और सामान्य कूरियर सेवाओं की लागत भी बढ़ सकती है, जिससे रोजमर्रा की जिंदगी का हर पहलू प्रभावित होगा। कुल मिलाकर, ईंधन की कीमतों में यह बढ़ोतरी केवल पेट्रोल पंप तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर घर की रसोई से लेकर मासिक किराना बिल और सेवाओं तक को प्रभावित करते हुए महंगाई का एक व्यापक चक्र शुरू कर सकती है, जिसकी चेतावनी विशेषज्ञ लगातार दे रहे हैं।

समझौते के बाद भी सेलाकुई में भड़का श्रमिक आंदोलन, पुलिसकर्मी घायल

देहरादून। देहरादून के औद्योगिक क्षेत्र सेलाकुई में वेतन वृद्धि व अन्य मांगों को लेकर चल रहा श्रमिक आंदोलन फिर हिंसक हो उठा। एक दिन पहले ही लेबर कमिश्नर और फैक्ट्री प्रबंधन के साथ मांगों पर सहमति बनने के बावजूद, गुस्साए श्रमिक फिर से कंपनी के बाहर जमा हुए और विरोध प्रदर्शन के दौरान जमकर पत्थरबाजी की। इस हिंसक झड़प में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए, जबकि फैक्ट्री परिसर में तोड़फोड़ और वाहनों को भी नुकसान पहुंचा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह होते ही बड़ी संख्या में मजदूर कंपनी के बाहर जमा हो गए। देखते ही देखते विरोध प्रदर्शन उग्र हुआ और कुछ प्रदर्शनकारियों ने अचानक पत्थरबाजी शुरू कर दी। सड़क पर अफरा-तफरी मच गई और पत्थरों की चपेट में आकर कई पुलिसकर्मी चोटिल हो गए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। पत्थरबाजी के दौरान फैक्ट्री परिसर में भी काफी नुकसान हुआ और आसपास खड़े कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। बिगड़ते हालात को देखकर प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई कर पूरे औद्योगिक क्षेत्र को पुलिस छावनी में तब्दील किया है। किसी भी तरह की भीड़ जमा होने से रोकने के लिए चप्पे-चप्पे पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और स्थिति पर नजर रखने के लिए ड्रोन कैमरों का भी सहारा लिया जा रहा है। एसपी देहात ने बताया कि प्रदर्शनकारियों की मांगों पर सहमति बनने के बावजूद, उन्होंने अनावश्यक रूप से हड़ताल की और पत्थरबाजी की, जिसमें पुलिसकर्मी घायल हुए। फिलहाल, प्रदर्शनकारियों को मौके से हटा दिया गया है और प्रशासन स्थिति को शांत कराने का प्रयास कर रहा है। हालांकि, तनाव अभी भी बरकरार है और इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। प्रशासन को इस बात की भी आशंका है कि विरोध प्रदर्शन कर रहे श्रमिकों के समर्थन में अन्य कंपनियों के मजदूर भी शामिल हो सकते हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है।

अमित शाह का गुजरात दौरा- ग्रीन लोकसभा अभियान और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष फोकस

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आज से अपने गृह राज्य गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे हैं। इस दौरान उनका मुख्य फोकस गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों और पर्यावरण संरक्षण अभियानों की समीक्षा पर रहेगा। गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र को हरित और पर्यावरण अनुकूल बनाने के उद्देश्य से ग्रीन लोकसभा अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, जल संरक्षण और तालाबों के पुनर्जीवन जैसे कार्य किए जा रहे हैं।

अपने दौरे के दौरान अमित शाह ने पर्यावरण संरक्षण और ईंधन बचत को लेकर एक प्रेरणादायी संदेश भी दिया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि उन्हें रिसीव करने के लिए बड़ी संख्या में गाड़ियां लेकर एयरपोर्ट न पहुंचें। पेट्रोल-डीजल की बचत और ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से दी गई इस अपील का असर भी देखने को मिला और एयरपोर्ट पर केवल प्रोटोकॉल के तहत चुनिंदा नेता ही मौजूद रहे।

अहमदाबाद पहुंचने के बाद अमित शाह अहमदाबाद के जोधपुर क्षेत्र स्थित म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की दक्षिण-पश्चिम जोन कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने विभिन्न प्रशासनिक और संगठनात्मक बैठकों में भाग लिया। विशेष बात यह रही कि अमित शाह केवल 4 गाड़ियों के छोटे काफिले के साथ बैठक स्थल पहुंचे। उन्होंने अलग-अलग स्थानों पर जाने के बजाय एक ही कार्यालय से सभी बैठकों का संचालन करने का निर्णय लिया, ताकि ईंधन की बचत हो और ट्रैफिक पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

गांधीनगर ग्रीन लोकसभा अभियान के अंतर्गत आयोजित समीक्षा बैठक में सरखेज-गांधीनगर हाईवे के आधुनिकीकरण और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। बैठक में एसजी हाईवे को डस्ट फ्री बनाने, कर्णावती जंक्शन से सरखेज ब्रिज तक चल रहे कार्यों की प्रगति, ट्रैफिक प्रबंधन और पार्किंग सुविधाओं पर विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक में मानसून के पानी के अधिकतम संचयन के लिए तालाबों की क्षमता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। ग्रीन लोकसभा अभियान के तहत कई तालाबों का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। इसके अलावा लोकसभा क्षेत्र के तालाबों को इंटरलिंक करने, उन्हें गहरा करने और भूजल स्तर बढ़ाने के उपायों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जल संरक्षण को मजबूत करने के लिए बड़े स्तर पर योजनाएं तैयार की जा रही हैं।

इस महत्वपूर्ण बैठक में हर्ष संघवी, अहमदाबाद शहर पुलिस कमिश्नर, चीफ सेक्रेटरी, गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के आईएएस अधिकारी तथा अहमदाबाद और गांधीनगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में आगामी वृक्षारोपण अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की गई और पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने पर जोर दिया गया।

इस साल फिर जल्द दस्तक देगा मानसून पर अल-नीनो से खड़ा होगा सूखे का संकट

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने इस बार मानसून के जल्द दस्तक देने का अनुमान लगाया है। पूर्वानुमान है कि केरल में मानसून इस साल फिर जल्द आमद देगा और यह 26 मई के आसपास राज्य में प्रवेश करेगा। आमतौर पर एक जून के आसपास मानसून भारत के दक्षिणी छोर पर दस्तक देता है। अगर यह पूर्वानुमान सही साबित होता है तो यह लगातार तीसरी बार बार होगा, जब वह समय से पहले दस्तक देगा। पिछले साल मानसून 27 मई को और 2024 में 31 मई को केरल पहुंचा था। मौसम विभाग ने इस बार अल-नीनो इफेक्ट की वजह से बारिश में कमी और कई इलाकों में सूखा पड़ने की भी आशंका जताई है। मौसम विभाग ने आगाह किया है कि इस बार सुपर अल नीनो इफेक्ट की वजह से कई इलाकों में सूखे की स्थिति बन सकती है। बता दें समुद्र के सतह का तापमान बढ़ने से अल-नीनो की स्थिति बनती है। इससे पूरी दुनिया का ही जल चक्र का पैटर्न प्रभावित हो जाता है और फिर बारिश भी कम होती है। मौसम विभाग ने कहा है कि इस बार 35 फीसदी तक बारिश में कमी रहेगी। रिपोर्ट के मुताबिक उत्तरी, पश्चिमी और मध्य भारत के राज्य अल-नीनो की वजह से प्रभावित हुए हैं। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में भी जून और जुलाई में बारिश कम ही होगी। हालांकि अगस्त और सितंबर में अच्छी बारिश हो सकती है। इसके अलावा मध्य प्रदेश के इंदौर, ग्वालियर में भी सामान्य से कम ही बारिश हो सकती है। इसके अलावा तमिलनाड और आंध्र प्रदेश का भी बड़ा इलाका इससे प्रभावित होगा। यहां सूखा नहीं बल्कि भारी बारिश का अनुमान है। ऐसे में तबाही के स्तर पर बारिश हो सकती है। एक राहत की बात हिंद महासागर में न्यूट्रल इंडियन ओशन डिपोल की स्थिति है। नवीनतम जलवायु मॉडल के पूर्वानुमान यह भी संकेत देते हैं कि सीजन के अंत में सकारात्मक आईओडी स्थितियां विकसित होने की संभावना है। विश्लेषकों के मुताबिक सकारात्मक आईओडी आमतौर पर मानसून के लिए अच्छा होता है। यह पश्चिमी हिंद महासागर में समुद्र की सतह के तापमान को बढ़ाता है। इससे उपमहाद्वीप की ओर नमी का प्रवाह बढ़ता है। यह अक्सर सामान्य से अधिक वर्षा का कारण बनता है और शुष्क अल नीनो स्थितियों के प्रभाव को कम करने में मदद करता है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रॉबर्ट वाड्रा को मिली नियमित जमानत

एवेन्यू कोर्ट में हुए पेश, कहा- सरकार के इशारे पर काम करती है ईडी

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को बिजनेसमैन रॉबर्ट वाड्रा को शिकोहपुर जमीन सौदा मामले में प्री-अरेस्ट बेल यानी नियमित जमानत दे दी गई। कोर्ट ने इस मामले में ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए वाड्रा को समन जारी किया था। जमानत देते समय कोर्ट ने कोई अतिरिक्त शर्त नहीं रखी। सुनवाई के दौरान वाड्रा ने कहा कि ईडी सरकार के इशारे पर काम करती है और निष्पक्ष नहीं है, लेकिन मुझे देश की न्यायपालिका पर पूरा यकीन है।

वहीं, ईडी के वकील जोहेब हुसैन ने जांच की विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा है। उन्होंने कोर्ट को बताया कि एजेंसी अभी भी कुछ पहलुओं की जांच कर रही है और इसके लिए समय की जरूरत है। इस मामले में अगली सुनवाई 10 जुलाई को होगी। ईडी के मुताबिक वाड्रा की कंपनी ने फरवरी 2008 में ओमकारेश्वर प्रॉपर्टीज से 7.5 करोड़ गुरुग्राम के शिकोहपुर में 3.5 एकड़ जमीन खरीदी थी। बाद में इसे डीएलएफ को 58 करोड़ रुपए में बेच दिया गया।

एजेंसी का दावा है कि ये डील मनी लॉन्ड्रिंग का हिस्सा थी। इसको लेकर वित्तीय लेन-देन की जांच शुरू की गई। जुलाई 2025 में ईडी ने मामले में एफआईआर की और चार्जशीट में रॉबर्ट वाड्रा का भी नाम डाला। ईडी ने जुलाई 2025 में को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के बिजनेसमैन पति रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। यह मामला ब्रिटेन के आर्म्स डीलर संजय भंडारी के साथ संदिग्ध लेनदेन से जु?ा है। चार्जशीट दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल की गई थी। इस मामले में पीएमएलए के तहत वाड्रा का बयान जुलाई में दर्ज किया गया था।

ईडी का दावा है कि वाड्रा और भंडारी के बीच वित्तीय लेनदेन की कड़ियां मिली हैं, जिनमें विदेशी प्रॉपर्टी और फंड ट्रांसफर की जांच शामिल है। ईडी ने चार्जशीट में वाड्रा को 9वें नंबर का आरोपी बनाया गया है। अब इस मामले पर कोर्ट 6 दिसंबर को विचार करेगी। वाड्रा के खिलाफ यह मनी लॉन्ड्रिंग का दूसरा आरोप-पत्र है। जुलाई में ईडी ने हरियाणा के शिकोहपुर में एक जमीन सौदे में अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भी वाड्रा के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था। 2016 में लंदन भाग गया संजय भंडारी हथियार डीलर है। इनकम टैक्स विभाग ने भंडारी के खिलाफ 2015 के काला धन विरोधी कानून के तहत आरोपपत्र दाखिल किया था। 2016 में इनकम टैक्स विभाग की छापेमारी के बाद वह भारत से लंदन भाग गया। दिल्ली की एक अदालत ने 63 साल के संजय भंडारी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया है।

वहीं मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शनिवार को जमानत मिलने के बाद बिजनेसमैन रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि वे निडर हैं और कुछ छिपाना नहीं चाहते हैं, बस ईडी को झेलना है। उन्होंने कहा कि उनमें झेलने की क्षमता है, वह सबसे बड़ी चीज है। रॉबर्ट वाड्रा के वकील ने अपनी दलील में कहा कि इस मामले में उन्हें पहले कभी गिरफ्तार नहीं किया गया था, इसलिए उन्हें जमानत दी जानी चाहिए। कोर्ट ने उनकी दलील सुनने के बाद जमानत मंजूर कर ली। मामले की अगली सुनवाई 10 जुलाई को होगी।

जमानत मिलने के बाद मीडिया से कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि मुझे इस देश की न्यायिक व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। मुझे पता है कि ईडी को सरकार चला रही है और ईडी सरकार के इशारों पर ही काम करती रहेगी। इसलिए ईडी की तरफ से यह रवैया सही नहीं है, लेकिन मुझे देश की न्यायिक व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। मैं यहीं हूं, मेरे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। इसलिए मैं हमेशा यहीं रहूंगा और सभी सवालों के जवाब दूंगा। जो भी औपचारिकताएं हैं, मैं उन्हें पूरी करूंगा।

एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के ठिकानों से 50 लाख मिले

पटन। बिहार में ग्रामीण कार्य विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के घर शनिवार को आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने छापेमारी की है। पटना और जमुई के 4 ठिकानों पर ये छापेमारी चल रही है। पटना में जगत विला अपार्टमेंट में फ्लैट नंबर एफ-2 से 40 लाख रुपए कैश मिले हैं। ये कैश डिजिटल लॉकर में रखे गए थे। लाखों के गहने भी बरामद हुए हैं। उनके आंकलन के लिए एक्सपर्ट को बुलाया गया है। सुबह करीब साढ़े 8 बजे ईओयू के अधिकारी यहां कार्रवाई के लिए पहुंचे थे।

कई बैंकों की पासबुक और जमीन से जु? कागजात भी टीम को मिले हैं। जमुई में रेड के दौरान 8.39 लाख कैश मिले हैं। नोटों की गिनती जारी है। गोपाल कुमार जमुई के झाझा में ग्रामीण कार्य विभाग में एग्जीक्यूटिव इंजीनियर हैं। ईओयू ने गोपाल कुमार पर आय से अधिक संपत्ति का केस दर्ज किया था। वारंट के बाद ये एक्शन लिया गया है।

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

सो रहे बुजुर्ग चाचा पर भतीजे ने लाठी से किया हमला

गंभीर रूप से घायल जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रूपझर थाना क्षेत्र के ग्राम चिखलाझोड़ी में रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है यहां एक भतीजे ने गहरी नींद में सो रहे अपने 65 वर्षीय वृद्ध चाचा पर लाठी से जानलेवा हमला कर दिया हमले में वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल वृद्ध रूप सिंह पिता सोमा मरकाम 65 वर्ष ग्राम हरीभाट थाना परसवाड़ा निवासी है जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार रूपसिंह मरकाम खेती-किसानी और मजदूरी कर जीवन

यापन करते हैं। रूप सिंह का विवाह करीब 40 साल पहले हुआ था। शादी के कुछ साल बाद ही पत्नी उन्हें छोड़कर चली गई। इसके बाद से वह अपने बड़े भाई के नाती बसंत मरकाम के परिवार के साथ रहते थे डेढ़ महीने पहले रूप सिंह अपने भतीजे श्यामलाल मरकाम के घर चिखलाझोड़ी महुआ बीनने के लिए आए थे। श्यामलाल शादी के बाद से ससुराल चिखलाझोड़ी में ही परिवार सहित रहता है महुआ सीजन खत्म होने पर रूपसिंह पत्ता तोड़ने के सीजन के लिए वहीं रुक गए थे। 15 मई की रात रूप सिंह खाना खाकर भतीजे के घर में सो रहे थे देर रात श्यामलाल मरकाम ने सोते हुए चाचा रूपसिंह के सिर पर लाठी से ताबड़तोड़ वार कर दिए रूपसिंह के चिल्लाने पर घर के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किये। तब तक रूप सिंह लहूलुहान होकर गंभीर रूप से घायल हो चुके थे घटना के बाद परिजनों ने घायल रूप सिंह को तुरंत जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया। जहां उनका इलाज जारी है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हमले की वजह जानने के लिए जांच कर रही है। आखिर भतीजे ने ऐसा क्यों किया। पुलिस जांच के बाद ही पूरा सच सामने आने की संभावना है।

नीट पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस ने निकाली मशाल रैली

हनुमान चौक में प्रदर्शन कर की जमकर नारेबाजी, दोषियों के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की करी मांग, कहा- युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही मोदी सरकार, शिक्षा मंत्री का भी मांगा इस्तीफा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नीट पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस पार्टी का सरकार के खिलाफ लगातार आक्रामक रूप दिखाई दे रहा है। जहां पिछले दिनों नगर के काली पुतली चौक में शिक्षा मंत्री का पुतला दहन करने के बाद अब इसी मामले को लेकर शनिवार को कांग्रेस पार्टी द्वारा नगर में एक मशाल रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया कांग्रेस कमेटी जिला अध्यक्ष संजय उइके के नेतृत्व में किए गए इस विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसियों ने मोदी सरकार पर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किए जाने का आरोप लगाया है, तो वहीं उन्होंने इस मामले में शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की भी मांग की है। कांग्रेसियों का यह विरोध प्रदर्शन शनिवार की शाम जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय से प्रारंभ हुआ, जहां से एक मशाल रैली निकाली गई, इस रैली में शामिल कांग्रेस के विधायको सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए हनुमान चौक पहुंचे, जहां कांग्रेसियों ने प्रदर्शन करते हुए उन मशालों का दहन किया। इस दौरान कांग्रेसियों ने मोदी सरकार की विभिन्न नीतियों पर निशाना साधते हुए जमकर निंदा की, तो वहीं पेपर लीक मामले को युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताते हुए इस मामले में दोषी सभी आरोपियों पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है। वही उन्होंने शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगते हुए युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ होने पर सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन किए जाने की भी चेतावनी दी है।

इन मांगो को लेकर सौपा ज्ञापन

कांग्रेस पार्टी द्वारा नगर के हनुमान चौक में किए गए इस विशाल मशाल प्रदर्शन के दौरान प्रशासन को विभिन्न सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौपा गया है जिसमें कांग्रेसियों द्वारा वर्तमान में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का तत्काल इस्तीफा लिए जाने, नीट पेपर लिक मामले की मध्यप्रदेश उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच कराए, सी.बी.आई. के द्वारा गिरफ्तार किये गये सभी आरोपियों को प्रीलिमनरी टेस्ट कर इस घोटाले में लिप्त राजनैतिक व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही कर कड़ी सजा दिलाने, एन.टी.ए. को बर्खास्त कर जिम्मेदारों पर वैधानिक कार्यवाही करने और लगातार बढ़ती जा रही महंगाई पर काबू किए जाने की मांग की है। वहीं उन्होंने देश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ होने पर कांग्रेस पार्टी द्वारा सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन किए जाने की भी चेतावनी दी है।

देश में भाजपा सरकार का कुशासन चल रहा है- अनुभा

विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने बताया कि भाजपा सरकार, देश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का काम कर रही है, बड़ा दुख का विषय है कि बच्चे बड़ी मेहनत से पढ़ाई करते हैं, कोचिंग संस्थानों में मोटी फीस देकर परीक्षा की तैयारी करते हैं, लेकिन हमेशा की तरह उनकी मेहनत पर पानी फिर जाता है इसबार भी कुछ ऐसा ही हुआ, जहां पूर्व की भांति इस बार भी नीट का पेपर लीक हो गया पेपर लीक होने के बाद परीक्षा रद्द कर दी जाती है, जो इसबार भी हुई है। यह सरकार युवाओं के भविष्य के साथ लगातार खिलवाड़ कर रही है हमारी मांग है कि इसके दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाई की जाए, उन्होंने बताया कि देश में भाजपा सरकार का कुशासन चल रहा है जो युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है इसे कांग्रेस पार्टी बर्दाश्त नहीं करेगी। क्योंकि युवा ही भारत देश की ताकत है हम युवाओं के भविष्य के साथ ऐसा खिलवाड़ नहीं होने देंगे।

10 साल में 70 बार पेपर लीक होना मामूली बात नही है-संजय उइके

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं बैहर विधायक संजय उइके ने बताया कि नीट के पेपर बार बार लीक हो रहे है ये युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है यह पहली बार पेपर लिक नहीं हुआ है बल्कि 10 सालों में 70 बार विभिन्न परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके है जो मामूली बात नहीं है इस शिक्षा तंत्र पर बड़ा प्रश्नचिन्ह है एक गरीब मजदूर का बच्चा मेहनत कर परीक्षा की तैयारी करता है, वो बच्चे के सपने संजोकर परीक्षा देता है ऐसे में पेपर का लीक हो जाना उसके भविष्य के साथ खिलवाड़ है इसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए, दोषियों पर कार्यवाही की जानी चाहिए, जो एजेंसी यह परीक्षा करा रही है उसे हटाना चाहिए उसपर कार्यवाही होनी चाहिए बार बार पेपर लीक होने से लगता है कि सरकार में बैठे लोग और उनसे जुड़े लोग इस घोटाले में शामिल है इसी के विरोध में आज कांग्रेस पार्टी द्वारा पूरे देश मे सांकेतिक तौर पर मशाल प्रदर्शन किया गया है यदि इसकी पुनरावर्ती होती है कांग्रेस सड़को पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेगी।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बद्ध
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHI
- कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
- माईनिंग इंजीनियरिंग
- सिविल इंजीनियरिंग
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824

लोन वसूली में ऐसा भी-किस्त मांगने गए फाइनेंस ऑफिसर पर लकड़ी से हमला- दोबारा आने पर दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम करमसरा के भेलवाटोला में लोन की किस्त मांगने गए प्राइवेट फाइनेंस कंपनी के फील्ड ऑफिसर पर लोन धारक महिला के पति ने लकड़ी से हमला कर दिया और दोबारा पैसा मांगने घर आने पर जान से मारने की धमकी भी दी। घायल ऑफिसर का बिरसा अस्पताल में इलाज कराया गया। मलाजखंड पुलिस ने आरोपी अनिल मैयाम के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कैन्ह थाना रूपझर निवासी अजीत उइके प्राइवेट स्वतंत्र माइक्रो फाइनेंस कंपनी में फील्ड ऑफिसर हैं। कंपनी सिर्फ महिलाओं को लोन देती है। अजीत ने 18 अगस्त 2024 को ग्राम करमसरा भेलवाटोला निवासी कौशल्या पति अनिल मैयाम40 को 30 हजार रुपये का लोन दिलवाया था। जिसकी 1600 रुपये मासिक किस्त हर माह 7 तारीख को जमा करनी थी।

किस्त न पटाने पर घर पहुंचे थे ऑफिसर

कौशल्या ने मई माह की किस्त 7 मई को जमा नहीं की थी। 14 मई को शाम करीब 5 बजे फील्ड ऑफिसर अजीत उइके किस्त वसूली के लिए कौशल्या के घर भेलवाटोला पहुंचे। घर पर कौशल्या की सास और पति अनिल मैयाम मौजूद थे। कौशल्या के बारे में पूछने पर बताया गया कि वह घर पर नहीं है। अजीत ने जब कहा कि कौशल्या ने इस माह की लोन की किस्त नहीं पटाई है,यह सुनते ही अनिल मैयाम भड़क गया। वह गाली-गलौज करते हुए बोला कभी भी पैसा मांगने घर आ जाते हो। अजीत के गालियां देने मना करने पर अनिल ने उसे हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी और आंगन में पड़ी लकड़ी उठाकर सिर, आंख और शरीर पर वार कर दिए। अनिल,अजीत को और मारपीट करता किंतु उसके चिल्लाने पर मोहल्ले-पड़ोस के लोग दौड़े और बीच-बचाव कर झगड़ा छुड़ाया। इसके बाद अनिल ने दोबारा पैसा मांगने घर आने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी।

कंपनी स्टाफ ने पहुंचकर कराया इलाज

घटना के बाद अजीत ने कंपनी के ब्रांच मैनेजर डालेंद्र राहंगडाले सहित अन्य स्टाफ को फोन कर बुलाया। कंपनी के कर्मचारी घायल अजीत को बिरसा अस्पताल ले गए। जहां उसका इलाज कराया गया। इलाज के बाद अजीत उइके ब्रांच मैनेजर के साथ मलाजखंड थाने पहुंचे। पुलिस ने अनिल मैयाम के विरुद्ध गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेढ़ापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरुनानक पेट्रोल पंप के सामने हनुमानगढ़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो नं :9425130710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्र. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट